6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष दशमी 09:29 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 30 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 301, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ शीतकालीन सत्र में भी सुनाई देगी एसआईआर की गूंज - 12

■ महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात के लिए 80 करोड़ डॉलर का ऋण देगा एडीबी - 12

■ तूफान दितवा ने पकड़ी गति आज आधी रात पहुंचेगा तमिलनाडु तट - 13

■ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय मुकाबले में रोहित और कोहली की होगी कड़ी परीक्षा - 14

कलाबाजी

वृन्दावन योजना स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड पर वैसे तो 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी का समापन शुक्रवार को हो गया, लेकिन शनिवार को भी यहां स्काउट और गाइड ने कई कलात्मक प्रदर्शन किए। इस दौरान स्काउट की ओर से किया गया मलखंभ का प्रदर्शन खूब सराहा गया। अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह ने विभिन्न देशों और प्रांतों की टीमों को शुभकामनाओं के साथ विदाईदी। अमृतविचार

ए320 विमानों के सॉफ्टवेयर अपडेट से उड़ानें प्रभावित

वाशिंगटन, एजेंसी

- एयरबस ने कहा- दुनियाभर के 6000 विमानों को अपग्रेड की जरूरत
- जेटब्लू का विमान ऊंचाई से अचानक नीचे आने के बाद मिली थी गड़बड़ी

भारत समेत दुनिया भर की विमानन कंपनियों ने शनिवार को व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक विमान ए320 के सॉफ्टवेयर को अपडेट किया, जिसके चलते कई उड़ानों में देरी हुई और कई को रद्द करना पड़ा।

जांच में पता चला कि पिछले महीने जेटब्लू के एक विमान के ऊंचाई से अचानक नीचे आने में कंप्यूटर कोड की गड़बड़ी शामिल हो सकती है। एयरबस ने शुक्रवार को बताया कि जेटब्लू की उस घटना की जांच से पता चला कि सूरज की तेज किरणें (सोलर रेडिएशन) ए320 बेड़े के विमानों के उड़ान नियंत्रण को खराब कर सकती हैं। यूरोप की सुरक्षा एजेंसी ने

कहा कि जापान में 65 घरेलू उड़ानें रद्द करनी पड़ी। अमेरिकन एयरलाइंस के पास ए320 बेड़े के करीब 480 विमान हैं, जिनमें से 209 को अपडेट की जरूरत है। दुनिया भर में करीब 6000 प्रभावित विमानों को सॉफ्टवेयर अपग्रेड की जरूरत है। कुछ विमानों में हार्डवेयर को भी ठीक करना पड़ सकता है। कुल 8100 से ज्यादा ए320 परिवार के विमान सेवा में हैं।

भारतीय एयरलाइंस ने बेड़े के 90 प्रतिशत विमानों का सॉफ्टवेयर अपग्रेड पूरा किया : डीजीसीए

नई दिल्ली। इंडिगो, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शनिवार से ए320 बेड़े के विमानों का सॉफ्टवेयर अपग्रेड शुरू कर दिया, ताकि एक संभावित विमान नियंत्रण समस्या को ठीक किया जा सके। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बताया कि प्रभावित 338 विमानों में 90 प्रतिशत में जरूरी बदलाव कर दिए गए हैं। इस वजह से कई उड़ानों में देरी हुई, जबकि कुछ को रद्द करना पड़ा। विमानन नियामक के ताजा आंकड़ों के अनुसार इंडिगो और एयर इंडिया ने कोई उड़ान रद्द नहीं की, जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 4 उड़ाने रद्द कीं। शनिवार शाम 5:30 बजे तक कुल 338 में 270 विमानों में सॉफ्टवेयर अपग्रेड पूरा हो चुका था। इंडिगो के 200 विमान प्रभावित हैं, जिनमें से 184 पर अपग्रेड पूरा हो चुका है। एयर इंडिया के 113 में 69 और एयर इंडिया एक्सप्रेस के 25 में 17 विमानों में अपग्रेड पूरा हो चुका था। यह अपग्रेड दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, अहमदाबाद और कोलकाता में एयरलाइंस के बेस पर किया जा रहा है। सभी प्रभावित विमानों का अपग्रेड 30 नवंबर सुबह 5:29 बजे तक पूरा करना है।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, मातृत्व की चुनौतियां पेरेंटिंग का बदलता रूप व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

जरूरतमंद इलाज कराएं, धन की कमी को नहीं बनने देंगे बाधा : योगी

गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लगाने वालों को किया आश्वस्त

- अधिकारियों को निर्देश, मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि कराई जाए उपलब्ध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लगाने वालों को आश्वस्त किया है कि सरकार किसी भी जरूरतमंद के इलाज में धन की कमी को बाधक नहीं बनने देगी। स्पष्ट कहा कि बिना चिंता किए उच्चीकृत अस्पतालों में इलाज कराएं, भरपूर आर्थिक मदद मिलेगी। उपचार में जो भी धनराशि खर्च होगी, उसकी व्यवस्था सरकार करेगी।

सीएम योगी ने इसे लेकर अफसरों को निर्देशित भी किया कि जिन लोगों को उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान योगी ने उक्त बातें कहीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार देर शाम गोरखपुर

गोरखपुर : जनता दर्शन में महिलाएं स्वयं या परिजनों के बीमारियों में इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंची।

पहुंचे थे। गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद शनिवार सुबह उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने मंदिर परिसर में एक-एक करके समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने की आवश्यकता नहीं है। योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कई लोग (खासकर महिलाएं) स्वयं या परिजनों के गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे।

एक बिटिया ने अपनी मां के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मनुहार की तो योगी ने कहा, चिंता मत करो, इलाज कराओ, पैसे की व्यवस्था कर दी जाएगी। अन्य को भी इसी आत्मीयता से भरोसा दिया कि इलाज के लिए सभी की पर्याप्त मदद की जाएगी।

जमीन कब्जा या दबंगई पर सख्त कानूनी कार्रवाई होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। पारिवारिक मामलों के निस्तारण में दोनों पक्षों को एकसाथ बैठाकर संवाद करने को प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह निर्देश भी दिए यदि कोई पात्र व्यक्ति शासन की कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित है तो उसे तत्काल योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए।

ब्रीफ न्यूज

एआरटीओ पुष्पांजलि की बिना कोर्ट अनुमति गिरफ्तारी नहीं

लखनऊ: रायबरेली के लालगंज कोतवाली में भ्रष्टाचार मामले में दर्ज एफआईआर में एआरटीओ पुष्पांजलि मित्र गौतम को हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच से राहत मिल गई है। राज्य सरकार की ओर से दिए गए इस आश्वासन पर न्यायमूर्ति अब्दुल मोईन व न्यायमूर्ति बबीता रानी की खंडपीठ ने पुष्पांजलि मित्र गौतम की याचिका को निस्तारित कर दिया है। कोर्ट ने संबंधित एफआईआर में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेपनहीं कियाहै।

प. बंगाल के राज्यपाल ने राजभवन का नाम बदल लोकभवन किया

कोलकाता। प. बंगाल के राज्यपाल बोस ने केंद्र सरकार के एक निर्देश को लागू करते हुए शनिवार को कोलकाता में स्थित राज भवन का नाम बदलकर लोक भवन कर दिया। एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है, गृह मंत्रालय के 25/11/2025 के पत्र के अनुरूप, यह अधिसूचित किया जाता है कि कोलकाता के राजभवन, फ्लैगस्टाफ हाउस और दार्जिलिंग में स्थित राजभवन परिसरों का नाम संशोधित करके लोक भवन कर दिया गया है।

तत्काल सुनवाई वाले मामले दो दिनों में होंगे सूचीबद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीजेआईने एक दिसंबर से लागू की यह व्यवस्था
- सुबह 10:00 बजे से 10:30 बजे के बीच किया जा सकता अनुरोध

भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने एक दिसंबर से मामलों की सूची को सुव्यवस्थित करने के लिए कदम उठाए हैं। मामलों के सूचीबद्ध और उल्लेख के लिए परिपत्र जारी किए गए हैं। परिपत्र के अनुसार, वादियों को तत्काल सुनवाई की आवश्यकता वाले अपने मामले को सूचीबद्ध करने के लिए पीठ के समक्ष उल्लेख करने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि नए मामले स्वतः ही सूचीबद्ध हो जाएंगे।

परिपत्र में कहा गया है, व्यक्तियों की स्वतंत्रता से जुड़े सभी नए मामले और जहां तत्काल अंतरिम आदेश की मांग की गई है और मामले का सत्यापन हो चुका है, अगले दो कार्यदिवसों के भीतर सूचीबद्ध किए जाएंगे। इसमें कहा गया, सभी जमानत याचिकाओं का शीघ्र निपटान सुनिश्चित करने के लिए, अग्रिम प्रति प्रतिवादी (भारत संघ/राज्य/केंद्र शासित प्रदेश) के संबंधित नोडल अधिकारी/स्थायी वकील को दी जानी चाहिए। परिपत्र के अनुसार, अग्रिम जमानत, मृत्युदंड, बंदी प्रत्यक्षीकरण, बेदखली और तोड़फोड़ की कार्रवाई से संबंधित असाधारण रूप से जरूरी मामले में, जो निर्धारित तिथि पर सूचीबद्ध होने की प्रतीक्षा नहीं कर सकते, अनुरोध सुबह 10:00 बजे से 10:30 बजे के बीच किया जा सकता है। इसमें कहा गया है, किसी भी वरिष्ठ वकील को किसी भी अदालत के समक्ष मौखिक उल्लेख करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

असली चुनौती जिला अदालतों के स्तर पर : सीजेआई

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि न्यायपालिका के सामने असली चुनौती जिला अदालतों के स्तर पर है, जो न्याय चाहने वाले अधिकांश नागरिकों के लिए संपर्क का पहला पड़ाव है। भारतीय विधिज्ञ परिषद (बीसीआई) द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में बोलते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि किसी भी व्यवस्था की पहली चिंता यह होती है कि जिला अदालत वादियों को न्याय दिलाने में सक्षम हो। सीजेआई ने कहा कि भारतीय न्यायपालिका के सामने असली चुनौती जमीनी स्तर पर है। जिला न्यायपालिका कितनी तेजी, मानवीयता और बुद्धिमत्ता से काम करती है और कितनी स्वतंत्रता और निडरता से न्याय प्रदान करती है, यह संपूर्ण न्यायिक ढांचे का सबसे महत्वपूर्ण घटक है। 70 प्रतिशत वादी जिला स्तर पर ही अपना भाग्य तय किये जाने की उम्मीद करते हैं। वैकल्पिक विवाद समाधान की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि यह पुरानी गलत धारणा कि मध्यस्थता का न्यायपालिका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, अब कोई भी स्वीकारनहीं करता।

सीबीआईसी के नए चेयरमैन बनाए गए विवेक चतुर्वेदी

नई दिल्ली। भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी विवेक चतुर्वेदी को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर व सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) का चेयरमैन नियुक्त किया है।

मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने 1990 बैच के भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी को चेयरमैन पद पर नियुक्ति को मंजूरी दी है। वह संजय कुमार अग्रवाल का स्थान लेंगे।अग्रवाल 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। चतुर्वेदी सीबीआईसी के सदस्य बनने से पहले विभाग में प्रधान महानिदेशक 'विजिलेंस' थे। उन्होंने राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) में विभिन्न पदों पर कार्य किया है और उनके पास जांच कार्यों का अच्छा-खासा अनुभव है।

उप्र में एसआईआर प्रक्रिया तीन महीने बढ़ाने को याचिका दायर

नई दिल्ली। उप्र में जारी मतदाता सूचियों के एसआईआर की अवधि तीन महीने बढ़ाने के लिए उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि राज्य में चार सप्ताह में 15.35 करोड़ मतदाताओं का एसआईआर कराना प्रशासनिक रूप से असंभव है और इससे बड़ी संख्या में लोगों के मताधिकार से वंचित होने का खतरा उत्पन्न हो सकता है। भारतीय किसान यूनियन आजाद ट्रस्ट ने याचिका में इस कवायद की अवधि तीन महीने बढ़ाने की मांग की गई है, ताकि गलत तरीके से नाम हटाए जाने से बचा जा सके, ग्रामीणों को परेशानी न हो, सूचियों का सटीक पुनरीक्षण किया जा सके।

निर्वाचन आयोग ने बीएलओ का मानदेय किया दोगुना

नई दिल्ली, एजेंसी

- बीएलओ का मानदेय छह हजार से बढ़ाकर 12 हजार रुपये किया गया

निर्वाचन आयोग ने शनिवार को बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) का मानदेय दोगुना करने और इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स (ईआरओ) तथा असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स (एईआरओ) को मानदेय देने की घोषणा की है। बीएलओ का मानदेय छह हजार रुपये से बढ़ाकर 12 हजार रुपये कर दिया गया है। मतदाता सूची संशोधन के लिए मिलने वाला बीएलओ प्रोत्साहन भी एक हजार रुपये से दोगुना करके दो हजार रुपये कर दिया गया है। ईआरओ को पहली बार 30 हजार रुपये का मानदेय दिया जाएगा, जबकि एईआरओ को भी पहली बार 25 हजार रुपये का मानदेय दिया जाएगा।

आयोग ने कहा कि यह वृद्धि निष्पक्ष और पारदर्शी मतदाता सूचियों को तैयार करने में इन अधिकारियों की "महत्वपूर्ण भूमिका" को ध्यान में रखकर की गई है। इस निर्णय का उद्देश्य चुनावी कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाना और उन्हें सटीक तथा पारदर्शी मतदाता सूचियों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करना है। बीएलओ, ईआरओ, एईआरओ और उनके पर्यवेक्षक ही वह मुख्य तंत्र हैं जो घर-घर जाकर सत्यापन करते हैं, मतदाता सूचियों को अद्यतन करते हैं और चुनावी-रोल संशोधन चक्र के दौरान नागरिकों की सहायताकरते हैं।

व्हाट्सएप और अन्य मैसेजिंग एप केवल चालू सिम के साथ करेंगे काम

नई दिल्ली, एजेंसी

- दूरसंचार विभाग ने नियम सख्त किए

केंद्र सरकार ने साइबर नियम कड़े करते हुए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिनके अनुसार व्हाट्सएप, सिग्नल, टेलीग्राम और अन्य एप-आधारित संचार सेवाएं केवल चालू सिम के साथ ही काम करेंगी।

भारत में एप-आधारित संचार सेवाएं प्रदान करने वाली सभी कंपनियों को निर्देश जारी होने के 120 दिन के भीतर दूरसंचार विभाग को अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। विभाग ने चेतावनी दी है कि नियमों का पालन न करने पर दूरसंचार अधिनियम-2023, दूरसंचार साइबर सुरक्षा नियम और अन्य कानूनों के तहत कार्रवाई की जाएगी। यह निर्देश भारत में व्हाट्सएप, टेलीग्राम, सिग्नल, अरतई, स्नैपचैट, शेयरचैट, जियोचैट, जोश सहित सभी मैसेजिंग ऐप की सेवाओं तक उपयोगकर्ताओं की पहुंच को प्रभावित करेगा। केंद्र के नवीनतम निर्देश का मतलब है कि ये मैसेजिंग सेवाएं केवल तभी काम करेंगी जब उपयोगकर्ता के उपकरण (मोबाइल फोन/टैबलेट/अन्य) में सिम कार्ड मौजूद हो या सक्रिय स्थिति में हो।

दूरसंचार विभाग ने 28 नवंबर को जारी किए गए निर्देश में कहा कि केंद्रीय सरकार के संज्ञान में आया है कि ग्राहकों/उपयोगकर्ताओं की पहचान के लिए मोबाइल नंबर का उपयोग करने वाली कुछ एप-आधारित संचार सेवाएं उपयोगकर्ताओं को उपकरण में सक्रिय सिम कार्ड के बिना भी सेवाओं का उपयोग करने की अनुमति देती हैं। विभाग ने कहा कि ऐसी स्थिति में यह निर्देश जारी करना आवश्यक हो गया है।

विचार | आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा- देश की परंपरा ने सामूहिक सद्भाव पर हमेशा जोर दिया

भारत की परंपरा भाईचारे में निहित, विवाद हमारे स्वभाव में नहीं

मुंबई, एजेंसी

- नागपुर में आयोजित राष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव में की शिरकत

आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि विवादों में उलझना भारत के स्वभाव में नहीं है और देश की परंपरा ने भाईचारे एवं सामूहिक सद्भाव पर हमेशा जोर दिया है। भागवत ने नागपुर में आयोजित राष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव में कहा कि राष्ट्र की अवधारणा के मामले में भारत का दृष्टिकोण पश्चिमी व्याख्याओं से मूलतः भिन्न है। उन्होंने कहा, हमारा किसी से कोई विवाद नहीं है। हम विवादों से दूर रहते हैं।

विवाद करना हमारे देश के स्वभाव में नहीं है। एकजुट रहना और भाईचारे को बढ़ावा देना हमारी परंपरा है। उन्होंने कहा कि दुनिया के अन्य हिस्से संघर्षपूर्ण परिस्थितियों में विकसित हुए हैं। भागवत ने कहा, एक बार कोई मत बन जाने के बाद उससे अलग कोई भी विचार अस्वीकार्य हो जाता है। वे अन्य विचारों के लिए दरवाजे बंद कर देते हैं और उसे 'वाद' कहकर पुकारने लगते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्र की अवधारणा को लेकर भारत का दृष्टिकोण पश्चिमी व्याख्याओं से मूल रूप से भिन्न है। उन्होंने कहा, वे राष्ट्र की हमारी अवधारणा को समझ नहीं पाते, इसलिए उन्होंने इसे 'राष्ट्रवाद' कहना शुरू कर दिया। 'राष्ट्र' की हमारी अवधारणा पश्चिमी अवधारणा से भिन्न है। उन्होंने कहा, हम राष्ट्रीयता शब्द का इस्तेमाल करते हैं, राष्ट्रवाद का नहीं।

विविधता के बावजूद हम एकजुट रहते

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत की राष्ट्रीयता अहंकार या अभिमान से नहीं, बल्कि लोगों के बीच गहरे अंतर्संबंध और प्रकृति के साथ उनके सह-अस्तित्व से उपजी है। उन्होंने कहा, हम सब भाई हैं, क्योंकि हम भारत माता की संतान हैं। हमारे बीच धर्म, भाषा, खान-पान, परंपराओं या राज्यों जैसे किसी मानव-निर्मित तत्व के आधार पर विभाजन नहीं है। विविधता के बावजूद हम एकजुट रहते हैं, क्योंकि हमारी मातृभूमि की यही संस्कृति है। उन्होंने उस ज्ञान के महत्व पर भी जोर दिया जो विवेक की ओर ले जाता है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि व्यावहारिक समझ और सार्थक जीवन जीना केवल जानकारी रखने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सच्ची संतुष्टि दूसरों की मदद करने से मिलती है - यह ऐसी अनुभूति है, जो क्षणिक सफलता के विपरीत जीवनभर बनी रहती है।

एआई का नियंत्रण हमारे पास हो

इस बीच, भागवत ने कार्यक्रम में युवा लेखकों से कहा कि एआई जैसी प्रौद्योगिकी का आगमन रोका नहीं जा सकता, लेकिन इसका इस्तेमाल करते हुए नियंत्रण हमारे पास होना चाहिए और हमें अपनी गरिमा बनाए रखनी चाहिए। एआई का उपयोग मानवता के हित में और मनुष्य को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए।

ADVERTORIAL

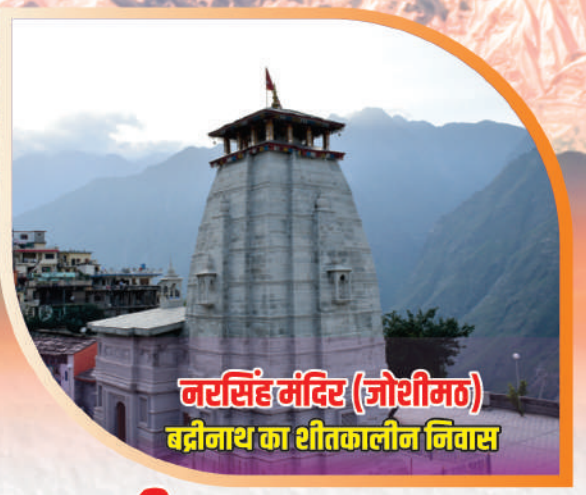

उत्तराखण्ड शासन

देवभूमि रजत उत्सव

“माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम अपने राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपार संभावनाओं का लाभ उठाते हुए समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य स्थायी नीतियों और रणनीतिक पहलों के माध्यम से राज्य के आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, बुनियादी ढांचे में सुधार करना और नागरिकों की जीवन में गुणवत्ता को बेहतर करना है।”

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

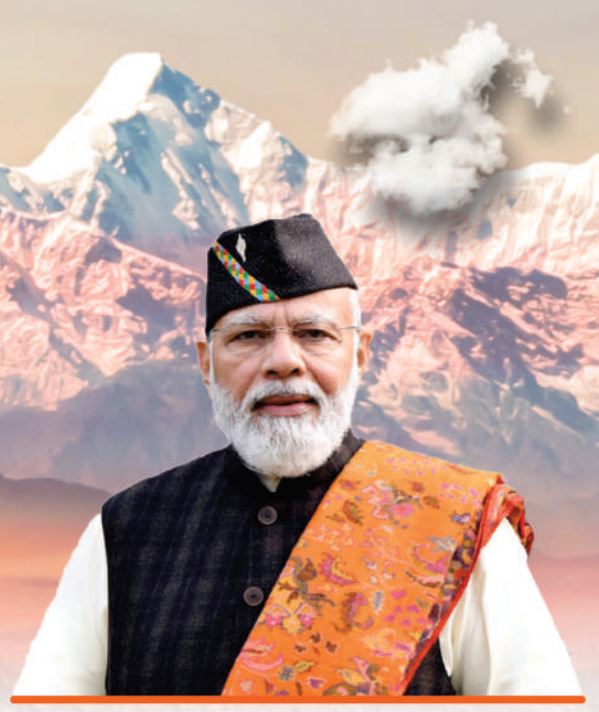

“21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।”

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

सुलभ मार्ग, दिव्य दर्शन— सर्दियों में भी चारधाम का आशीर्वाद

सर्दियों के दौरान जब हिमपात के कारण चारधाम (यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ) के कपाट बंद हो जाते हैं, तब उनके विग्रह प्रतिमाओं को पारंपरिक डोली यात्रा के माध्यम से नजदीकी शीतकालीन पूजा स्थलों में स्थापित किया जाता है। इन ही मंदिरों में 6 महीनों तक पूजा-अर्चना और दर्शन किए जाते हैं। इसे ही **विंटर चारधाम यात्रा** कहा जाता है। शीतकालीन पूजा के दौरान भक्तगण बिना कठिन पर्वतीय यात्रा के अधिक सुलभ मार्ग से दिव्य दर्शन का सौभाग्य प्राप्त करते हैं। इस अवधि में पारंपरिक डांडियों, ढोल-नगाड़ों की गूंज और स्थानीय सांस्कृतिक परंपराओं का अद्भुत अनुभव श्रद्धालुओं को एक अनोखी आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करता है। साथ ही, आसपास स्थित धार्मिक स्थलों, प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर स्थानों और पर्यटन स्थलों के विशिष्ट आकर्षणों को भी करीब से देखने का अवसर मिलता है। शीतकालीन चार धाम व्यवस्था न केवल आस्था का उत्सव है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था, होमस्टे एवं ग्रामीण पर्यटन को भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देती है, जिससे क्षेत्रीय समुदाय की आजीविका और समृद्धि को नए आयाम मिलते हैं।

प्रकृति की पवित्र पहचान— GI टैग वाले उत्तराखंडी उत्पाद

Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999 के अंतर्गत GI टैग उन वस्तुओं को मिलता है जो **विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र** से आती हैं और जिनमें उस क्षेत्र विशेष की **प्राकृतिक विशेषताएँ, उत्पादन पद्धति या सामाजिक-सांस्कृतिक परंपरा** जुड़ी होती है। GI टैग का मुख्य उद्देश्य है: उस उत्पाद को "सिर्फ उस क्षेत्र का असली संस्करण" बताना, नकली या अन्य स्थानों में बनाये गए समान उत्पादों से उसे अलग करना, और स्थानीय किसानों/कुशल कारिगरों को आर्थिक लाभ देना।

उत्तराखंड के GI-टैग वाले उत्पादों की सूची -

- तेजपात
- बेरीनाग चाय
- मंडुआ
- गहत
- बुरांस का शरबत
- सफ़ेद राजमा
- लीची (रामनगर)
- झंगोरा
- काला भट्ट
- पहाड़ी तोर
- लखौरी मिर्च (अल्मोड़ा)
- रामगढ़ आड़ू
- लाल चावल (पुरोला)
- माल्टा
- बिछुआ

हस्तशिल्प और अन्य उत्पाद

ऐपण कला
पारंपरिक कुमाऊँनी कला

रिंगाल शिल्प
रिंगाल बाँस से बने हस्तशिल्प

टम्टा
ताँबे के उत्पाद

थुलमा
एक प्रकार का हस्तशिल्प

भोटिया दान
भोटिया समुदाय की एक हस्तशिल्प वस्तु

लिखाई लकड़ी की नक्काशी
लकड़ी पर की गई जटिल नक्काशी

नैनीताल मोमबत्ती
नैनीताल में बनने वाली मोमबत्तियाँ

कुमाऊँनी रंगीन पिछौड़ा
पारंपरिक रूपांकनों वाला एक रंगीन कपड़ा

रम्माण मुखौटा
चमोली रम्माण उत्सव में इस्तेमाल होने वाले लकड़ी के मुखौटे

परिवार-सा अपनापन और पहाड़ों सा सुकून-उत्तराखण्ड होमस्टे

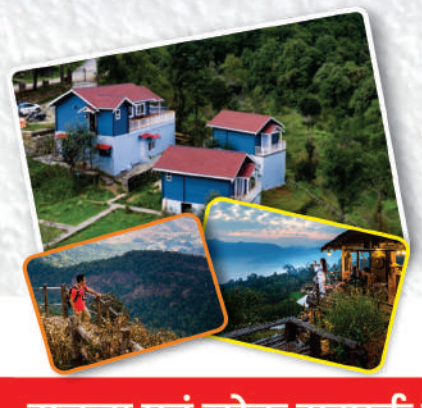

उत्तराखण्ड के होमस्टे न सिर्फ़ यात्रियों को पहाड़ों के बीच सुकून भरा ठहराव देते हैं, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए आय का महत्वपूर्ण साधन भी बन रहे हैं। पर्यटक जब किसी गाँव या छोटे कस्बे में होमस्टे में रुकते हैं, तो उन्हें स्थानीय संस्कृति, भोजन, परंपराओं और ग्रामीण जीवन का असली अनुभव मिलता है। वहीं दूसरी ओर, होमस्टे से मिलने वाली कमाई सीधे स्थानीय परिवारों तक पहुँचती है, जिससे उनकी रोज़गार के अवसर बढ़ते हैं। इससे पहाड़ों से पलायन कम होता है, महिलाएँ आत्मनिर्भर बनती हैं और गाँवों की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है।होमस्टे की यह व्यवस्था पहाड़ के हर घर को पर्यटन से जोड़ती है—जहाँ पर्यटक को परिवार जैसा स्नेह मिलता है और स्थानीय लोगों को एक स्थायी आजीविका का मार्ग।

विंटर वंडरलैंड - बर्फ से ढ़के पहाड़ों की गोद में एक यादगार सफ़र

उत्तराखण्ड की सर्दियाँ— रोमांच, अध्यात्म और प्रकृति प्रेम का अद्भुत संगम, बर्फ से ढकी ऊँची पर्वत चोटियाँ, शांत झीलों का निर्मल सौन्दर्य, देवालयों में गूँजती घंटियों की ध्वनि और ठंडी हवाओं का मधुर स्पर्श—सर्दियों में उत्तराखण्ड अपने सबसे खूबसूरत रूप में जीवंत हो उठता है। यह मौसम पहाड़ों की असली आत्मा को करीब से महसूस करने का दुर्लभ अवसर देता है।

जब ऊँचे हिमालयी क्षेत्र बर्फ की सफेद चादर ओढ़ लेते हैं, तब राज्य के कई स्थल एक खास विंटर टूरिज़्म सीज़न के रूप में पर्यटकों का स्वागत करते हैं। विंटर चारधाम पूजा, बर्फीले बुग्याल, रोमांचकारी ट्रेकिंग मार्ग, वॉटर स्पोर्ट्स, पारंपरिक गाँवों में होमस्टे, और सांस्कृतिक उत्सव—हर अनुभव इस यात्रा को यादगार बना देता है।

यह यात्रा केवल आत्मिक शांति और प्राकृतिक सौन्दर्य का उपहार नहीं, बल्कि स्थानीय समुदायों की आजीविका, होमस्टे, और ग्रामीण पर्यटन को नई शक्ति देने वाला अवसर भी है, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और समृद्धि को एक नया रास्ता मिलता है।

मा० प्रधानमंत्री जी द्वारा उत्तराखंड आने वाले पर्यटकों से आग्रह

सिंगल-यूज़ प्लास्टिक से बचें

हिमालय के शांत परिदृश्यों की खोज करते समय, स्वच्छता को प्राथमिकता दें। पहाड़ों के नाज़ुक पर्यावरण की रक्षा के लिए हमेशा सिंगल- यूज़ प्लास्टिक से बचें।

यातायात नियमों का पालन करें

पहाड़ों में यात्रा करते समय, यातायात नियमों का सख्ती से पालन करें। सतर्क रहें क्योंकि हर जीवन अनमोल है। अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें और दूसरों की सुरक्षा का सम्मान करें।

वोकल फॉर लोकल

अपनी यात्रा के दौरान, स्थानीय उत्पाद खरीदकर स्थानीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करें। अपने यात्रा खर्च का कम से कम 5% प्रामाणिक स्थानीय वस्तुएँ खरीदने के लिए आवंटित करें।

तीर्थ स्थलों की पवित्रता का सम्मान करें

धार्मिक स्थलों पर जाते समय परंपराओं, रीति- रिवाजों और स्थानीय रीति-रिवाजों का सम्मान करें। इन पवित्र स्थलों की गरिमा बनाए रखें और नियमों को समझने और उनका उचित पालन करने के लिए स्थानीय लोगों से सहायता लें।

न्यूज ब्रीफ

धान, बाजरा किसानों को करोड़ों का भुगतान

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार 48 घंटे के भीतर धान व बाजरा किसानों को भुगतान कर रही है। पहली अक्टूबर से धान खरीद शुरू हुई थी, तबसे 28 नवंबर तक धान किसानों को 1868 .35 करोड़ व बाजरा किसानों को 263 .03 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। यही कारण है कि किसान अब अपनी उपज का लाभकारी मूल्य प्राप्त करने के लिए फसल की बिक्री राजकीय क्रय केंद्रों पर कर रहे हैं। क्रय केंद्रों पर 17 फीसदी नमी तक का धान खरीदा जा रहा है।

होम्योपेथी व यूनानी कॉलेजों को मिल नहीं रहे छात्र

अमृत विचार, लखनऊ : आयुष कॉलेजों में पीजी सीटों को लेकर अजीब स्थिति बनी हुई है, हालात है कि होम्योपैथी और यूनानी कॉलेजों की सीटों पर दाखिले के लिए अथ्यर्थी ही नहीं मिल रहे हैं। होम्योपेथी में 40 सीटें खाली हैं मात्र तीन अभ्यर्थियों ने प्रवेश के लिए स्ट्रे राउंड काउंसिलिंग में पंजीकरण कराया है। यही हाल यूनानी कॉलेजों का है, 18 रिक्त सीटों के लिए मात्र 10 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। निदेशक यूनानी एवं यूपी आयुष पीजी काउंसिलिंग बोर्ड के सदस्य प्रो. जमाल अख्तर ने बताया कि आयुष के आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी कॉलेजों में रिक्त कुल 63 सीटों पर दाखिले के लिए यूपी आयुष पीजी की स्ट्रे राउंड काउंसिलिंग में 67 अभ्यर्थियों की मेरिट लिस्ट जारी कर दी गयी है। रिक्त सीटों का व्यौरा कॉलेजवार वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गयी है।

विद्युत बिल राहत योजना की डे-टू-डे रिपोर्टिंग हो

अमृत विचार, लखनऊ : ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने सभी डिस्कॉम, पावर कॉर्पोरेशन और ट्रांसमिशन निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्युत बिल राहत योजना के दौरान डे-टू-डे रिपोर्टिंग सुनिश्चित हो। क्षेत्रीय अभियंता प्रतिदिन फील्ड में निरीक्षण करें, ताकि किसी भी उपभोक्ता को आवेदन, पंजीकरण या बिल संशोधन में कोई कठिनाई न हो। ऊर्जा मंत्री ने शक्तिभवन, लखनऊ में शनिवार को 1 दिसंबर से लागू होने वाली विद्युत बिल राहत योजना 2025-26 की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि घरेलू उपभोक्ता (2 किलोवाट तक) और दुकानदार उपभोक्ता (1 किलोवाट) को आसान किस्तों में भुगतान, औसत खपत के आधार पर बढ़े हुए बिलों में स्वत: कमी तथा बिजली चोरी से जुड़े पुराने मामलों में भी राहत प्रदान की जाएगी।

एसआईआर में इतनी जल्दबाजी क्यों

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि एसआईआर के काम में जल्दबाजी क्यों की जा रही है। सुना है कि भाजपा ने नोएडा में किसी साफ्टवेयर कम्पनी को हायर किया है वह वोटर लिस्ट पर काम कर रही है। भाजपा एसआईआर के बहाने साजिश रच रही है। सपा प्रमुख शनिवार को पार्टी मुख्यालय में बीएलओ की मौतों को लेकर भाजपा पर आरोप लगा रहे थे। लखनऊ में मलिहाबाद के मृतक बीएलओ विजय कुमार वर्मा की पत्नी संगीता को दो लाख रुपये की आर्थिक मदद देते हुए उसके दुख को सार्वजनिक किया। उन्होंने सांसद राजीव राय के एक पत्र का उल्लेख किया जिसमें बताया गया कि घोसी विधानसभा क्षेत्र में 20 हजार मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं।

उत्तर प्रदेश से माफिया और कर्फ्यू गायब, दंगे बंद

सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण के 36वें स्थापना दिवस समारोह को किया संबोधित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार: जीरो टॉलरेंस, केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि भाव भी है, जिसे जमीनी धरातल पर सख्ती के साथ उतारा गया। इसका परिणाम है उत्तर प्रदेश आज कानून-व्यवस्था और सुरक्षा की दृष्टि से देश के अंदर एक मॉडल स्टेट के रूप में अपनी स्थापित करने में सफल हुआ है। अब प्रदेश से माफिया गायब हैं। कर्फ्यू गायब, दंगे बंद, अराजकता बंद है। उपद्रव का प्रदेश अब उत्सव का प्रदेश बन गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) के 36वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उक्त प्रतिक्रिया दी। सीएम योगी ने कहा कि सुरक्षा का माहौल कैसा होना चाहिए, अपराधियों और माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई कैसे होनी चाहिए, इसके लिए लोग उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हैं।

उन्होंने कहा कि यूपी में सुरक्षा का बेहतर वातावरण बना। अन्नदाता किसानों के साथ सीधे संवाद हुआ। जमीन का उन्हें अच्छा मुआवजा देना प्रारंभ हुआ। सरकार का स्पष्ट मानना है कि किसी भी अन्नदाता किसान के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। उससे बात की जानी चाहिए। किसी भी गरीब को उजाड़ा नहीं जाना चाहिए, यही सरकार का संकल्प भी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश के अंदर लाखों युवाओं को उनके गृहक्षेत्र में ही नौकरी और रोजगार देने के लिए प्रदेश सरकार ने बड़े पैमाने पर कार्य प्रारंभ किए हैं। इसके लिए सरकार ने काफी प्रयास किए। सुरक्षा का ऐसा बेहतर वातावरण बनाया जहां गुंडागर्दी नहीं चलती। गुंडा टैक्स, माफियाराज, मनमानापन नहीं चलता। बल्कि अपराध और अपराधियों के प्रति तथा भ्रष्टाचार व भ्रष्टाचारियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाती है, उसी के अनुरूप कार्रवाई की जाती है। समारोह में मुख्यमंत्री ने गीडा के विभिन्न सेक्टरों में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए 408 करोड़ रुपये के 114 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। 6139 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश के लिए आवंटित 115 भूखंडों में से पांच निवेशकों को अपने हाथों से आवंटन प्रमाण पत्र सौंपा। गीडा स्थित नाइलिट कैम्पस से कौशल विकास का प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं को सर्टिफिकेट वितरित किए।

लखनऊ में 34 करोड़ से बनेगी फ्लैटेड फैक्ट्री

- समारोह के दौरान सीएम ने गीडा में आयोजित तीन दिवसीय यूपी स्टेट ट्रेड शो का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने लखनऊ में 34 करोड़ रुपये से बनने वाली फ्लैटेड फैक्ट्री और गोरखपुर में 3 .91 करोड़ रुपये की लागत वाली ओडीओपी पैकेजिंग सीएफसी का शिलान्यास किया और उद्यमियों को इंसेंटिव और ऋण धनराशि का वितरण किया।

औद्योगिक विकास प्राधिकरण के स्थापना दिवस पर लगाए गए एक स्टॉल पर युवतियों से बातचीत करते मुख्यमंत्री योगी।

दिसंबर में 5 लाख करोड़ रु. का निवेश जमीन पर

- योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के अंदर डबल इंजन की सरकार आने के बाद 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव जमीनी धरातल पर उतारे जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव इसी दिसंबर महीने में हम जमीनी धरातल पर उतारेंगे। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से लाखों नौजवानों को रोजगार अपने ही जिले में मिलेगा।

प्रॉपर्टी कब्जा करने वालों की कमर कर दी सीधी

- सीएम योगी ने कहा कि सपा और कांग्रेस की सरकारों में प्रॉपर्टी पर कब्जा करने वाले जो थे, उनकी कमर हमने सीधी कर दी है। और, इतनी कुटाई उनकी हुई है कि अब उनके ऊपर हम लोग फैक्ट्री का निर्माण कर रहे हैं।

धर्मध्वजा आरोहण के बाद ही भारत बना तीसरी अर्थव्यवस्था

- सीएम योगी ने कहा कि धर्मध्वजा आरोहित कर प्रधानमंत्री अयोध्या से लौटे और दो दिन बाद ही समाचार आया कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। उन्होंने कहा कि यह नया भारत अब विकसित भारत बनने के संकल्प की ओर तेजी से आगे बढ़ चुका है। जब भारत आगे बढ़ेगा तो उत्तर प्रदेश पीछे नहीं रह सकता।

20 तक पूरी कर लें विश्व प्रसिद्ध खिचड़ी मेले की तैयारी

- अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि गोरखनाथ मंदिर में मकर संक्रांति पर लगने वाले विश्व प्रसिद्ध खिचड़ी मेले से जुड़े सभी कार्य 20 दिसंबर तक हर हाल में पूरे कर लिए जाएं। खिचड़ी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा व सहूलियत प्राथमिकता होनी चाहिए। यह ध्यान रखा जाए कि श्रद्धालुओं को कहीं कोई दिक्कत न हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार पूर्वाह्न गोरखनाथ मंदिर के सभाकक्ष में खिचड़ी मेला की तैयारियों को लेकर महापौर और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखनाथ मंदिर के खिचड़ी मेले से न सिर्फ पूर्वी उत्तर प्रदेश वरन बिहार, नेपाल से लगायत देश-दुनिया के सनातन मतावलंबियों की आस्था जुड़ी है। इसके दृष्टिगत मेले में सभी बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था की जाये जिससे मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। दूरदर्शन व आकाशवाणी के जरिए मेले का सजीव प्रसारण किया जाएगा ताकि वे लोग भी मेले में वर्चुअल सहभागी हो सकें जो किंचित कारणों से इसमें शामिल नहीं हो पा रहे हों।

युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण व रोजगार देना प्राथमिकता : कपिल

अमृत विचार, लखनऊ : कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध कराने को राज्य सरकार प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने सभी आईटीआई और प्रशिक्षण केंद्रों की रियल-टाइम निगरानी, प्रशिक्षकों की उपस्थिति और प्रशिक्षण गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उत्कृष्ट संस्थानों को प्रोत्साहन और कमजोर प्रदर्शन करने वालों से स्पष्टीकरण लेने पर भी जोर दिया। कौशल विकास मंत्री, शनिवार को उप्र. कौशल विकास मिशन मुख्यालय में विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने बताया गया कि आईटीओटी लखनऊ-सुल्तानपुर में 2015-16 से 2024-25 के बीच 3181 में से 3064 प्रशिक्षार्थियों ने सी-आई-टी-एस परीक्षा पास की है। डीडीयू-जीकेवाई के तहत अब तक 2.59 लाख युवाओं को प्रशिक्षण और 1.52 लाख को रोजगार मिल चुका है। प्रोजेक्ट प्रवीण योजना में इस वर्ष 62,326 के लक्ष्य के विरुद्ध 23,000 से अधिक छात्रों का नामांकन हो चुका है। इंडिया स्किल्स 2025 में प्रदेश से 1,09,249 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है, जो देश में सर्वाधिक है। मंडल स्तरीय प्रतियोगिताएं 1-10 दिसंबर और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं 20 दिसंबर से 20 जनवरी के बीच आयोजित होंगी।

निलंबित किए गए दो रजिस्ट्रार पर नहीं रुका गिरोह का काम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मदरसा बोर्ड में फर्जी अंकपत्र गिरोह की जड़े इतनी गहराई तक फैली हुई हैं कि दो रजिस्ट्रार के निलंबन हो चुके हैं। इसके बाद भी इस गिरोह पर शिकंजा कसने में विभागीय अधिकारी नाकाम है। खास बात यह कि रजिस्ट्रार पर कार्रवाई तो हो गई, लेकिन इस गिरोह में शामिल विभागीय बाबुओं पर आंच तक नहीं आई। चाहे प्रयागराज का मामला हो या कुशीनगर या फिर बरेली में फर्जी नियुक्ति का मामला। हर जगह बाबुओं की कारस्तानी ने बोर्ड की फजीहत कराई है। चेयरमैन के दबाव में एक बाबू को निलंबित किया गया, पर चार्जशीट नहीं लगाई जा सकी।

मदरसा बोर्ड में फर्जी अंकपत्र गिरोह के खेल में फंसकर दो रजिस्ट्रार निलंबित हो चुके हैं। विजिलेंस की जांच भी हुई। मामला मंडलायुक्त कार्यालय तक पहुंचा। पर बाबुओं पर कोई आंच नहीं आई है। कुशीनगर के बहुचर्चित मामले में तत्कालीन रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट ने दो रिपोर्ट दी। जिसमें दो अलग-अलग रिपोर्ट भेजी। शासन ने जांच मंडलायुक्त बस्ती को सौंपी और रजिस्ट्रार साहब डेढ़ साल तक निलंबित रहे। वहीं, प्रयागराज के एक मदरसे में बाबुओं की कारस्तानी के कारण पूर्व रजिस्ट्रार पर विजिलेंस जांच भी बैठ गई। चेयरमैन के दबाव में इस बाबू को एक बार निलंबित भी किया गया, लेकिन चार्जशीट तक जारी न हो सकी और दो महीने में वे बहाल हो गए, जबकि असली खेल करने वाले बाबू, कम्प्यूटर सहायक और गिरोह के अन्य सदस्य टेबलों के पीछे सुरक्षित बचे रहे।

फर्जी अंकपत्र का खेल

- फर्जीवाड़ा गिरोह पर शिकंजा कसने पर पूरी तरह विभाग नाकाम
- प्रयागराज व कुशीनगर अब बरेली में भी बाबूओं की कारस्तानी ने कराई फजीहत

शिक्षक व प्रधानाचार्य बन गए कंप्यूटर सहायक

- मदरसा बोर्ड में फर्जीवाड़ा का आलम यह है कि शाहजहांपुर, बरेली और आगरा में राज्यानुदानित मदरसों में सहायक शिक्षक और प्रधानाचार्य भी फर्जी अंकपत्र के आधार पर बन गये। अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के कार्यालय में कार्यरत रहे तीन कंप्यूटर आपरेटर फर्जी अंकपत्र गिरोह के कारण प्रधानाचार्य व सहायक शिक्षक आलिया की कुर्सी तक पहुंचे। इन सभी ने न तो कोई पढ़ाई की और न ही कोई अनुभव हासिल किया। सिर्फ फर्जी अंकपत्र गिरोह की कृपा से सरकार से हर माह मोटा वेतन वसूल रहे हैं। इन मामलों की जानकारी होने के बाद पिछले कुछ महीनों में मदरसा बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण अंकित अग्रवाल के हस्तक्षेप से मार्कशीट, टेबुलेशन रजिस्टर और अन्य अभिलेखों के डिजिटाइजेशन की उम्मीद जगी है। इसी कारण बोर्ड का मार्कशीट गैंग और ज्यादा सक्रिय हो गया है। क्योंकि हर सुधार के साथ इनका कारोबार चौपट होने का डर बढ़ता है। वर्तमान रजिस्ट्रार के एक आदेश ने इस गिरोह के काले कारोबार पर रोक लगाने की मजबूत पहल की है। जहाँ सुविधा शुल्क देकर किसी भी वर्ष की मार्कशीट में संशोधन संभव था। वहीं, अब यह अमल में लाया जा रहा है कि सिर्फ एक वर्ष के भीतर निर्गत मार्कशीट में ही संशोधन स्वीकार होगा। द्वितीय प्रति किसी भी समय उपलब्ध कराई जा सकेगी।

अमृत विचार Follow UP

नालियों और सड़कों के निर्माण को दें प्राथमिकता : मौर्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मनरेगा के नियमानुसार कार्ययोजना तैयार करें

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की निकासी के लिए नालियों और सुगम आवागमन के लिए आंतरिक सड़कों का निर्माण जरूरी है। हालांकि ग्रामों में बरसात के दिनों में जलभराव की स्थिति गंभीर रूप ले लेती है, जिससे ग्रामीणों को भारी असुविधा होती है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए उन्होंने ग्राम्य विकास विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।

उप मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की समस्याओं के निदान के लिए शनिवार को विभागीय अधिकारियों को निर्देश जारी किए। मनरेगा गाइड लाइन्स में निहित प्राविधानों के तहत कार्य कराने को प्राथमिकता दी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामों में जलभराव रोकने हेतु नाली निर्माण तथा नागरिक सुविधाओं के लिए आंतरिक सड़कों का निर्माण प्राथमिकता पर कराया जाए। यह कार्य मनरेगा गाइडलाइन्स में उपलब्ध प्रावधानों के अनुरूप प्राथमिकता से किए जाएं। ग्राम्य विकास आयुक्त जी. एस. प्रियदर्शी ने बताया कि सभी जिलाधिकारियों और जिला कार्यक्रम समन्वयकों (मनरेगा) को निर्देश दिए गए हैं कि ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत मनरेगा, राज्य वित्त, चतुर्थ राज्य वित्त तथा 14वाँ वित्त आयोग की निधि का अभिसरण कर प्रत्येक ग्राम पंचायत में वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना के अनुसार कार्यस्थलों का चिन्हांकन किया जाए। इसके तहत आवश्यकता अनुसार पक्का खड़ंजा, नाली निर्माण आदि कार्य कराए जाए।

विश्व चैंपियन बने आगरा के व्यायाम शिक्षक

- अमृत विचार, लखनऊ : श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में आयोजित वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप 2025 में आगरा के इटौरा स्थित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय के व्यायाम शिक्षक हरीश चंद्र और कक्षा 11 के छात्र रमन कुमार ने शानदार प्रदर्शन किया है। हरीश चंद्र ने 77 किग्रा भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर विश्व चैंपियन का खिताब हासिल किया, जबकि युवा छात्र रमन कुमार ने 56 किग्रा भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीतकर देश का मान बढ़ाया। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में आयोजित वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप 2025 में 40 से अधिक देशों के एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर, गुरु और शिष्य की जोड़ी ने देश के लिए गौरव के पल लाए। शिक्षक हरीश चंद्र ने 77 किग्रा भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर विश्व चैंपियन का खिताब हासिल किया। वहीं छात्र रमन कुमार ने 56 किग्रा भार वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता। राज्य सरकार की खेल नीतियों के कारण दोनों खिलाड़ियों का चयन हाल ही में गुजरात में आयोजित राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उनके दमदार प्रदर्शन के आधार पर हुआ था। समाज कल्याण राज्य मंत्री असीम अरुण ने बताया कि कोलंबो में मिली यह ऐतिहासिक उपलब्धि पूरे प्रदेश और देश के लिए गर्व का विषय है। सर्वोदय विद्यालय इटौरा के छात्र और शिक्षक ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर जो प्रदर्शन किया है, वह आने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा।

वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में विजेता हरीशचंद्र और रमन कुमार।

पुनर्वास विवि | राष्ट्रीय अभिभावक सम्मेलन में बोले कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत

बौद्धिक दिव्यांग बच्चों का कल्याण सभी की जिम्मेदारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के समग्र कल्याण की जिम्मेदारी समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने गार्जियनशिप से जुड़ी प्रक्रियाओं में अभिभावकों को सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही परिवार संगठन द्वारा तीन दशकों से किए जा रहे कार्यों की सराहना की और नीति-निर्माण में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

राज्यपाल, शनिवार को लखनऊ स्थित डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संस्थान बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण द्वारा आयोजित दो दिवसीय 31 वें राष्ट्रीय अभिभावक सम्मेलन 2025 का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि दिव्यांगजनों की शिक्षा, प्रशिक्षण और पुनर्वास के लिए प्रदेश सरकार लगातार कार्य कर रही है। विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री सलाहकार अवनीश अवस्थी ने समाज से अपील की कि वे बौद्धिक दिव्यांगजन को अवसर प्रदान कर उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने में सहयोग करें। सम्मेलन का आयोजन पैरिवार – नेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफ पेरेंट्स ऑर्गेनाइजेशंस के सहयोग से तथा डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय और यू.पी. पेरेंट्स एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर मेजर बी. वी. रामकुमार, राज्य दिव्यांगजन आयुक्त प्रो. हिमांशु शेखर झा और विश्वविद्यालय के कुलसचिव रोहित सिंह उपस्थित रहे।

पैरिवार राष्ट्रीय पुरस्कार 2025 से सम्मानित हुए

- सम्मेलन में 'पैरिवार' की वार्षिक रिपोर्ट 2024–25 तथा सौम्या उपाध्याय 'तताई' की पुस्तक "हु न्यू द फार्गोटन यू" का विमोचन किया गया। साथ ही रोशनी सोसायटी हल्द्वानी, परिवार पलक्कड़ और मेसेनी पोंग पोंगें को पैरिवार राष्ट्रीय पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया। स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड गेम्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आठ बौद्धिक दिव्यांग पैराअथलीटों को भी सम्मानित किया गया।

न्यूज ब्रीफ

महिला ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बनी गांव निवासी अवधेश सिंह राजधानी स्थित स्वास्थ्य विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं। वे पत्नी मंजू सिंह (45) के साथ रहते हैं। दोनों बेटे माता-पिता से अलग रहते हैं। शनिवार सुबह अवधेश घर पर थे। तभी करीब 8:30 बजे मंजू ने वॉशरूम के रोशनदान में दुपट्टे के सहारे फंदा लगा लिया। अवधेश ने देखा तो मंजू को नीचे उतार कर लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मंजू को मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर राणा राजेश सिंह का कहना है कि मंजू सिंह शुगर की मरीज थी और काफी दिनों से डिप्रेशन में चल रही थी।

ट्रेन के आगे कूदकर स्कूल बस चालक ने दी जान

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा में शनिवार दोपहर निजी स्कूल के बस चालक ने स्वर्ण शताब्दी ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी। बंथरा गांव निवासी राम प्रकाश (45) पत्नी रामप्यारी, बेटे अतुल गौतम और अखिलेश गौतम के साथ रहकर पास के डबल पब्लिक स्कूल में बस चालक थे। बेटी निधि और नेहा की शादी हो चुकी है। राम प्रकाश शनिवार सुबह करीब 6 बजे घर से स्कूल गया। वहां से बस लेकर बच्चे लेने चले गया। इसके बाद स्कूल में बच्चे छोड़े और करीब 10 बजे खाना खाने के लिए घर जाने की बात कह कर स्कूल से निकल गया। लेकिन वह घर नहीं पहुंचा। दोपहर करीब 12:15 बजे हरौनी रेलवे स्टेशन और सई नदी के बीच बरगदिया बाबा मंदिर के पास राम प्रकाश ने ट्रेन के आगे छलांग लगा दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। इंस्पेक्टर राणा राजेश सिंह ने बताया कि खुदकुशी की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। मामले की जांच की जा रही है।

चोरों ने 400 मीटर केबल उड़ाई

अमृत विचार, लखनऊ : काकोरी क्षेत्र के सरोसा भरोसा उपकेंद्र के तहत आने वाले अजीतन खेड़ा गांव में चोर 11 हजार वोल्ट के भरोसा फीडर से जुड़े निजी नलकूपों की सप्लाई लाइन में लगी करीब 400 मीटर एबी केबल को काटकर ले गए। मालूम हो कि यह चोरी 17 नवंबर की आधी रात करीब 2:30 बजे होने की बात सामने आई है। इसके चलते क्षेत्र के दो किसानों के नलकूप ठप हो गए, जिससे उनका सिंचाई कार्य प्रभावित हो गया। विभाग की ओर से वैकल्पिक स्रोत से व्यवस्था कर शनिवार को बिजली आपूर्ति को बहाल कर दिया गया। अवर अभियंता नितिन चौधरी ने बताया कि 250 केवीए ट्रांसफॉर्मर से निकलने वाली एबी केबल चोरी होने के कारण विभाग को 3,07,076 रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है। घटना की जानकारी मिलने पर विभागीय टीम और पुलिस मौके पर पहुंचकर आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ की, लेकिन चोरों का अभी तक कोई सुराग नहीं मिल सका है।

पति समेत चार पर एफआईआर

अमृत विचर, गोसाईंगंज : गोसाईंगंज के तरियापुर में 25 नवंबर को हुई सीतू वर्मा की मौत के मामले में पुलिस ने पति व चार अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई सीतू के भाई गुडंबा के दसौली निवासी रंजीत कुमार की तहरीर पर की है। रंजीत ने पुलिस को बताया कि साल 2017 में बहन की शादी गोसाईंगंज के तरियापुर निवासी कमलेश कुमार के साथ की थी। कुछ सालों से बहन के साथ उसका पति कमलेश, सास ननकई, ससुर रामस्वरूप, ननद लक्ष्मी व ननंदोई अमित गाली-गलौज और अभद्रता करते थे। सीतू ने यह बात अपनी बहन को भी कई बार बताई थी। 25 नवंबर को आरोपियों ने फिर से बहन को बुरी तरह से पीटा था।

मास्टर माइंड को लुकआउट नोटिस जारी

फेंसेडिल कफ सिरप मामले यूपी से लेकर पश्चिम बंगाल तक फैला नेटवर्क, जड़े खंगाल रही पुलिस

अमृत विचार Follow UP

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः यूपी एसटीएफ ने फेंसेडिल कफ सिरप मामले में आरोपी अमित की गिरफ्तारी के बाद मास्टर माइंड शुभम की तलाश तेज कर दी गई है। वह दुबई भाग निकला था। एसटीएफ ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। दावा है कि गिरोह उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, बिहार, झारखण्ड, असम, पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश तक सिरप की सप्लाई कर रहा था। गिरोह के नेटवर्क की जड़े यूपी से पश्चिम बंगाल तक खंगाली जा रही हैं।

फेंसेडिल कफ सिरप के अवैध भंडारण और व्यापार के मामले में एसटीएफ ने 27 नवंबर को अमित सिंह टाटा को गिरफ्तार किया था। उसने प्रदेश में फेन्सेडिल कफ सिरप व कोडीन युक्त अन्य दवाओं का नशे के रूप में प्रयोग, अवैध भंडारण व व्यापार करने के अलावा उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, बिहार, झारखण्ड, असम, पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश सप्लाई की जानकारी दी है। इस गिरोह का मास्टर माइंड शुभम जायसवाल है। उसका शैली ट्रेडर्स के नाम से एबॉट कंपनी की फेन्सेडिल कफ सिरप का बड़ा कारोबार रांची, झारखंड में है। कोडीन युक्त फेन्सेडिल कफ सिरप नशे के रूप में प्रयोग होता है, जिसकी काफी डिमांड पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में है।

टाटा ने बजरंगी की चिता पर खाई थी विरोधियों को मिटाने की कसमें

- फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी में गिरफ्तार अमित सिंह टाटा वाराणसी के सेंट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष राजा आनंद ज्योति सिंह की हत्या का आरोप है। उनकी जहर देकर हत्या की गई थी। उपाध्यक्ष के पिता ने चौबेपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। टाटा मुन्ना बजरंगी का खास गुर्गा था। उसने बजरंगी की चिता पर विरोधियों को मिटाने की कसम खाई थी। कोई बड़ा बाहुबल व राजनीतिक ठिकाना न मिलने पर जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह की शरण में चला गया। टाटा ने आपराधिक कृत्यों को छिपाने के लिए वकालत भी की। वह पूर्व में सेंट्रल बार एसोसिएशन प्रबंध समिति का सदस्य भी रह चुका है। दो वर्ष से वह शुभम के संपर्क में आया। कफ सिरप कांड में कार्रवाई शुरू होने पर टाटा पूजा-पाठ करने लगा। एसटीएफ के बर्खास्त सिपाही आलोक व अन्य के साथ उज्जैन महाकाल के दर्शन करने गया था। वहां से लौटते ही एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों के अनुसार एसटीएफ ने बर्खास्त सिपाही को भी हिरासत में ले लिया था, लेकिन पूर्व सांसद के प्रभाव में छोड़ दिया गया। टाटा के खिलाफ पर्याप्त पुख्ता साक्ष्य होने के कारण पूर्व सांसद ने कदम पीछे खींच लिए।

बिफरे पूर्व सांसद धनंजय सिंह

- कफ सिरप तस्करी मामले में अपना नाम चर्चा में आने पर बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह बिफर पड़े हैं। उन्होंने विरोधियों पर बदनाम करने का आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया पर पर पोस्ट लिखी है। खुद को बेगुनाह बताते हुए सीबीआई जांच कराने की मांग उठाई है। धनंजय का आरोप है कि राजनैतिक विरोधियों ने उनके बारे में भ्रम फैलाया है। लिखा- मुझे पता है कि कफ सिरफ के मुद्दे पर मेरे कुछ राजनैतिक विरोधियों ने मेरे बारे में भ्रामक खबर फैलाने का कृत्य किया है। इस प्रकरण की जांच यूपी सरकार द्वारा गहनता से विभिन्न एजेंसिजेंयों के द्वारा कराई जा रही है, जिससे प्रकरण की सत्यता सबके सामने आ जाएगी। धनंजय सिंह ने आगे लिखा, इस सम्बन्ध में मैं प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को पत्र लिख रहा हूं जिससे भ्रामक खबर चलवाने तथा यूपी सरकार की छवि धूमिल करने वालों का चेहरा उजागर हो सके।

दुबई में मीटिंग कर तय करते थे माल की आपूर्ति

- एसटीएफ के मुताबिक अमित सिंह टाटा दुबई अकेले नहीं जाता था। अब तक की जानकारी में सामने आया कि अमित के साथ मास्टर माइंड शुभम जायसवाल, बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह व गिरोह के कोर कमेटी के सदस्य जाते थे। दुबई में ही एबॉट कंपनी की मीटिंग भी की जाती थी। वहीं पर तय होता था कि कितना माल कब और कहां जाएगा। एसटीएफ गिरोह के सदस्यों के साथ ही दुबई यात्रा की पूरी कुंडली निकलाने में जुट गई है। पुलिस ने बताया कि इन लोगों ने साजिश के तहत फर्म रजिस्टर्ड कराते थे। वहीं खुद को सामने नहीं रखते। ऐसे लोगों को सामने रखा जाता था जिनसे सिरप तस्करी का कोई सरोकार नहीं था। इस लाइसेंस के दम पर इन लोगों ने करोड़ों रुपये की माल की हेरा-फेरी की है। अब बताया जा रहा है कि फर्म के पीछे कौन लोग जुड़े थे।

गाड़ियों के काफिले से चलने लगा था अमित

- शुरूआती दौर में अमित सिंह टाटा सिर्फ एक स्कार्पियो से चलता था। पिछले डेढ़ वर्ष के अंदर ही उसके पास गाड़ियों का काफिला हो गया। उसने डेढ़ वर्ष के अंदर ही तीन लक्जरी गाड़ियां खरीदी। इसमें फार्च्यूनर, स्कार्पियो शामिल हैं। इन गाड़ियों के काफिले से वह वाराणसी, लखनऊ व जौनपुर में घूमता था। पुलिस के मुताबिक डेढ़ वर्ष में तीन गाड़ियां शुभम जायसवाल ने ही उसे खरीदकर दी थी। शुभम ने अमित को इसलिए साथ रखा कि पूर्वांचल के माफिया व दबंग उससे रंगदारी न मांगे। एसटीएफ की जांच में यह भी सामने आया कि पूर्वांचल के तीन नेताओं को शुभम जायसवाल ने लैंड क्रूजर और फार्च्यूनर जैसी गाड़ियां गिफ्ट में दी हैं। दुबई में बैठे शुभम जायसवाल के करीबी वरुण सिंह, गौरव जायसवाल, सिगरा के होटल और रियल एस्टेट कारोबारी समेत अन्य कई नाम का खुलासा होना बाकी है। पूर्वांचल के जौनपुर, चंदौली, वाराणसी के कई नेताओं और रसूखदारों को शुभम लाभान्वित कर चुका है। एप्पल के मैकबुक में शुभम ने सभी का काला चिट्ठा का हिसाब रखा हुआ है। साड़ी, होटल, बालू, कोयला, सरिया समेत अन्य कारोबार में भी शुभम ने कदम बढ़ा दिए थे।

एसटीएफ को मिला बर्खास्त सिपाही का फर्म, खातों की जांच तेज

- फेंसेडिल कफ सिरप मामले में एसटीएफ के हाथ कई अहम सुराग लगे हैं। बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह के फर्म की जानकारी सामने आई है। इस फर्म के नाम पर बड़ी रकम के लेनदेन की पुष्टि हुई है। एसटीएफ ने आलोक के फर्म के खातों की जांच शुरू कर दी है। वहीं, अमित सिंह टाटा, बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह और मास्टर माइंड शुभम जायसवाल के दुबई यात्रा की पूरी डिटेल हाथ लग गई है। इसका खर्च व दुबई में किन लोगों से मिले, इन सब की जानकारी एसटीएफ जुटा रही है। पुलिस के मुताबिक कफ सिरप के तस्करी करने वाले गिरोह से जुड़ने के बाद अमित सिंह टाटा प्रॉपर्टी से लेकर अन्य मामलों में बड़े निवेश करने लगा था। शुभम जायसवाल के साथ अमित सिंह टाटा कई बार दुबई गया था। दो बार की डिटेल एसटीएफ के हाथ लगी है। यही नहीं कुछ तस्वीरें आई, जिसमें शुभम जायसवाल, अमित सिंह टाटा, बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह समेत अन्य लोग मजे करते दिख रहे हैं। इस आधार पर एसटीएफ ने आलोक सिंह की तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि आलोक की एक फर्म सामने आई है, जिसके खाते से लेन-देन हुए है। इसके बारे में एसटीएफ ने बैंक से डिटेल मांगा है। साथ ही फर्म रजिस्ट्रेशन किसने कब करवाई है, उसका पता भी लगाया जा रहा है। इस मामले में जल्द और लोगों की गिरफ्तारी होगी, जिनमें कुछ बड़े नाम भी शामिल है, जो पूर्व सांसद बाहुबली के करीबी है।

पांच राज्यों की पुलिस से मांगी गई डिटेल

- नीट में प्रवेश व पास कराने के नाम पर सौ करोड़ की ठगी का मामला
- उत्तर प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, बिहार, उत्तराखंड की पुलिस से कर रही संपर्क

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः नीट में प्रवेश व पास कराने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के सरगना अभिनव शर्मा उर्फ प्रेम प्रकाश के खिलाफ पांच राज्यों में दर्ज मामलों की डिटेल जुटाई जा रही है। साइबर क्राइम थाने में इसके लिए यूपी के सभी थानों के साथ दिल्ली, गुजरात, बिहार व उत्तराखंड की पुलिस के संपर्क में है। गिरोह ने सैकड़ों लोगों से 100 करोड़ से अधिक रुपये की ठगी की है। साथ ही पुलिस दिल्ली पब्लिक स्कूल जूनियर डिवीजन (डीपीएस) की फ्रेंचाइजी के नाम पर ठगी का शिकार पीड़ितों का ब्योरा जुटा रही है। पीड़ितों के सामने आने पर पुलिस उनसे भी तहरीर लेकर जालसाज प्रेम प्रकाश उर्फ अभिनव, संतोष और उसके गिरोह के अन्य लोगों के खिलाफ मामले दर्ज करेगी।

पुलिस को अभी तक डीपीएस की फ्रेंचाइजी के नाम पर ठगी करने वाले पीड़ित नहीं मिले हैं। पुलिस की दो टीमें प्रेम प्रकाश और संतोष के करीबियों का भी ब्यौरा जुटा रही है। पुलिस उपायुक्त अपराध कमलेश कुमार दीक्षित ने बताया कि मेडिकल के दाखिले के नाम पर ठगी का शिकार पीड़ितों ने उन्हें डीपीएस की फ्रेंचाइजी के नाम पर भी ठगी होने की बात बताई थी। तफ्तीश में पता चला है कि प्रेम प्रकाश ने डीपीएस की फ्रेंचाइजी देने के नाम पर करीब 10 साल पूर्व लोगों को ठगा था। इस वजह से पीड़ितों के मिलने में दिक्कते आ रही हैं। उनके बयान दर्ज कर मामले में और कार्रवाई की जाएगी। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार यादव ने बताया कि डीपीएस प्रबंधन बनारस और पटना को भी नोटिस इस संबंध में जारी की जा रही है। उनके बयान दर्ज किए जाएंगे। उनसे पूछताछ की जाएगी कि प्रेम प्रकाश का उनके संस्थान में आना जाना था अथवा नहीं? वह प्रेम प्रकाश से किस तरह से जुड़े थे? इस संबंध में साक्ष्य संकलन भी किए जा रहे हैं।

यह था मामला

- साइबर थाने की पुलिस टीम ने कठौता झील के पास से बुधवार को अभिनव शर्मा उर्फ प्रेम प्रकाश विद्यार्थी उर्फ राजीव सिंह उर्फ सर्वेश शुक्ला और उसके साथी संतोष को गिरफ्तार किया था। प्रेम प्रकाश बिहार के जिला औरंगाबाद के बारुण सीरीस फतेहपुर का रहने वाला है। उसका साथी संतोष समस्तीपुर के सराई दाल सिंह का रहने वाला है। विभूतिखंड और साइबर क्राइम थाने में नीट में दाखिले और पास कराने के नाम पर ठगी करता था। उसने http://study pathway consultancy .com और हिंद मेडिकल कॉलेज के नाम से फर्जी वेबसाइट बना रखी थी। हिंद मेडिकल कॉलेज और कई अन्य ले लोगों को नीट (यूजी-पीजी) में दाखिला और पास कराने के नाम पर ठगी करता था।

कार सवार ने कई को कुचला, बीएलओ समेत तीन घायल

- लोगों ने कार पर किया पथराव आरोपी गाड़ी छोड़कर भागा
- बंथरा पुलिस ने कार को कब्जे में लिया, वीडियो वायरल

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचारः बंथरा कस्बे में शनिवार शाम एक मनबढ़ कार सवार ने बीच सड़क पर ऑटो चालक को रोककर पीटा। बीच-बचाव करने पर स्थानीय लोगों पर भी हमला बोल दिया। भीड़ बढ़ने पर आरोपी ने कार से पेंचकस निकालकर धमकाते हुए भागने की कोशिश में कई लोगों को रौंदने का प्रयास किया। कार की चपेट में आने से महिला बीएलओ समेत तीन लोग घायल हो गए। आक्रोशित लोगों ने कार पर पथराव किया। आरोपी कार छोड़कर भाग निकला। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूरे मामले का वीडियो बनाकर लोगों ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

हादसे के बाद सड़क पर खड़े वाहन और मौजूद लोग।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शाम करीब पांच बजे क्रेटा कार सवार ने ऑटो चालक को पीटा। बीचबचाव के बाद घिरने पर आरोपी ने कई बार सड़क पर कार को आगे-पीछे कर लोगों को डराता रहा। उसके बाद कार को दौड़ा दी। कार की चपेट में आने से सुशील गुप्ता (50) और गुड्डू (55), बीएलओ दिव्या वर्मा निवासी गौरी और दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कार की टक्कर से एक ई-रिक्शा और कई मोटरसाइकिलें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। घायलों को निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गयी।

इंस्पेक्टर बंथरा राणा राजेश कुमार सिंह ने बताया कि घटनास्थल से कुछ दूरी पर कार खड़ी मिली है, जिसे कब्जे में ले लिया गया है। कार चालक की पहचान की जा रही है। घायल बीएलओ की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। ऑटो चालक ने बताया कि कार चालक ने ओवरटेक करते समय उसकी गाड़ी में टक्कर मारी। विरोध होने पर उसने पीछा कर सड़क पर रोककर पीट दिया। उसके बाद ईंट से डाले का शीशा तक फोड़ दिया।

खौलते तेल में गिरे कारीगर की मौत

अमृत विचार, काकोरी : दुबग्गा के मलपुर निवासी कैटरिंग कारीगर प्रदीप कुमार (30) एक कार्यक्रम में मंगलवार को खाना बनाने गए थे। पूड़ी बनाने के दौरान वह खौलते तेल की कढ़ाई में गिर गए। इलाज के दौरान उनकी केजीएमयू में उनकी मौत हो गई। भाई दिलीप ने बताया कि मंगलवार को वह हरदोई रोड स्थित लाल मस्जिद के पास एक कार्यक्रम में खाना बनाने गए थे। वहां पूड़ी निकाल रहे थे, तभी अचानक वह खौलते तेल की कढ़ाई में गिर गए। जिससे वह बुरी तरह झुलस गए थे। उनको केजीएमयू के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया था। जहां शुक्रवार की देर रात उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजन ने कोई आरोप नहीं लगाया है।

बिना तहसीलदार के हस्ताक्षर के जालसाजो ने कर दिया आदेश

- एक ऑपरेटर के खिलाफ हुई कार्रवाई, हटाया गया
- आखिर रिपोर्ट दर्ज कराने से क्यों कतरा रहा तहसील प्रशासन

संवाददाता, मोहनलालगंज

अमृत विचार : जालसाजों ने तहसीलदार न्यायिक की कोर्ट में जमीन के दाखिल खारिज का आदेश पारित कर दिया। आदेश ऑनलाइन अपडेट करने के साथ अमलदरामद बगैर परवाना जारी खतौनी में अंकित भी कर दिया गया। सरकारी वकील से दोबारा सुनवाई करने का प्रार्थना पत्र लेकर फर्जी आदेश खारिज किया गया। तहसील प्रशासन ने आदेश अपलोड करने वाले ऑपरेटर हटा दिया, लेकिन जालसाजो पर कार्रवाई नहीं कराई गई।

सिसेंडी निवासी व्यक्ति ने 30 जुलाई को महिला से जमीन का बैनामा कराया था। जमीन महिला व उसके नाबालिग बच्चों के नाम थी। दाखिल खारिज का मुकदमा तहसीलदार न्यायिक की कोर्ट में दर्ज हुआ। 7 नवंबर को कोर्ट से दाखिल खारिज का ऑनलाइन आदेश हो गया। बिना परवाना दाखिल खारिज भी खतौनी पर कर दिया गया। मामला प्रकाश में आने पर तहसीलदार ऋतु राज शुक्ला ने पत्रावली का मुआयना किया तो दंग रह गए। नामिका अधिवक्ता से दोबारा प्रार्थना पत्र लेकर 22 नवम्बर को आदेश खारिज कर दिया। तहसीलदार ने अपने आदेश में लिखा कि पत्रावली में आदेश पारित न होने के बाउजूद अपलोड हुआ और खतौनी में अंकन भी हो गया। त्रुटि पूर्ण आदेश खारिज किये जाने योग्य है। इस संबंध में तहसीलदार ने कहा कि पत्रावली में मेरे हस्ताक्षर नहीं हैं। बिना परवाना जारी हुए खतौनी में आदेश अंकित कर दिया गया। आदेश खारिज कर दिया गया है।

5 दिन ही शेष, संग्रह और डिजिटाइजेशन करें पूरा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को हिदायत दी है कि पात्र मतदाताओं को चिन्हित कर मतदाता सूची में अवश्य ही दर्ज कराएं। अब 5 दिन ही शेष बचे हैं, कार्य में तेजी लाते हुए संग्रह एवं डिजिटाइजेशन को पूरा कराया जाए। कम प्रगति वाले बूथों पर अतिरिक्त दक्ष कार्मिक लगाकर कार्य पूर करें। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में अब तक 9.41 करोड़ से अधिक यानी लगभग 61 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने बताया कि एसआईआर की प्रक्रिया में 1,62,486 बीएलओ, 16 हजार से अधिक सुपरवाइजर, 2 हजार से अधिक एईआरओ, 403 ईआरओ एवं 75 जिला निर्वाचन अधिकारी नियुक्त हैं। उन्होंने बताया कि प्रगति के अनुसार निर्धारित अंतिम तिथि 4 दिसंबर तक वितरित गणना प्रपत्रों का संग्रह कर लिया जाएगा।

सिटी डायरी

स्थापना दिवस पर केक काटते भाकियू पदाधिकारी।

भाकियू लोकशक्ति ने मनाया स्थापना दिवस

अमृत विचार, सरोजनीनगर : भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) ने शनिवार को बंथरा में 8वें स्थापना दिवस मनाया। इसमें प्रदेश प्रमुख महासचिव देवेन्द्र कुमार पासी ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनके सम्मान और अधिकारों की लड़ाई लड़ना संगठन का उद्देश्य है। उन्होंने यह भी कहा कि संगठन समय-समय पर जन आंदोलन और संवाद के माध्यम से किसानों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाता रहेगा। श्री पासी शनिवार बंथरा में आयोजित यूनियन के 8वें स्थापना दिवस समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव हरनाम सिंह ने जब तक किसानों को न्याय, सम्मान और सुरक्षा नहीं मिलती, तब तक संगठन अपनी लड़ाई जारी रखेगा। बब्लू भइया, जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र वर्मा, जिला प्रभारी व पूर्व प्रधान रामपाल रावत, जिला कोषाध्यक्ष रमाशंकर सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रक्तदान करता हुआ युवक, साथ में मौजूद निदेशक व अन्य।

शिविर में 20 लोगों ने किया रक्तदान

अमृत विचार, लखनऊ : सेवा भारती, सम्राट विक्रमादित्य सेवा संस्थान एवं दवा विक्रेता वेलफेयर समिति के तत्वावधान में शनिवार को कल्याण सिंह कैंसर संस्थान के ट्रांसफ्यूज़न मेडिसिन विभाग में रक्तदान शिविर लगाया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. अंजू दुबे के नेतृत्व में लगे शिविर में 20 लोगों ने रक्तदान किया। मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक प्रो. एमएलबी भट्ट ने कहा कि रक्तदान जैसी मानवीय सेवाएं कैंसर पीड़ित एवं गंभीर रोगियों के लिए जीवनरक्षक सिद्ध होती हैं। विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक देवमणि द्विवेदी उपस्थित होकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। सुरेन्द्र मिश्रा, ओम प्रकाश पांडेय, नरेंद्र अग्रवाल, आनंद पाण्डेय, डॉ. वरुण विजय और डॉ. आयुष लोहिया मौजूद रहे।

जागरुकता कार्यक्रम में पुलिस अधिकारी और छात्राएं।

छात्राओं, महिलाओं को किया जागरूक

अमृत विचार, मलिहाबाद : मिशन शक्ति फेज-5 के तहत रहीमाबाद पुलिस ने शनिवार को छात्राओं और ग्रामीण महिलाओं को जागरूक किया। ग्राम मवईकला स्थित बाबा हुलासीदास शिक्षण संस्थान में कार्यशाला का आयोजन किया गया। छात्राओं को हेल्पलाइन नंबरों 1098 (बाल सहायता), 1090 (वीमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 1076 (सीएम हेल्पलाइन), 1930 (साइबर फ्रॉड), 112 (इमरजेंसी सेवा), 101 (फायर), और 102 व 108 (एंबुलेंस)। इन नंबरों के पम्पलेट दिए। एंटी-रोमियो स्क्वॉड, पिंक बूथ, पिंक मोबाइल और महिला शक्ति केंद्र की कार्यप्रणाली बताते हुए टीम ने भरोसा दिलाया कि पुलिस हर परिस्थिति में उनके साथ है।

राम बरात का स्वागत करते पुलिस अधिकारी।

एसीपी ने की राम बरात की अगवानी

अमृत विचार, निगोहां : कस्बे में शनिवार को संकट मोचन हनुमान मंदिर से हांथी, घोडा, पालकी, बग्घी, ऊंट, व बाइक, डीजे, कारों के साथ श्रीराम की बरात निकाली गई। एसीपी मोहनलालगंज विकास पाण्डेय ने आरती उतारकर बरात की अगवानी की। निगोहां थानाध्यक्ष अनुज तिवारी ने पुष्प वर्षा की। मेला प्रबंधक लक्ष्मीकांत तिवारी व अशोक कुमार तिवारी ने बताया कि बरात हनुमान मंदिर से निकाली गई।

सुविधा

सालभर में 3,065 महिलाओं ने उठाया नि:शुल्क सेवा का लाभ

महिलाओं ने लिया डबल डेकर में मुफ्त सवारी का आनंद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः हर शनिवार महिलाओं के लिए चलाई जा रही डबल डेकर बस में निःशुल्क यात्रा सुविधा का लाभ बड़ी संख्या में महिलाओं ने लिया है। कमता से अमौसी के बीच संचालित इस सुविधा में नवंबर 2024 से नवंबर 2025 के दौरान कुल 84, 604 यात्रियों ने सफर किया। इनमें से 3,065 महिलाओं ने शनिवार को मिलने वाली निःशुल्क यात्रा का जमकर लाभ उठाया। सालभर में करीब 52 शनिवार पड़ते हैं यानी लगभग 59 महिलाओं ने डबल डेकर की मुफ्त सेवा का आनंद लिया। बता दें कि यह सुविधा सुबह 8 से देर शाम 8 बजे तक चलती है।

परिवहन निगम की इस सुविधा का लाभ महिलाओं के लिए खास इसलिए भी है कि एक तो उनकी यात्रा निःशुल्क है। परिवार के जो लोग साथ आए उनमें भी महिलाओं को टिकट नहीं लेना पड़ता। ड्यूटी करने वाली महिला हों या फिर कामकाजी दोनों के लिए यह मुफ्त सेवा लाभकारी होती है। कारण यह है कि दूसरे दिन रविवार का अवकाश होता है। ऐसे में महिलाओं को डबल डेकर का यह सफर खूब रास आता है। क्षेत्रीय प्रबंधक आरके त्रिपाठी ने बताया कि महिलाओं को बस सेवा की ओर आकर्षित करने और उन्हें अधिकतम लाभ प्रदान करने के लिए हर शनिवार निःशुल्क यात्रा उपलब्ध कराई जाती है। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन से जोड़ना है। सालभर में तीन हजार से अधिक महिलाओं ने इन सेवाओं में सफर किया है।

ब्रेकर हटाने की मांग पर युवक की पिटाई

अमृत विचारः निगोहां मीरखनगर गांव में सड़क पर बनाए गए ब्रेकर को हटाने की मांग को लेकर आधा दर्जन ग्रामीणों ने एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। रश्मि के अनुसार, घटना बुधवार की है। उनके पति शिवशंकर चौरसिया घर पर बच्चों के साथ मौजूद थे, तभी दरवाजा खटखटाने पर उन्होंने मुख्य द्वार खोला। बाहर पड़ोसी आर्यन शर्मा उर्फ आर्या सहित तीन अन्य लोग खड़े थे। आरोप है कि हमलावरों ने गाली-गलौज करते हुए ब्रेकर तुड़वाने की मांग की और कहा कि इससे तेज रफ्तार में वाहन चलाने में दिक्कत होती है।

अमृत विचार
लोक दर्पण
रविवार, 30 नवंबर 2025 www.amritvichar.com

मातृत्व की चुनौतियां

पेरेंटिंग का बदलता रूप

आज मातृत्व एक ऐसी जटिल राह पर खड़ा है, जहां जनरेशन गैप अर्थात पीढ़ियों का अंतर सबसे बड़ा संघर्ष बन गया है। पुरानी पीढ़ी की परंपराएं और नई पीढ़ी का वैज्ञानिक दृष्टिकोण अक्सर आमने-सामने टकरा जाते हैं। ऐसे में मां पर यह दबाव दोगुना हो जाता है कि वह किस राह को अपनाए और क्या छोड़ दे? आज इस पर विचार करना बहुत जरूरी हो गया है। वर्तमान समय बदलते विचारों, बदलती तकनीक, बदलती शिक्षा और बदलती जीवनशैली का समय है। इन सभी बदलावों की सबसे बड़ी मार जिस पर पड़ रही है, वह है मातृत्व, क्योंकि मां वह केंद्र है, जिसके इर्द-गिर्द पूरा परिवार घूमता है। पहले मातृत्व का अर्थ केवल बच्चों की देखभाल, पोषण और परिवार को एकजुट रखना माना जाता था, लेकिन आज मां की भूमिका बहुआयामी हो चुकी है। वह एक साथ मां है, पत्नी है, पेशेवर स्त्री है, डिजिटल सुरक्षा की संरक्षक है, मानसिक स्वास्थ्य की समर्थक है और परिवार के भावनात्मक संतुलन की रीढ़ भी है। इन सभी भूमिकाओं को निभाते हुए आधुनिक मां नई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिसका सबसे बड़ा कारण है जनरेशन गैप यानी दो पीढ़ियों के विचारों, अनुभवों और जीवनशैली में अंतर।

डॉ. नीलू तिवारी
लेखिका

■ **जीवन व्यवस्था का अंतर-** मातृत्व के बदलते स्वरूप को समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि पुरानी और नई पीढ़ी के बीच अंतर केवल सोच का नहीं, बल्कि पूरी जीवन व्यवस्था का है। पुरानी पीढ़ी ने वह समय देखा है, जब परिवार संयुक्त होता था, घर में कई सहायक हाथ होते थे और पेरेंटिंग में दादी-नानी का योगदान अत्यधिक होता था। वे नियम, अनुशासन, मर्यादाओं और परंपराओं पर विश्वास रखते थे। उनके अनुसार बच्चे का भविष्य माता-पिता की आज्ञा के प्रति सम्मान और कठोर अनुशासन पर आधारित होता था। शिक्षा सीमित थी, कॅरियर विकल्प सीमित थे और समाज का दायरा भी सीमित था। उस समय बच्चे की दुनिया घर, स्कूल और पड़ोस तक ही सीमित रहती थी।

■ **पहले से अलग है आज की मां की दुनिया-** आज की मां की दुनिया पूरी तरह अलग है। आज की मां को दो संसारों में एक साथ जीवित रहना पड़ता है। पहला संसार पारंपरिक है, जहां मातृत्व त्याग, धैर्य, सहनशीलता और पूर्ण समर्पण का प्रतीक माना जाता है। इसमें मां को घर की रीढ़ समझा जाता है और उसकी भूमिका घर-परिवार की देखभाल से शुरू होकर वहीं समाप्त हो जाती थी। दूसरा संसार पूरी तरह बदल चुका है। आज की मां पढ़ी-लिखी है, कॅरियर बनाना चाहती है, दुनिया को समझने की क्षमता रखती है, आर्थिक रूप से स्वतंत्र है और अपनी पहचान को परिवार के साथ-साथ महत्व देना चाहती है। वह मानसिक स्वास्थ्य, डिजिटल सुरक्षा, संवाद आधारित पालन-पोषण और भावनात्मक संतुलन को उतनी ही प्राथमिकता देती है, जितनी पहले की पीढ़ी अनुशासन, आज्ञाकारिता और त्याग को देती थी। यही दो ध्रुव हैं, जिनके बीच मातृत्व लगातार झूल रहा है।

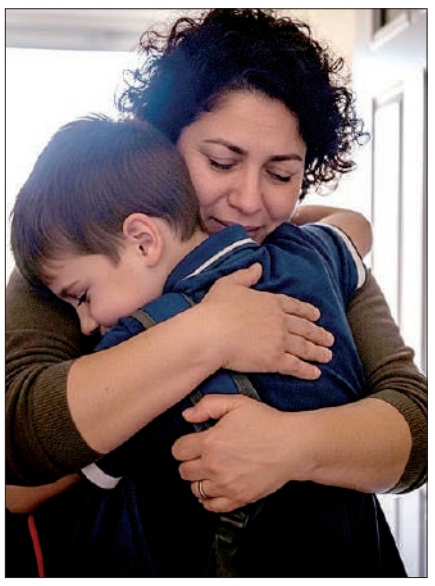

■ **अदृश्य मानसिक दबाव -** मातृत्व की नई चुनौतियों पर बात करते हुए यह समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि आज की दुनिया सूचना-सर्वाधिकता का युग कहलाती है, जहां पहले मां को बच्चे की परवरिश के लिए परिवार और समुदाय से सलाह मिलती थी। वहीं आज इंटरनेट पर हजारों लेख, वीडियो, विशेषज्ञ, इन्फ्लुएंसर और पेरेंटिंग कोच मौजूद हैं, जिनकी सलाह आपस में बिल्कुल अलग होती है। यह स्थिति आधुनिक मां को अक्सर उलझन में डाल देती है कि क्या करें, किसकी सुनें, क्या सही है और क्या नहीं। यह उलझन एक अदृश्य मानसिक दबाव पैदा करती है, जिसे पुरानी पीढ़ी समझ ही नहीं पाती, क्योंकि उनके दौर में निर्णय सीमित जानकारी के आधार पर लिए जाते थे और उनमें भ्रम की संभावना बहुत कम होती थी।

■ **अनुशासन बनाम संवाद-** जनरेशन गैप का सबसे बड़ा असर पेरेंटिंग की व्याख्या पर दिखाई देता है। पुरानी पीढ़ी का मानना था कि बच्चे अनुशासन, आज्ञाकारिता और बड़ों की मर्यादा से खिलते हैं। उनके अनुसार मां का कठोर होना बच्चे को मजबूत बनाता है और जीवन की कठिनाइयों का सामना करने के लिए तैयार करता है। पुरानी पीढ़ी के अनुसार बच्चों को क्यों पूछने की जरूरत ही नहीं थी, लेकिन नई पीढ़ी का दृष्टिकोण पूरी तरह अलग है। वह भावनात्मक जुड़ाव, खुला संवाद, मानसिक स्वास्थ्य, सहानुभूति और वैज्ञानिक परवरिश को प्राथमिकता देती है। नई मां चाहती है कि बच्चा आदेश से नहीं, बल्कि समझ और संवेदनशीलता से आगे बढ़े। आज का बच्चा स्थिरता नहीं, बल्कि विकल्प चाहता है। वह नियमों से अधिक स्वतंत्रता चाहता है। वह पूछता है क्यों? यही दो ध्रुव अनुशासन बनाम संवाद घर के भीतर अक्सर टकराव पैदा करते हैं और मां बीच में फंस जाती है।

■ **भावनात्मक और मानसिक चुनौती बनी पेरेंटिंग-** आधुनिक मां पर शिक्षा संबंधी दबाव भी अत्यधिक बढ़ चुका है। आज के बच्चे पहले की तुलना में ज्यादा प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहे हैं। स्कूल में उत्कृष्ट प्रदर्शन, अतिरिक्त गतिविधियां, कौशल आधारित सीख, भाषाएं, खेल, कोडिंग, संगीत, प्रतियोगिता परीक्षाएं इन सबका बोझ बच्चों के साथ माता-पिता पर भी पड़ता है। पुरानी पीढ़ी यह मानती थी कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य अच्छा इंसान बनना था, जबकि आज समाज शिक्षा को नौकरी, करियर और आर्थिक स्थिरता से जोड़कर देखता है। इस अंतर के कारण आधुनिक मां कभी-कभी अपराध बोध में जीने लगती है। यदि वह बच्चे को पर्याप्त समय नहीं दे पाती, यदि वह हर गतिविधि में उसे आगे नहीं बढ़ा पाती या बच्चा सोशल मीडिया पर दूसरों की उपलब्धियों से प्रभावित होकर दबाव महसूस करने लगे। इसी वजह से आधुनिक पेरेंटिंग एक भावनात्मक और मानसिक चुनौती बन गई है।

एक साथ दो जिम्मेदारियां

मातृत्व और जनरेशन गैप का एक गंभीर पहलू है लैंगिक भूमिकाओं के प्रति बदलता नजरिया। पहले घर के सभी घरेलू कार्यों को स्त्री की जिम्मेदारी माना जाता था और मातृत्व का अर्थ केवल बच्चे को जन्म देना और उसका पालन-पोषण करना होता था। आज की मां समानता में विश्वास रखती है। वह चाहती है कि पिता भी बच्चे की जिम्मेदारियों को बराबर बांटे। कई परिवारों में विशेषकर पारंपरिक सोच वाले परिवारों में यह विचार अभी भी स्वीकार्य नहीं है। इससे मां पर अतिरिक्त बोझ बढ़ता है, क्योंकि वह आधुनिक मूल्यों में विश्वास रखती है, लेकिन परिवार की अपेक्षाएं अब भी परंपरागत हैं।

ज्यादा चिंता करने वाली मां

मातृत्व की नई चुनौतियों में एक बड़ी चुनौती है डिजिटल पेरेंटिंग। पहले माताएं बच्चों को पड़ोस की गलियों में खेलते देखकर ही संतुष्ट हो जाती थीं, लेकिन आज मां को चिंता रहती है कि बच्चा मोबाइल में क्या देख रहा है, किससे चैट कर रहा है, कहीं वह ऑनलाइन गेमिंग में उलझ रहा है या कहीं वह साइबर बुलिंग का शिकार तो नहीं हो रहा या कोई अजनबी ऑनलाइन उसकी व्यक्तिगत जानकारी तो नहीं ले रहा। यह जिम्मेदारी पहले कभी मातृत्व का हिस्सा नहीं थी। पुरानी पीढ़ी के लिए इन चिंताओं को समझना मुश्किल है, क्योंकि उनके दौर में डिजिटल दुनिया का अस्तित्व ही नहीं था। इस कारण जब आधुनिक मां स्क्रीन टाइम सीमित करने या इंटरनेट मॉनिटरिंग की बात करती है, तो उसे ज्यादा चिंता करने वाली मां कहा जाता है। इससे उसकी जिम्मेदारियां और मानसिक बोझ बढ़ जाता है।

बदलाव स्वीकार कर रही मां

महानगरों में मातृत्व का संघर्ष और भी जटिल हो गया है, क्योंकि वहां परिवार संरचनाएं बदल चुके हैं। सिंगल पेरेंटिंग, वर्किंग मदर्स, नाइट शिफ्ट, दूर-दराज के हॉस्टल ये सब परंपरागत मातृत्व के समीकरण को बदल देते हैं। फिर भी आधुनिक मां टूटती नहीं है। वह नए रास्ते बनाती है। उदाहरण के लिए कई मां अब बच्चों के लिए माइंडफुलनेस टेक्निक्स, इमोशनल इंटेलिजेंस वर्कशॉप, डिजिटल सेफ्टी ट्रेनिंग और को-लर्निंग स्पेस बना रही हैं। यह दिखाता है कि मां केवल बदलाव को स्वीकार नहीं कर रही, बल्कि उसे नेतृत्व दे रही है।

परिवर्तन समय की आवश्यकता भी

अंततः यही निष्कर्ष निकलता है कि मातृत्व का बदलता रूप जनरेशन गैप का नतीजा जरूर है, लेकिन यह परिवर्तन समय की आवश्यकता भी है। आज की मां परंपराओं को तोड़ नहीं रही, बल्कि उन्हें नए अर्थ दे रही है। वह बच्चों को संस्कार भी देती है और स्वतंत्रता भी। वह भावनाओं को भी महत्व देती है और विज्ञान को भी। वह डिजिटल दुनिया को स्वीकार भी करती है और उसके जोखिमों को समझकर सीमाएं भी बनाती है। वह परिवार को जोड़ती भी है और खुद को खोने नहीं देती। यही आधुनिक मातृत्व की सबसे बड़ी उपलब्धि है। संतुलन बनाए रखते हुए आगे बढ़ने की कला, जो आने वाली पीढ़ियों को अधिक जागरूक, संवेदनशील और सक्षम बनाएगी। आधुनिक मां केवल परिवार की रीढ़ नहीं, बल्कि समाज के भविष्य की दिशा तय करने वाली शक्ति है। यह शक्ति तभी पूर्णता पाती है, जब दो पीढ़ियां एक-दूसरे को सुनें, समझें और समय के साथ चलने दें।

विचारों का गहरा अंतर

मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियां भी आधुनिक मातृत्व को गहराई से प्रभावित कर रही हैं। आज का वातावरण पहले की तुलना में कहीं अधिक तनावपूर्ण, तेज और अस्थिर है। बच्चों में भावनात्मक उतार-चढ़ाव, चिड़चिड़ापन, सोशल मीडिया का दबाव, दोस्ती में असफलता या पढ़ाई में कमी, ये सभी आधुनिक मां को अत्यधिक प्रभावित करते हैं। वह हर स्थिति में बच्चे को बचाना चाहती है, लेकिन इसके लिए उसे भावनात्मक रूप से बहुत मजबूत रहना पड़ता है। पुरानी पीढ़ी अक्सर मानसिक स्वास्थ्य को फिजूल की चिंता या कमजोरी कहकर खारिज कर देती है, जबकि आधुनिक मां विज्ञान, मनोविज्ञान और आधुनिक शोध पर भरोसा करते हुए इन मुद्दों को गंभीरता से लेती है। यह विचारों का अंतर भी जनरेशन गैप को और गहरा करता है।

तुलना की संस्कृति

इन सबके बीच एक और चुनौती है तुलना की संस्कृति। सोशल मीडिया पर हर कोई अपने बच्चों की उपलब्धियां साझा करता है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक पर सुपर मॉम और परफेक्ट पेरेंटिंग की छवियां आधुनिक मातृत्व को मानसिक रूप से परेशान करती हैं। आधुनिक मां स्वयं से सवाल पूछने लगती है क्या मैं अपने बच्चे के लिए पर्याप्त कर रही हूं? क्या मैं अच्छी मां हूं? क्या मेरा बच्चा दूसरों की तुलना में पीछे नहीं रह जाएगा? इस निरंतर तुलना के खेल ने मातृत्व को भावनात्मक रूप से थका देने वाला बना दिया है, जबकि सच्चाई यह है कि हर मां की परिस्थितियां अलग होती हैं और मातृत्व को किसी भी मानक से नहीं आंका जा सकता।

समाज के संक्रमण काल का प्रतिबिंब

यदि आधुनिक मातृत्व की पूरी तस्वीर को ध्यान से देखें, तो यह केवल एक पेरेंटिंग बदलाव नहीं है, बल्कि पूरे समाज के संक्रमण काल का प्रतिबिंब है। जनरेशन गैप ने मां की भूमिका को चुनौती दी है, लेकिन साथ ही उसे पहले से ज्यादा महत्वपूर्ण, विवेकपूर्ण और संवेदनशील बनाया है। इस निष्कर्ष को मजबूत करने के लिए जरूरी है कि हम समाज और परिवार के वास्तविक रूपों को समझें। उदाहरण के लिए राजस्थान के चित्तौड़गढ़ की गीता, जिसने हाल ही में माना कि उसकी सबसे बड़ी चुनौती बच्चे की पढ़ाई नहीं, बल्कि यह समझाना है कि आज की शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है। उसका बेटा कोडिंग सीखना चाहता है, यूट्यूब पर एक्सपेरिमेंट देखना चाहता है और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेना चाहता है। पर दादा-दादी इस सोच को समय की बर्बादी मानते हैं। उनके लिए पढ़ाई का अर्थ वही है किताब, कॉपी, स्कूल और रटकर सीखना। पर कविता समझती है कि नया दौर नई प्रतिभाओं की मांग करता है।

पुरानी पीढ़ी का अनुभव भी जरूरी

यह भी सच है कि पुरानी पीढ़ी का अनुभव आज भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए जब बच्चा असफल होता है, तो पुरानी पीढ़ी का धैर्य, जीवन के मूल्यों की समझ, त्याग और संयम उसे संभालने में मदद कर सकता है। वहीं नई पीढ़ी का वैज्ञानिक दृष्टिकोण, खुले संवाद की संस्कृति और आधुनिक शिक्षा उसे आगे बढ़ने का आत्मविश्वास देती है। यदि दोनों पीढ़ियां एक-दूसरे को समझें और स्वीकारें, तो मातृत्व का यह संघर्ष ताकत में बदल सकता है। इन सब चुनौतियों के बावजूद एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि आधुनिक मां अधिक जागरूक, वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाली और संवाद प्रधान है। वह मानती है कि बच्चों को आदेश नहीं, बल्कि समझ, सहयोग और प्रोत्साहन की आवश्यकता है।

देखने का सबका अलग नजरिया

आज की मां, मां होने के साथ-साथ एक मार्गदर्शक, मित्र, प्रेरक और संरक्षक की भूमिका भी निभाती है। वह परंपराओं को त्यागती नहीं है, बल्कि उन्हें नए समय की जरूरतों के अनुसार ढालती है। यही आधुनिक मातृत्व की सबसे बड़ी ताकत है। इन सबके बीच आधुनिक मां की मानसिक स्थिरता और भावनात्मक सुरक्षा का विषय सबसे महत्वपूर्ण बनता जा रहा है। दुर्भाग्य यह है कि समाज अभी भी मातृत्व को केवल कर्तव्य के रूप में देखता है, व्यक्ति के रूप में नहीं। मां भी एक इंसान है, जिसे आराम, स्पेस, समझ, सहायता चाहिए और सबसे बढ़कर सम्मान और स्वीकार्यता चाहिए। जनरेशन गैप इसे और कठिन बना देता है, क्योंकि पुरानी पीढ़ी मातृत्व के भावनात्मक रूप को केवल कर्तव्य पालन के रूप में देखती थी, जबकि आज की मां इसे एक संबंध और भावनात्मक प्रक्रिया के रूप में देखती है।

नई पीढ़ी को मजबूत बनाएगा परिवर्तन

जनरेशन गैप को समाप्त नहीं किया जा सकता, लेकिन इसे समझा जा सकता है। नई माताओं का संघर्ष तभी कम होगा, जब पुरानी और नई पीढ़ी एक-दूसरे की भूमिका का सम्मान करें। परंपराएं महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे हमें जड़ से जोड़ती हैं। विज्ञान और आधुनिक सोच महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे हमें एक सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य देती है। अगर परिवार इन दोनों को संतुलित कर ले, तो मातृत्व न संघर्ष होगा, न बोझ, बल्कि सीख, प्रेम और विकास का सुंदर अनुभव बन जाएगा। अंततः आज का मातृत्व प्रश्न नहीं है कि कौनसी पीढ़ी सही है? बल्कि प्रश्न यह है कि हम सब मिलकर किस बच्चे को, किस समाज को और किस भविष्य को गढ़ना चाहते हैं? जनरेशन गैप बाधा नहीं है, वास्तविक बाधा है संवाद की कमी। यदि संवाद, समझ, सहयोग और सम्मान बढ़ जाए, तो मातृत्व आधुनिक समय का सबसे सुंदर परिवर्तन बन सकता है। यही इस विषय की सबसे बड़ी प्रासंगिकता है। मातृत्व बदल नहीं रहा, बल्कि निखर रहा है और यह परिवर्तन उसी समाज को मजबूत बनाएगा, जो आने वाली पीढ़ियों को भावनात्मक रूप से अधिक सक्षम, संवेदनशील और जागरूक बना सके।

सर्दियों में फ्लू और वायरल संक्रमण

सर्दी के मौसम में शरीर की प्रतिरोधक शक्ति थोड़ी कमजोर हो जाती है। इसी वजह से फ्लू, वायरल बुखार, खांसी-जुकाम जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। बंद कमरे, भीड़, धूप की कमी से संक्रमण तेजी से फैलता है। आयुर्वेद कहता है ठंड से कफ दोष बढ़ता है, जिससे शरीर की रक्षाप्रणाली धीमी पड़ जाती है। कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों में यह समस्या जल्दी हो जाती है। सर्दियों में होने वाले वायरल/फ्लू को आयुर्वेद में कफज ज्वर, वात-कफज विकार, प्रतिश्याय, कास और स्वरभंग के रूप में वर्णित किया गया है। यह रोग केवल एक संक्रमण नहीं होता, बल्कि दोषों का असंतुलन, अग्नि मंदता, ओज क्षय और पर्यावरणीय परिवर्तन का सम्मिलित परिणाम है।

सर्दियों में फ्लू और वायरल संक्रमण मुख्यतः ठंडी हवा के जरिए, खांसी-छींक की बूंदों से नमी वायरस को ज्यादा देर तक जिंदा रखती है और संक्रमित सतहों को छूने से फैलते हैं, इसलिए साफ-सफाई और सावधानी दोनों बहुत जरूरी है, खासकर बुजुर्ग, बच्चे और पहले से बीमार लोगों में सही रोकथाम से संक्रमण का खतरा काफी कम किया जा सकता है।

क्या हैं लक्षण

- बुखार और कंपकंपी।
- गले में खराश या जलन।
- नाक बंद या लगातार बहना।
- सिरदर्द और आंखों में भारीपन।
- शरीर में दर्द और थकान।
- भूख कम लगना या मितली।
- कई बार सूखी या बलगमी खांसी भी होती है।

घरेलू आयुर्वेदिक उपाय

- तुलसी, अदरक और काली मिर्च का काढ़ा दिन में दो बार लें।
- गिलोय रस या पाउडर एक कप गुनगुने पानी में मिलाकर पिएं।
- हल्दी वाला दूध रात में सोने से पहले लें।
- भाप (स्टीम) में नीलगिरी तेल की दो बूंदें डालें, इससे श्वसन नली खुलती है।
- आंवला या उसके रस का सेवन सुबह करें यह इम्यूनिटी बढ़ाता है।

इम्यूनिटी हर्ब्स

- तुलसी – वायरस को रोकने में प्रभावी।
- गिलोय – शरीर से विषैले तत्व निकालता है।
- आंवला – विटामिन-सी का श्रेष्ठ स्रोत।
- अश्वगंधा – ताकत और सहनशक्ति बढ़ाता है।
- हल्दी – सूजन और संक्रमण कम करती है।
- मुलेठी- गले के दर्द और खांसी में लाभदायक।

आहार और दिनचर्या

- सुबह-सुबह धूप लें या योग करें।
- खाने में सूप, मूंग दाल, अदरक, जीरा और काली मिर्च का उपयोग करें।
- घी की थोड़ी मात्रा रोज लें, यह ओज बढ़ाता है।
- ठंडी चीजें और जंक फूड से परहेज करें।
- रात को देर तक जागने से बचें।
- दिनभर थोड़ा-थोड़ा गुनगुना पानी पिएं।

सर्दियों में शरीर की सुरक्षा टिप्स

- बाहर जाते समय सिर, कान और पैर ढकें।
- बारिश या ठंडी हवा के बाद तुरंत कपड़े बदलें।
- दिन में एक बार गरम पानी से स्नान करें।
- सांस संबंधी रोग वाले लोग भाप अवश्य लें।
- घरों में प्राकृतिक वेंटिलेशन बनाए रखें।

बचाव के आयुर्वेदिक नुस्खे

- आंवला और गिलोय रस मिलाकर सुबह खाली पेट लें।
- हर दिन हल्दी वाला दूध पीने की आदत डालें।
- रात में तिल का तेल नाक में 2-2 बूंद डालें (नस्य क्रिया)।
- सर्दी-जुकाम के शुरुआती लक्षण दिखें तो नमक वाले गरारे करें।
- दिन में एक बार त्रिफला चूर्ण लें शरीर से आम दोष हटाता है।

सावधानियां

- बिना डॉक्टर सलाह के एंटीबायोटिक न लें।
- खाली पेट बाहर ठंडी हवा में न जाएं।
- किसी के साथ बर्तन, तौलिया या रूमाल साझा न करें।
- बहुत ज्यादा मीठा और डेयरी उत्पाद न लें।

आयुर्वेद के अनुसार कफ और वात दोष

सर्दियों के मौसम में फ्लू या वायरल में आम दोष (toxins) बढ़ जाते हैं, जिससे शरीर की ऊर्जा और अग्नि (पाचन शक्ति) स्वाभाविक रूप से घटती है, इसलिए इस समय रसायन चिकित्सा (रसायन थैरेपी) के माध्यम से रोग प्रतिरोधक शक्ति (इम्यूनिटी) को बढ़ाना सर्वोत्तम रहता है। संतुलित आहार, समय पर नींद, और हर्बल उपाय से यह रोग रोका जा सकता है। सर्दियों का मौसम आते ही वातावरण में ठंड बढ़ जाती है, हवा शुष्क हो जाती है और दिन का तापमान कम हो जाता है।

आयुर्वेद के अनुसार यह काल कफ और वात दोष के असंतुलन का समय होता है। ठंडी हवा और मौसम में बढ़ी हुई नमी श्वसन तंत्र पर सीधे प्रभाव डालती है, जिससे नाक, गला और फेफड़ों में कफ का संचय बढ़ने लगता है। इसी समय शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी थोड़ी कमजोर हो जाती है, क्योंकि शरीर की ऊष्मा भीतर की ओर चली जाती है और त्वचा की सतह पर सुरक्षा कम हो जाती है। इस स्थिति में यदि पाचन अग्नि कमजोर हो जाए, तो शरीर में अधपचा टॉक्सिन जमा होने लगता है, जो खून और ऊतकों में सूक्ष्म अवरोध पैदा करता है। यही अवरोध शरीर की प्राकृतिक प्रतिरक्षा को कमजोर करता है और सर्दियों में वायरल और फ्लू के संक्रमण तेजी से फैलने लगते हैं। यही कारण है कि इस मौसम में खांसी, जुकाम, गले में दर्द, बुखार, सिर दर्द और शरीर का दर्द सामान्य रूप से देखा जाता है। आहार भी उपचार जितना ही महत्वपूर्ण है। सर्दियों में वायरल और फ्लू से पीड़ित व्यक्ति को हल्का, सुपाच्य और गर्म भोजन लेना चाहिए। खिचड़ी, मूंग दाल, अदरक सूप, सब्जियों का क्लियर सूप, तिल और गुड़ शरीर को गर्म रखकर प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। देसी घी फेफड़ों को चिकनाई देता है और कफ को संतुलित करता है। इसके विपरीत दही, पनीर, ठंडी चीजें, फ्रिज का पानी, तली हुईं चीजें, ब्रेड और अत्यधिक मीठी वस्तुएं कफ बढ़ाकर रोग को अधिक गंभीर बना देती हैं। इसलिए इनसे पूरी तरह बचना चाहिए।

जीवनशैली में कुछ साधारण परिवर्तन भी वायरल और फ्लू को रोक सकते हैं। सुबह गुनगुना पानी पीना, 10-15 मिनट धूप लेना, हल्का व्यायाम या योग करना, गरम कपड़े पहनना, रात में हल्दी वाला दूध लेना और सोने से पहले पैरों में तिल के तेल की मालिश करना शरीर को गर्माहट देता है और प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। नाक, गला और छाती को ठंडी हवा से बचाना बेहद जरूरी है, क्योंकि ठंडी हवा कफ को जमा देती है और संक्रमण का खतरा बढ़ा देती है।

वायरल ठीक होने के बाद भी कई दिनों तक कमजोरी बनी रहती है, जिसे आयुर्वेद में धातुक्षय कहा गया है। इस अवस्था में शतावरी, अश्वगंधा, देसी घी, दूध, गर्म सूप और मूंग दाल का सेवन शरीर की ऊर्जा को पुनः स्थापित करता है। यह पोषण धातुओं को मजबूत बनाता है और शरीर की खोई हुई शक्ति जल्दी वापस लाता है।

नजरअंदाज न करें थकान या नींद की कमी को

याद रखें यह बात फ्लू और वायरल से बचाव का सबसे अच्छा तरीका है, इम्यूनिटी मजबूत रखना। आयुर्वेद सिखाता है कि रोकथाम, शरीर की गर्मी और सही पाचन ही सबसे बड़ा इलाज है। प्राकृतिक हर्ब्स, गरम पेय और संतुलित दिनचर्या से सर्दी के संक्रमण से बचा जा सकता है। अंत में यदि वायरल 4-5 दिनों से अधिक बना रहे, तेज बुखार 102 डिग्री F से ऊपर हो, सांस लेने में कठिनाई हो, खांसी 15 दिनों से अधिक चले, बलगम हरा या दुर्गंधयुक्त हो या रोगी बहुत कमजोर महसूस करे, तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करना आवश्यक है। बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों में थोड़े लक्षण भी गंभीर हो सकते हैं, इसलिए उन्हें विशेष देखभाल और चिकित्सकीय मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता कार्यक्रम और स्कूल/कॉलेजों में स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी वार्ताएं आयोजित करता है, जिनमें सर्दियों में फ्लू से बचाव, प्राकृतिक उपचार, योग एवं प्राणायाम का महत्व और प्रतिरक्षा बढ़ाने के तरीकों पर मार्गदर्शन दिया जाता है। अस्पताल की ओपीडी में बढ़ते मरीजों को ध्यान में रखते हुए इस मौसम में अतिरिक्त परामर्श, दवाइयों और काढ़ों की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है।

संस्थान के पंचकर्म विभाग की विशेषज्ञ टीम वायरल संक्रमण के बाद रह जाने वाली कमजोरी, शरीर में दर्द, सांस लेने में तकलीफ, बार-बार होने वाले जुकाम और इम्युनिटी की कमी जैसी समस्याओं के लिए विशेष उपचार प्रदान करती है। योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विभाग भी इस मौसम में रोगियों को श्वसन क्षमता बढ़ाने, फेफड़ों को साफ करने और मानसिक तनाव कम करने हेतु विशेष प्राणायाम, ध्यान और आसन विधियां सिखाता है। स्वस्थ रहें, गरम रहें और हर दिन प्रकृति के नियमों के साथ चलें।

सर्दियों का सुपरफूड

सेहत और ताकत का खजाना गोंद

गोंद का पौधा एक उत्सर्जी पदार्थ है, जो कोशिका भित्ति के सेल्यूलोज के अपघटन से बनता है। सूखी अवस्था में यह रवा के रूप में पाया जाता है, लेकिन पानी में डालने पर यह फूलकर चिपचिपा बन जाता है। इसका उपयोग कागज आदि पदार्थों को चिपकाने में किया जाता है तथा यह हमारी सेहत के लिए भी बहुत लाभदायक होता है। Acacia senegal से हमें सबसे अच्छा गोंद प्राप्त होता है। बबूल, आम और नीम आदि पौधों से भी गोंद निकलता है, जिसका उपयोग दवा बनाने और विभिन्न उद्योग-धंधों में किया जाता है। सर्दियों में गोंद खाने से शरीर गर्म रहता है। गोंद से हड्डियां मजबूत होती हैं और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा कम होता है। इसलिए डाइट में गोंद जरूर शामिल करना चाहिए। गोंद खाने से शरीर को कई फायदे मिलते हैं।

अनामिका शुक्ला
लेखिका

सर्दियों में गोंद के लड्डू, पंजीरी और चिक्की लोग खूब खाते हैं। गोंद स्वादिष्ट होता है और इससे शरीर को ढेर सारे लाभ मिलते हैं। बबूल का गोंद खाने में सबसे अधिक उपयोग होता है। आयुर्वेद में भी कई दवाओं में गोंद का उपयोग किया जाता है। दवाओं की बाइंडिंग में भी गोंद सहायक होता है। पेड़ के तने से जब रस निकलकर सूख जाता है, तभी गोंद बनता है। सूखने पर यह भूरा और काफी कठोर हो जाता है। जिस पेड़ का गोंद खाया जाता है, उसके औषधीय गुण भी उसमें शामिल हो जाते हैं। ठंड के मौसम में गोंद का सेवन अवश्य करना चाहिए।

गोंद के प्रकार

- कीकर या बबूल का गोंदः- सबसे अधिक उपयोग किया जाने वाला गोंद। यह पौष्टिक होता है और लड्डू व पंजीरी बनाने में उपयुक्त माना जाता है।
- नीम का गोंदः- नीम का गोंद खून की गति बढ़ाता है और शरीर में स्फूर्ति लाता है। कई औषधियों में इसका प्रयोग किया जाता है।
- पलाश का गोंदः- हड्डियां मजबूत बनाने में उपयोगी। 1 से 3 ग्राम पलाश का गोंद मिश्री वाले दूध या आंवले के रस के साथ लेने से बल और वीर्य की वृद्धि होती है।

गोंद खाने के फायदे

- सुबह गोंद और आटे से बने लड्डू के साथ दूध पीने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।
- गोंद से बनी चीजें हार्ट डिजीज के खतरे को कम करती हैं और मांसपेशियां मजबूत बनाती हैं।
- प्रसव के बाद महिलाओं को गोंद के लड्डू और पंजीरी खिलाई जाती है, जिससे दूध ज्यादा बनता है।
- गर्भवती महिलाओं के लिए गोंद लाभकारी माना जाता है। इससे रीढ़ की हड्डी मजबूत होती है।
- गोंद खाने से शरीर में ताकत आती है और सर्दियों में गर्माहट मिलती है।
- गोंद कतीरा में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो भूख कम करके वजन घटाने में सहायक है।
- गोंद कतीरा प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर सर्दी-जुकाम में राहत देता है।

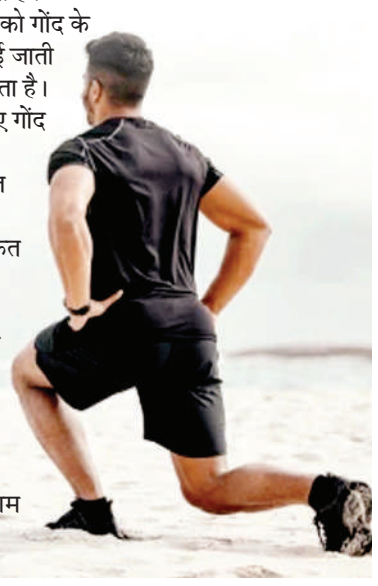

कैसे करें सेवन

- गोंद को आटे की पंजीरी में मिलाकर खाएं। भुना आटा, मखाने, सूखे मेवे और चीनी को भुने हुए गोंद के साथ मिलाकर पंजीरी बनाई जा सकती है।
- नारियल पाउडर, सूखे खजूर, खसखस, बादाम और गोंद को घी में भूनकर लड्डू बनाएं।
- सर्दियों में गोंद की चिक्की भी बहुत फायदेमंद होती है।
- गोंद के लड्डू सर्दियों में स्वादिष्ट और ताकतनुमा होते हैं। इन्हें आटे या किसी अन्य लड्डू में मिलाया जा सकता है।
- गोंद को घी में भूनकर फुला लें, फिर इसमें गर्म पानी और पिसी मिश्री मिलाकर पेजी बनाकर पीने से शारीरिक कमजोरी दूर होती है।
- ध्यान रखें कि गोंद भूनते समय यह जले नहीं और कच्चा भी न रहे। हमेशा धीमी आंच पर ही गोंद भूनें।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य को लिए हुए है। आपके मन में किसी चीज की असफलता को लेकर नकारात्मकता के विचार पनप रहे थे तो इस सप्ताह के पूर्वार्ध में दूर होते नजर आएंगे। आपके भीतर आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप पूरे मनोयोग से अपने कार्यों को अंजाम देंगे।

वृष
यह सप्ताह मिश्रित फलदायी रहने वाला है। आपको कोई भी कार्य बहुत सोच-समझकर करने की आवश्यकता रहेगी। किसी भी कार्य को जल्दबाजी अथवा असमंजस की स्थिति में करने की भूल न करें अन्यथा आपको बड़ा नुकसान झेलना पड़ सकता है।

मिथुन
इस सप्ताह आपको कोई बहुप्रतीक्षित समाचार मिल सकता है, जिससे घर में खुशियों का माहौल बना रहेगा। रोजी-रोजगार की दिशा में प्रयासरत लोगों की मनोकामना पूरी हो सकती है। बीते कुछ समय से जिन समस्याओं को लेकर आप चिंतित चल रहे थे, उनका समाधान निकलता हुआ नजर आएगा।

कर्क
इस सप्ताह आपको अपने कार्यक्षेत्र में अधिक परिश्रम और प्रयास करने की आवश्यकता बनी रहेगी। आपके जीवन में काफी आपाधापी बनी रहेगी। कामकाज के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा संभव है। यात्रा थकान भरी तथा उम्मीद से कुछ कम फलदायी साबित होगी।

सिंह
इस सप्ताह आपको मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। सप्ताह के पूर्वार्ध में कुछ कार्यों को पूरा करने के लिए आपको थोड़ा-बहुत संघर्ष करना पड़ सकता है लेकिन उसमें सफलता अवश्य मिलेगी। इस सप्ताह आप सकारात्मक विचार को बनाए रखें और अपने मन में भूलकर भी हीन भावना न लाएं।

कन्या
यह सप्ताह अत्यंत शुभ और मनचाही कामयाबी देने वाला साबित होगा। सप्ताह की शुरुआत से आपको अपने कार्य में सफलता और कारोबार में लाभ मिलता हुआ नजर आएगा। आप अपनी सुख-सुविधा से जुड़ी किसी महंगी चीज का क्रय कर सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को सप्ताह की शुरुआत में लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है।

तुला
इस सप्ताह काफी आपाधापी बनी रहेगी। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से बड़ी जिम्मेदारी का बोझ आ सकता है। जिसे निभाने के लिए आपको अधिक परिश्रम और प्रयास की आवश्यकता रहेगी। संघर्ष के बाद ही सफलता मिलने के योग बनेंगे।

वृश्चिक
यह सप्ताह मिश्रित फलदायी रहने वाला है। आपको पास के फायदे में दूर का नुकसान करने से बचने की जरूरत रहेगी। भूलकर भी किसी काम में शार्टकट न अपनाएं और न ही नियम-कानून का उल्लंघन करें अन्यथा आपको आर्थिक और मानसिक परेशानियां झेलनी पड़ सकती है।

धनु
यह सप्ताह काफी भागदौड़ वाला रहने वाला है। आपके सिर पर जिम्मेदारियों का बोझ बना रहेगा। जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक परिश्रम और प्रयास करने पड़ेंगे। नौकरीपेशा लोगों को कामकाज के सिलसिले में लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। यात्रा थकानभरी तथा उम्मीद से कुछ कम फलदायी रहेगी।

मकर
यह सप्ताह अनुकूल और फलदायक साबित होने जा रहा है। आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होते हुए नजर आएंगे। जिसके कारण आपके भीतर एक अलग ही उत्साह और ऊर्जा बनी रहेगी। आपके कामकाज में छोटी-मोटी दिक्कतें आ सकती हैं, लेकिन आप उसे अपनी बुद्धि और विवेक से दूर करते हुए अपने कार्यों में मनचाही सफलता प्राप्त करेंगे।

कुंभ
इस सप्ताह अधिक भागदौड़ करने के बावजूद कामकाज में मनचाही सफलता न मिल पाने के कारण मन में असंतोष की स्थिति बनी रहेगी। छात्र वर्ग के मन में परीक्षा-प्रतियोगिता आदि को लेकर चिंता बनी रहेगी। परिवार के किसी बुजुर्ग सदस्य की खराब सेहत को लेकर मन चिंतित रहेगा।

मीन
यह सप्ताह अपने भीतर क्रोध और अभिमान को आने से बचाना होगा अन्यथा आपके बने बनाए काम भी बिगड़ सकते हैं। घर और बाहर अनावश्यक तर्क-वितर्क करने पर आपको खासा नुकसान उठाना पड़ सकता है, यदि पैतृक संपत्ति को लेकर आपका स्वजनों के साथ कोई विवाद चल रहा है तो कोर्ट कचहरी जाने की बजाए आपसी सहमति से सुलझाना बेहतर रहेगा।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 36

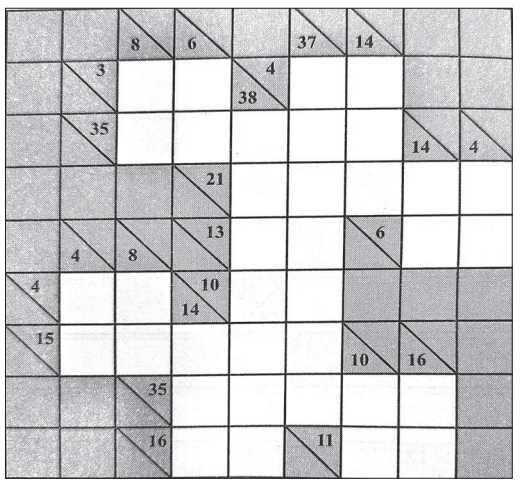

काकुरो 35 का हल

			4	25		10	38		
	22	3 36	1	2	16	7	9		
24	5	7	3	9	6 16	1	5	39	32
11	2	9	35 37	5	7	2	8	9	4
34	4	6	7	8	9	20 15	7	5	8
11	3	2	5	1	18 14	1	6	8	3
24	7	8	9	15 7	5	2	3	4	1
25	1	4	6	2	9	3	13 17	6	7
		12	8	4	29	5	8	7	9
		3	2	1	13	4	9		

कहानी

बाबा जी की दाढ़ी

वाराणसी से विद्यार्जन कर ब्रह्मानंद जब अपने पैतृक गांव अनंतपुर लौटे तो कुछ ही दिनों में उनके ज्ञान और सदाचरण की प्रशंसा होने लगी। उनकी ख्याति सुनकर आचार्य देवव्रत ने अपनी कन्या सुलक्षणा से उनका विवाह कर दिया। सुलक्षणा नाम से ही नहीं, गुणों से भी सुलक्षणा ही थी। उनके साथ ब्रह्मानंद आनंद पूर्वकगृहस्थ जीवन व्यतीत करने लगे। कहते हैं कि सभी सुख भगवान सबको नहीं देता। ब्रह्मानंद और सुलक्षणा जैसे धर्म परायण दंपति को भी संतान न होने का दुख दिनों-दिन तीव्रतर होता गया। एक दिन सुलक्षणा ने भगवान की मूर्ति के समक्ष घोषणा कर दी कि जब तक मेरी संतान मेरा स्तनपान नहीं करेगी, मैं दूध, दही या घी की एक बूंद भी अपने कंठ से नीचे नहीं उतारूंगी। ब्रह्मानंद ने यह सुना तो उन्होंने हाथ में जल से भरा पात्र लेकर कहा- "मैं प्रण लेता हूं कि जब तक मेरा पौत्र मेरी दाढ़ी नहीं नोचेगा, तब तक मैं अपनी दाढ़ी के केश नहीं कटवाऊंगा।" ईश्वर के खेल भी निराले होते हैं। सुलक्षणा के प्रण लेने के एक वर्ष बाद ही उनके पैर भारी हो गए और गर्भ का समय पूर्ण होने पर उन्होंने एक स्वस्थ सुंदर पुत्र को जन्म दिया। अब उनका घर खुशियों से भर गया था।

डॉ. मृदुल शर्मा
वरिष्ठ लेखक

ब्रह्मानंद पुत्र प्राप्त होने की खुशी में एक गाय खरीद लाए और अपनी पत्नी से बोले- "लो भाग्यवान! अब तुम खूब दूध-दही खाओ और बालक प्रणव को भी खिलाओ।" उनकी बात सुनकर सुलक्षणा बोली- "भगवान ने जैसे मेरी विनती सुन ली, उसी प्रकार तुम्हारी विनती भी सुन लेंगे, लेकिन तुम्हारी दाढ़ी नोचने वाले को आने में अभी काफी समय लगेगा।" यह सुनकर ब्रह्मानंद ने जोर का ठहाका लगाया। फिर बोले-"जब जब दाढ़ी पर हाथ लगाता हूं एक सुंदर, चंचल,अबोध शिशु का हंसता हुआ मुखड़ा मानस पटल पर कौंध जाता है।"

समय का पहिया अपनी गति से आगे बढ़ रहा था और प्रणव अपनी कुशाग्र बुद्धि और ज्ञान पिपासा से यह कहावत सिद्ध कर रहा था- "कटोरे पर कटोरा। बेटा बाप से भी गोरा।" अर्थात वह प्रतिभा, ज्ञानार्जन की ललक और आचार-विचार में अपने पिता ब्रह्मानंद से आगे ही था, जिसे महसूस करते हुए ब्रह्मानंद और सुलक्षणा फूले नहीं समाते थे। प्रणव ने हाईस्कूल की परीक्षा में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर इतिहास रच दिया और राष्ट्रीय छात्रवृति के रूप मे प्रति माह मिलने वाली धनराशि से अपनी पढ़ाई का खर्च चलाते हुए आईआईटी, रुड़की से एमटेक की परीक्षा तक सर्वोच्च अंक अर्जित करता रहा।

इस बीच उसको अपनी सहपाठी मित्र दीप्ति से प्यार हो गया। संयोग से प्रणव और दीप्ति को एक ही मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी मिल गई और उनका प्यार गहराता चला गया। दीप्ति हिंदू समाज में तथाकथित पिछड़ी जाति में उत्पन्न हुई थी। प्रणव को भय था कि उसके पिता विजातीय लड़की से विवाह हेतु अपनी सहमति नहीं देंगे, किंतु वह दीप्ति को खोना सहन नहीं कर सकता था। अतः प्रणव ने एक दिन दीप्ति से बताया कि उसके पिता बहुत विद्वान और मानवता वादी हैं, किंतु जाति-पाति को मानने वाले पुरातनपंथी व्यक्ति हैं। अतः वह हम दोनों के विवाह हेतु सहमत नहीं होंगे।

फिर? "मैं सोचता हूं कि यदि हम लोग मंदिर में चलकर विवाह कर लें और विवाह का पंजीकरण करा लें फिर उन्हें इसकी सूचना दें, तो शायद थोड़ा क्रोध करने के बाद मुझे क्षमा कर दें।" "और यदि न क्षमा किया तो..." "अम्मा जी अगर दया कर के हमारे पक्ष में आ गईं, तो वह येन केन प्रकारेण पिता जी को मना ही लेंगी।"- प्रणव ने पूरे विश्वास से कहा और फिर वे दोनों विवाह सूत्र में बंध गए।

पति-पत्नी के रूप में जब वे दोनों अनंतपुर पहुंचे और ब्रह्मानंद को विवाह की बात मालूम हुई, तो उन्होंने बिना एक क्षण गंवाए उन दोनों को अपने घर से निकाल दिया और कहा- "आज से मेरा और तुम्हारा कोई संबंध नहीं रहा। मुझे अब कभी अपना मुंह मत दिखाना और मेरे मृत शरीर का भी स्पर्श मत करना।"

जब प्रणव और दीप्ति की क्षमा याचना का भी उन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा और सुलक्षणा भी भयवश मौन ही रहीं, तो विवश होकर वे दोनों दुखी मन से वापस अपने कार्य स्थल पर लौट गए। दीप्ति यह सोचकर बहुत दुखी रहती कि मेरे कारण ही प्रणव को अपने माता-पिता से अलग होना पड़ा। वह सदैव प्रणव को खुश रखने का प्रयास करती। प्रणव धार्मिक प्रवृत्ति का युवक था। वह हर वर्ष माघ के महीने में गंगा किनारे कल्पवास कर रहे भक्तों के भोजन हेतु स्वामी भक्त वत्सल के आश्रम में एक लाख रुपए दान देता था तथा स्वयं भी अपनी पत्नी और पुत्र के साथ दो-चार दिन आश्रम में रह कर भंडारे में सेवा करता था। इस बार जब वह अपनी पत्नी और पुत्र के साथ प्रयागराज पहुंचा, तो देखा व्यास गद्दी पर बैठे उसके पिता श्रीमद् भागवत सुना रहे हैं। उन्हें देखकर वे लोग पीछे ही श्रोताओं के बीच जाकर बैठ गए। कथा समाप्त होने पर जब ब्रह्मानंद कुटी में चले गए तो प्रणव स्वामी भक्त वत्सल के पास गया और उन्हें रुपए देते हुए बोला-" "स्वामी जी! मैं आश्रम में न रुक कर अंयत्र रहूंगा तथा आप से मिल नहीं सकूंगा।"

क्यों भाई? मेरे पिता पं. ब्रह्मानंद ने मेरे द्वारा विजातीय लड़की से विवाह कर लिए जाने के कारण हम दोनों का परित्याग कर दिया है। वह हमें यहां देखकर क्रोधित होंगे और शायद दुखी भी होंगे।" "अच्छा! तुम मेरे अभिन्न मित्र ब्रह्मानंद के पुत्र हो।" फिर कुछ सोच कर बोले-"इस बालक का परित्याग तो नहीं किया है। तुम लोग यहीं रुको। मैं जब बुलाऊंगा तो अंदर आ जाना।" यह कहकर वह बालक देवाशीष को लेकर अंदर चले गए। फिर ब्रह्मानंद के समक्ष बालक को ले जाकर बोले- "बेटा! बाबा के चरण स्पर्श करो।"

यह सुनकर बालक ने ब्रह्मानंद के चरणों में अपना सिर रख दिया। उसके ऐसा करते ही ब्रह्मानंद ने बालक को गोद में उठा लिया और आशीर्वाद की झड़ी लगा दी। बालक ने कौतूहल से ब्रह्मानंद की दाढ़ी पकड़ कर कहा- "सब बाबाजी लोग की दाढ़ी छफेद होती है क्या?" यह सुनकर ब्रह्मानंद और भक्त वत्सल खिलखिला कर हंस पड़े। ब्रह्मानंद ने पूछा- "यह भाग्यवान बालक किसका पुत्र है?" यह उन्हीं युवा दानवीर दंपति की संतान है, जो कई वर्षों से माघ के महीने में भंडारे की व्यवस्था कर रहे हैं। मिलोगे उनसे?" "क्यों नहीं। ऐसे पुण्यात्मा लोगों से मिलना तो सौभाग्य की बात है।" ब्रह्मानंद ने हंस कर कहा। भक्त वत्सल यह सुनकर वहीं से चिल्लाए- "इंजीनियर साहब आप बहू जी के साथ अंदर आ जाइए।" प्रणव और दीप्ति डरते हुए अंदर घुसे और ब्रह्मानंद के चरणों में झुक गए।

अपने पुत्र और पुत्रवधू को देख कर ब्रह्मानंद की मुख मुद्रा कठोर हो गई। जिसे देख भक्त वत्सल ने प्रणव को बाहर जाने का संकेत किया और ब्रह्मानंद से बोले- "वैसे तो किसी व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति के पारिवारिक मसले में बोलने का हक नहीं है, किंतु तुम मेरे गुरु भाई हो और बनारस में विद्यार्जन करते हुए हमारे बीच गहरी आत्मीयता हो गई है, अतः मैं यह अवश्य कहूंगा कि मात्र विजातीय होने के कारण ऐसी सुशील, धर्मपरायण और सुशिक्षित युवती को बहू के रूप में स्वीकार न करना बुद्धिमानी नहीं है। जिस प्रकार पानी का कोई रंग नहीं होता, उसी प्रकार पितृ सत्तात्मक समाज में स्त्री की कोई जाति नहीं होती। जैसे जल जिसके साथ मिलता है, उसका रंग ग्रहण कर लेता है, वैसे ही स्त्री भी अपने पति का कुल-गोत्र ग्रहण करने की अधिकारिणी है। जब तुम्हारे पुत्र ने उसे पत्नी रूप में स्वीकार कर लिया, तो वह तुम्हारे कुल-गोत्र में समाहित हो गई। तुम तो स्वयं प्रकांड विद्वान हो, तुम्हें और क्या कहूं। चुपचाप पौत्र को ले जाकर भाभी की गोद में डाल दो और वृद्धावस्था में पौत्र से अपनी छफेद दाढ़ी नुचवाते हुए सुख पूर्वक शेष जीवन व्यतीत करो।" पौत्र का मुंह देखने की ब्रह्मानंद की वर्षों पुरानी लालसा आज पूरी हुई थी। अतः वह अधिक समय तक अपने हृदय में कठोरता को सहेजकर नहीं रख सके और पौत्र का मुंह चूम लिया। उनके नेत्रों से आनंद की दो बूंदें निकलकर दाढ़ी में अटक गईं। उन्होंने दाढ़ी पर हाथ फेरते हुए कहा - "इसका समय पूर्ण हो गया है। जा, नाई को बुला ला। यह सुनकर प्रणव और दीप्ति के चेहरे शतदल की भांति खिल उठे।

कविता/गीत

मजहब नहीं सिखाता

कुछ पल सुकून से गुजारे
आओ कोई शहर ऐसा तलाशे
एक ऐतिहासिक इमारत के
साथ खुद को कैमरे में उतारे,
बस यही सोच कर कैमरा
ऑन किया
जिन यादों को हमने समेटना
चाहा वो एक धमाके से चीथड़े
में बिखर गई।

जान बचाने वाले जान लेने में
उतर आए हैं
आतंक का नकाब सफेद कोट
में इतराए हैं
कभी चोटिल पत्थर, देखी है
रक्त रंजित गोलियां, स्तब्ध है
अश्रु खामोश हैं गालियां।

मजहब नहीं सिखाता आपस
में बैर रखना, किस धर्म की
है तालीम यूं निर्दोषों पर वार
करना,
खामोश न समझो भारत को,
सिंदूर को भी बारूद बना
देते हैं,
तुम जितनी चूड़ी तोड़ोगे हम
उतनी तलवार उठाएंगे,
धर्म की आड़ में छुपे अधर्मियों
को सठे शठ्यम समाचरते का
पाठ भी पढ़ाएंगे।

ज्योत्सना गुप्ता
कानपुर

सूरज गढ़ना है

चेहरों में जो छिपा हुआ है
पढ़ना है।
सबसे पहले तो खुद से ही,
लड़ना है।

कई रास्ते आगे जाकर,
बंद हुए।
दुखों में ढाला तो जीवन के,
छंद हुए।
पगडंडी भी आहत है,
पर बढ़ना है।

मजबूरी में हंसना भी
मजबूरी है।
कह देने पर भी यह
कथा अधूरी है।
नजरों में कुछ की यह
जीवन गणना है।
हर मौसम में जो खुद को
हैं ढाल रहे।
टोपी औरों की हैं आज
उछाल रहे।
रातों में ही सुबह का
सूरज गढ़ना है।

पंकज मिश्र 'अटल'
गीतकार

भूली-बिसरी यादें

भूली-बिसरी यादों के उस
आंगन की, एक कहानी आज
सुनाऊं बचपन की।

कच्ची इमली,कैरी-कचरी-
निम्बोली, खट्टे-मीठे अनुभव
वाली हमजोली।
खेतों से खलिहानों तक दौड़े-
भागे, भैया-दीदी पीछे, हम
आगे-आगे।
पोखर के उस पार पहाड़ी पर
चढ़कर, बेर-करौंदे तोड़े आगे
बढ़-बढ़कर।
कोयल अब भी याद करें, उस
गुलशन की, एक कहानी आज
सुनाऊं बचपन की।।
रोज पिताजी अपने पास
बिठाते थे, गिनती और पहाड़े
सब रटवाते थे।
जोड़-गुना-बाकी सब तख्ती
पर लिखना, गुरुवर की पतली
डंडी से फिर पिटना।
पढ़ने-लिखने का ही काम
नहीं भाया, बाकी तो बचपन
खिल-खिलकर हर्षाया।
पीड़ादायक पाठन-वाचन-
लेखन की, एक कहानी आज
सुनाऊं बचपन की।।

अम्मा के हाथों का स्वाद
निराला था, कितने लाढ़-प्यार
से हमको पाला था।
हलवा-पूरी-लड्डू खूब बनाती
थीं, शादी-त्योहारों पर कितना
गाती थीं।
पढ़ने-लिखने का भी शौक
बहुत भारी, अम्मा पर ही थी
घर की जिम्मेदारी।
चन्द्रकला-सी सुंदर मां के
जीवन की, एक कहानी आज
सुनाऊं बचपन की।।

डॉ. सीमा विजयवर्गीय
स्वतंत्र लेखिका

लघुकथा

छोटी खुशी

रिंकू वर्षों से अपने पिता की कड़ी मेहनत को देखते हुए बड़ा हुआ है। रोजाना ऑफिस खुलने से घंटों पहले वहां जाकर उसके पिता महंगू झाड़ू-पोछा व टॉयलेट की सफाई करते थे। जब ऑफिस वाले सभी लोग आ जाते, तो वह बड़े अधिकारी के घर काम करने चला जाता था। विभाग में सफाई का काम संविदाकर्मी से ही कराया जाता रहा है। अधिकारी वर्ग एक कर्मचारी से कइयों का काम करवा लेने में माहिर हैं ही। वह सभी महंगू को दम नहीं लेने देते। और महंगू! इसे अपनी नियति मानकर चुपचाप सब करता जाता।

चार रोज पहले की बात है। महंगू काम पर कुछ देर से आया। ऑफिस इंचार्ज जगमोहन साहब ने उसके आधे दिन का मेहनताना काट लिया। पहले भी ऐसा होता रहा है। आज सुबह वह बुखार से तप रहे किशोरवय रिंकू को दवा दिलाकर ऑफिस जा सका था। रिंकू अभी साथ में ही था। उसकी परेशानी सुने बिना ही जगमोहन बाबू ने यह फरमान सुनाया, कुछ बोलने पर जोर की डांट भी लगा दी। रिंकू का मन कटकर रह गया था।

आज सुबह हुई थी कि जगमोहन साहब अपनी कार में नाइट सूट पहने हुए ही महंगू को ढूंढते उसके घर पर आकर पहुंचे। "महंगू भाई! अर्जेंट काम है तुरंत चलो यार!" सुर में अफसरी की जगह मजबूरी फूट पड़ रही थी। "हम गरीबों से क्या काम आन पड़ा हुजूर" अब साहब ने अपने घर का सब हाल बताया कि कैसे सीवर का पानी उनके घर में भर रहा है। मल-मूत्र युक्त पानी घुसने से घर नरक बन चुका है। महंगू उनके साथ तुरंत चल पड़ा। वहां पहुंचकर काम में लग गया। पीढ़ियों से गंदगी साफ करने के संचित अनुभव से उसने शीघ्र ही समस्या दूर कर दी। संभवतः पहली बार जगमोहन बाबू को उसके काम का महत्व पता चला था। साहब की पत्नी ने बख्शीश में कुछ रुपये दिए। बख्शीश के रुपयों से दूध की थैली और चीनी खरीदकर महंगू खुशी-खुशी अपने घर पहुंचा और वहां सब हाल बताने लगा। "किसी शरारती ने जगमोहन साहब के सीवर के पाइप के जोड़ को खोलकर उसमें पन्नियां ठूस दी थी। बड़ी मुश्किल से वह उन्हें निकालकर लाइन चालू कर सका था।" महंगू की नजर बचाकर रिंकू अर्थपूर्ण ढंग से हंस रहा था...।

अतुल मिश्र
डिप्टी मैनेजर (इफको)

कुछ अलग

आतुरता

पैसे कमाना अच्छी बात है। कमाने का तरीका गलत और उत्तेजनापूर्ण न हो। लोग ज्यादातर हड़बड़ी में गड़बड़ी कर बैठते हैं। कारण सबको पीछे छोड़ना है। ज्यादा रफ्तार में चलने वाली गाड़ी का पलटना नब्बे फीसदी संशयात्मक होता है। कुछ लोग निन्यानवे पैसे कमा लेने पर भी एक पैसे कमाने के लिए पूरा जीवन निर्वाह कर देते हैं। थोड़ा और थोड़ा और के चक्कर में लालची बन जाते हैं। उनका सौ पैसा कभी पूरा नहीं होता है। कुछ इनमें से बहुत दूर चले जाते हैं, मंज़िल को पा भी लेते हैं, तो वहीं कोई भरभरा कर नीचे भी गिर जाते हैं। कहते हैं कोई भी काम जब सहजता, निपुणता और ईमानदारी से किया जाए, तो व्यक्ति लुढ़ककर भी नब्बे फीसदी बच सकता है।

रानी प्रियंका वल्लरी
लेखिका

हर व्यक्ति को पता हैं साथ कुछ नहीं जाएगा, लेकिन दिन-रात कड़ी मेहनत करते हैं। धन के पीछे अंधाधुंध दौड़ लगा रहे हैं। सबको छोड़कर आगे जाना हैं। क्या कभी आपने जानवरों को इतना बेचैन देखा है? नहीं। उसके साथ सब स्वभाविक होता है। मनुष्य के साथ यह नहीं होता। उसे घर परिवार सब छोड़ सात समुद्र पार भी जाना पड़ता है। क्या यही आजीविका कमाने का तरीका है या लालच के कारण? धन तो सीमित ही है। इच्छाएं अनंत हैं। धन घटता-बढ़ता रहते हैं। धन असीमित होने पर बंगला-गाड़ी की लाइन लग जाती है। सीमित होने पर सुख-सुविधाएं में कमी पड़ जाती है। मन को स्थिर रखना बेहद जरूरी होता है। कई बार धन लोग चोरी कर लेते हैं या कहीं नुकसान हो जाता है, तो हमें क्या क्रोध में आकर दूसरे पर अपनी ऊर्जा व्यय करना चाहिए। हमें अपने मन को शांति और धैर्य के मध्यस्थता बनाए रखना चाहिए। अपार धन कभी सुगम और सहज तरीकों से नहीं कमाए जाते है। नौकरी और व्यापार करके धन कमा लेना बड़ी बात नहीं है। उसे एकत्रित करने के लिए सही बुद्धि का होना भी जरूरी है। जीवन को सार्थक बनाए रहना भी एक धन ही है, जहां आपके नाम का सम्मान बनाए रखता है। इसको बनाए रखने के लिए आपको संघर्ष तो करना पड़ेगा। ध्यान रखना यहां अतिशय हैं। कुछ विशेष करने के चक्कर में आप भूत-वर्तमान का ख्याल जरूर रखिए। नहीं तो भविष्य आपका निर्जन रहेगा।

समीक्षा

खूबसूरत कहानियां

भारतीय सामाजिक परिदृश्य को, उसकी तमाम विसंगतियों को प्रभावशाली कथ्य के माध्यम से अपने विवेचनात्मक ट्रीटमेंट के द्वारा जिस तरह कहानीकार कल्पना मनोरमा ने इन बारह कहानियों का सृजन किया वह इस संग्रह 'एक दिन का सफर' को महत्वपूर्ण बनाता है।

'कितनी कैदें' मुख्य रूप से दो बहनों की भावनाओं को दर्शाती है। एक-एक बात को रचनाकार ने जिस बारीकी से कलमबद्ध किया उससे स्पष्ट हो जाता है कि कथ्य को भीतर से जीकर इस रचना को जन्म दिया गया है। 'गुनिता की गुड़िया' चार पीढ़ियों के सोच में आने वाले उत्तरोत्तर बदलाव पर आधारित है। बेटियों के लिए सपने देखना और टैलेंटेड होना कितना जरूरी है इस बात पर विशेष जोर दिया गया है।

पुस्तक : एक दिन का सफर
लेखक : कल्पना मनोरमा
प्रकाशक : अनन्य प्रकाशन, दिल्ली
वर्ष : 2025
समीक्षक : श्याम सुंदर चौधरी, कानपुर

शीर्षक कहानी 'एक दिन का सफर' आज के समाज और मनुष्य के चरित्र का बेहतरीन विश्लेषण करती है। बहुत सरल और सहज भाषा शैली में लिखी हुई कहानी में गजब की पठनीयता है। 'आखिरी मोड़' रिश्तों के स्याह-सफेद पक्ष को उजागर करती एक बहुत सुंदर रचना है। 'नमक भर कुछ और' अपने ड्रामेटिक अप्रोच के कारण अपना प्रभाव लंबे समय तक के लिए छोड़ जाती है। संग्रह की अन्य कहानियां 'दुख का बोनसाई', 'स्त्रियां धूमकेतु नहीं होती' तथा 'कोचिंग रूम' आदि भी पाठक का ध्यान खींचती हैं। कुल मिलाकर कल्पना मनोरमा का नया कहानी संग्रह 'एक दिन का सफर' आज के दौर की एक अहम पुस्तक के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करा जाता है।

आस्था व विवेक का उजला संगम

सुरेश सौरभ हिंदी साहित्य जगत में एक प्रतिष्ठित और बहुआयामी रचनाकार के रूप में जाने जाते हैं। उनकी भाषा में गहन संवेदना है, तो विचारों में सामाजिक यथार्थ का तीक्ष्ण दृष्टिकोण। वे उन साहित्यकारों में से हैं, जिनके लेखन में न केवल कलात्मकता, बल्कि मानवता की सच्ची पुकार सुनाई देती है। एक शिक्षक के रूप में वे नई पीढ़ी को साहित्यिक चेतना से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं, तो एक कथाकार के रूप में वे समाज की विडंबनाओं को शब्दों के माध्यम से उजागर कर रहे हैं। "पावन तट पर" का संपादन उनके इसी संवेदनशील और सजग साहित्यकार रूप का प्रमाण है। इस साझा लघुकथा-संग्रह में उन्होंने विभिन्न दृष्टिकोणों से कुंभ जैसे विशाल सांस्कृतिक आयोजन को देखने की एक ईमानदार और बहुआयामी कोशिश की है।

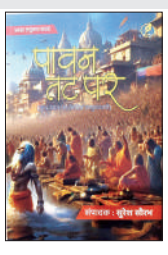

पुस्तक : पावन तट पर (लघुकथा संग्रह)
संपादन : सुरेश सौरभ
प्रकाशक : समृद्ध पब्लिकेशन, दिल्ली
मूल्य : 250/- रुपये
समीक्षक- नृपेन्द्र अभिषेक नृप

यह संग्रह केवल कुंभ मेले का साहित्यिक दस्तावेज नहीं, बल्कि यह भारतीय जनमानस की आस्था, विश्वास, विरोधाभास और विवेक का प्रत्यक्ष चित्रण है। कुंभ, जो सदियों से हमारी आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक रहा है, जहां लाखों-करोड़ों लोग पुण्य स्नान के लिए एकत्र होते हैं, वहां मानवता की असंख्य कहानियां भी जन्म लेती हैं- कुछ श्रद्धा से भरी, कुछ पीड़ा से सराबोर, कुछ प्रश्नों से दग्ध। "पावन तट पर" इन सबको अपने भीतर समेटे हुए है।

"पावन तट पर" एक ऐसा साहित्यिक संकलन है, जो अपने समय का साक्षी भी है और समाज का दर्पण भी। यह न केवल पढ़ने योग्य, बल्कि संभालकर रखने योग्य पुस्तक है- एक दस्तावेज, जो आने वाले समय में भी यह बताएगा कि साहित्यकार केवल शब्दों का जादूगर नहीं होता, वह युग का मूक इतिहासकार होता है। सुरेश सौरभ और सभी रचनाकारों को इस उत्कृष्ट साहित्यिक प्रयास के लिए साधुवाद। यह संग्रह न केवल कुंभ मेले की कथा कहता है, बल्कि मानवता के कुंभ की भी व्याख्या करता है, जहां हर मन, हर विश्वास, हर संवेदना एक साथ स्नान करती है सत्य और करुणा के पावन जल में।

व्यंग्य

मछुआरे का जाल और वोट की मछली

कभी तू छलिया लगता है, कभी दीवाना लगता है, कभी अनाड़ी लगता है, कभी आवारा लगता है, जैसी पंक्तियों को यदि वाक्य मानकर वर्तमान राजनीतिक चरित्रों से जोड़कर प्रयोग किया जाए, तो नई पंक्तियां उभरती हैं-कभी मैकेनिक लगता है, कभी बावर्ची लगता है, कभी मछुआरा लगता है, कभी तू जोकर लगता है। इन पंक्तियों का असर उस पर तो पड़ सकता है, जो गंभीर होता है, जिसे शब्दों के अर्थ और भाव ज्ञात न हो, उनके लिए ये पंक्तियां कोई मायने नहीं रखती। ऐसे चरित्र अपनी ही धुन में मस्त रहते हैं। उनका मानना यही रहता है, कि तू जो अच्छा समझे ये तुझ पे छोड़ा है, जीवन भर नौटंकी से मैंने नाता जोड़ा है।

राजनीति भी जाने कैसे-कैसे चरित्रों को ढो रही है। कुछ लोग राजनीति में चाल, चरित्र और चेहरे की बात तो करते हैं, मगर दूसरों के चाल, चरित्र और चेहरे की। अपना चेहरा उन्हें दूध से धुला हुआ प्रतीत होता है। ऐसे चरित्र अपने चेहरे पर पड़ी धूल को साफ करने की बजाए शीशे को साफ करने लगते हैं। शीशे पर धूल से एक डॉयलाग याद आ गया, जिनके घर शीशे के बने होते हैं, वे दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंका करते। यह साधारण वाक्य नहीं है, बल्कि एक नसीहत है, जो औरों पर बयानों की कीचड़ उछालने में जुटे रहते हैं। ऐसे में बार-बार यह नसीहत दिए जाने के बाद भी जो न सुधरे, उसे दुनिया की कोई ताकत नहीं सुधार सकती। फिर भी कुछ लोगों की आदत होती है कि वे औरों पर ऊंगली उठाने से बाज नहीं आते। औरों पर ऊंगली उठाते हैं, जब उन पर उंगली उठाई जाती हैं, तो वे तिलमिलाते हैं।

सुधाकर आशावादी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

समाज में यही चल रहा है। सियासत में खासकर। सियासत जो न करा दे, सो कम है। सियासत नागिन नृत्य भी करा सकती है। सियासत मदारी भी बना सकती है। गोल टोपी भी पहनने के लिए मजबूर कर सकती है। कमीज के ऊपर जनेऊ पहनने का दिखावा करा सकती है। कबीलाई संस्कृति की पोशाक पहना सकती है। पब्लिक के बीच पब्लिक जैसा दिखने के लिए नाटक करने के लिए विवश कर सकती है। बहरहाल सियासी चरित्र बहरूपिया चरित्र से मेल खाता है। रूप भरने की कला में पारंगत होना सरल नहीं होता। स्वांग रचने के लिए स्क्रिप्ट के अनुसार रिहर्सल करनी पड़ती है। स्वांगशालाओं में प्रशिक्षण प्राप्त करना पड़ता है। सियासत में वोट का बड़ा महत्व होता है। वोट पाने के लिए स्वांग रचने पड़ते हैं। कभी किसी की किचिन में इमरती बनानी पड़ती है, कभी किसी घर में कोरमा।

कभी मैकेनिक बनना पड़ता है, कभी मछुआरा बनकर तालाब की कीचड़ में छलांग लगानी पड़ती है। इसके बाद भी कोई गारंटी नहीं होती कि वोट की मछली मछुआरे के जाल में फंस ही जाए। कई बार ऐसी जगह जाल डाल दिया जाता है, जहां मछलियां मिलती ही नहीं।

आकांक्षाओं की भेंट चढ़ता बचपन

किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक ज्ञान भी जरूरी

सुंदर और सलोनी एक मध्यमवर्गीय दंपत्ति हैं। आमदनी छोटी ही है, लेकिन जिंदगी बड़ी जीते हैं। भविष्य के लिए बहुत संचय करने की अपेक्षा वर्तमान को खुलकर जीने में विश्वास रखते हैं। फिजूलखर्च भी नहीं करते और न ही शौक को संचय की भेंट चढ़ाते हैं। ईश्वर ने एक पुत्र दिया है, जो अभी तीन साल का ही है। सुंदर और सलोनी ने इसे ऐसे पाला है कि बच्चा अंग्रेजी के अलावा कुछ नहीं समझता। पति-पत्नी बच्चे के जन्म से ही, उससे अंग्रेजी में ही बात करते। आपस में हिंदी में बात करते, लेकिन बच्चे से अंग्रेजी में। मोबाइल पर कार्टून, बालकथाएं, कविताएं आदि अंग्रेजी में ही दिखाते-सुनाते। सुंदर एक छोटे स्तर का सरकारी कर्मचारी है और सलोनी एक घरेलू महिला होने के साथ-साथ एक डिजिटल क्रियेटर भी है, हिंदी में अच्छी शिक्षाप्रद ब्लॉग/वीडियो बनाती है और अच्छी संख्या में फॉलोवर्स भी हैं। कुछ कमाई इस जरिए भी हो जाती है। दोनों हिंदी भाषी राज्य के ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े हैं और बचपन से अंग्रेजी शिक्षा के अभाव को ही अपने बहुत सफल न हो पाने का कारण मानते हैं। दोनों मिलकर अपने पुत्र की अंग्रेजी आधारशिला इतनी मजबूत कर देना चाहते हैं कि जिससे उसे भविष्य में अंग्रेजी के कारण कोई समस्या न हो।

पंकज शुक्ला
वरिष्ठ लेखक

हिंदी आनी भी जरूरी

सुंदर और सलोनी जैसी लाखों दंपत्तियां देश में हैं, जो शिशु के पहले क्रंदन से पहले ही उसका भाग्य बनाने की रूपरेखा तय कर देते हैं। बच्चे की सफलता के मानदंड अपनी निष्फलता से तय करते हैं, लेकिन यहां उस बच्चे की मनोस्थिति को समझना भी आवश्यक है। उसका बचपन सुंदर और सलोनी की अंग्रेजी तक सिमट कर रह गया है। समाज में वह आनंद का कम और कौतूहल का विषय अधिक बन गया है। वह अभी ठीक से स्वयं को अभिव्यक्त नहीं कर पा रहा, किंतु क्या उसे अपने पास-पड़ोस के बच्चों के साथ खेलने का मन नहीं करता होगा? क्या अन्य बच्चों को अपने बाबा-दादी, नाना-नानी आदि के साथ किलोल करता देख उसके मन में भी वही आनंद प्राप्त करने के भाव नहीं आते होंगे? क्या जब कोई घर आया कोई मेहमान जब उससे बात करने में असहज होता होगा, तो उसका भी मन मसोसता नहीं होगा? क्या वह बचपन से ही स्वयं को एक नुमाइशी वस्तु नहीं समझने लगा होगा? क्या सुंदर और सलोनी ने उसे नवजात अवस्था से ही एक प्रकार के सामाजिक एकाकीपन (social isolation) की आदत नहीं डाल दी? बहुत संभव है कि अब यह बच्चा धीरे-धीरे इस एकाकीपन का आदि हो जाएगा। बहुत संभव है कि एक नुमाइशी परवरिश की आधारशिला पर एक कृत्रिम व्यक्तित्व खड़ा होगा, जिसमें मनसा, वाचा और कर्मणा के बीच कोई सामंजस्य नहीं होगा। तीन साल के इस बच्चे को आगे स्कूल में यदि संपूर्ण अंग्रेजी वातावरण न मिला, तो उसे मित्र बनाने तथा अपने मनोभावों को साझा करने में और दिक्कत होगी। एक ऐसा स्कूल ढूंढना होगा, जिसमें हिंदी न विषय स्वरूप पढ़ाया जाता हो और न ही किसी विषय का माध्यम ही हिंदी हो। कुछ वर्षों बाद जिस अवस्था में बाकी बच्चे अंग्रेजी सीखना शुरू करेंगे, उस अवस्था में यह बालक हिंदी सीखना शुरू करेगा, क्योंकि हिंदी के बिना तो काम चलना ही नहीं है।

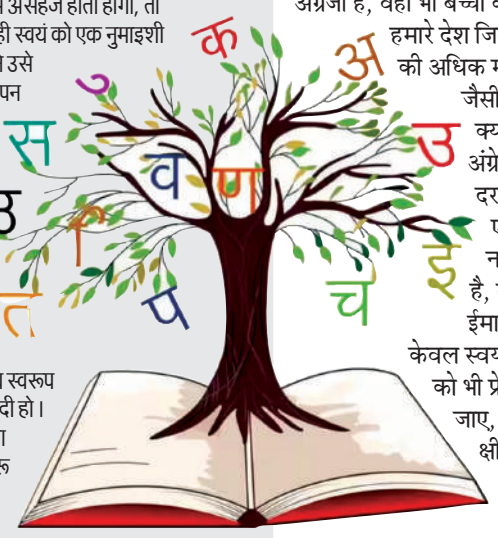

हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि हमारी नजर में ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया जैसे आदर्श फॉरवर्ड देश, जिनकी मातृभाषा ही अंग्रेजी है, वहां भी बच्चों की सफलता और निष्फलता का अनुपात हमारे देश जितना ही है, बल्कि इन देशों में भारतीय मेधा की अधिक मांग है, जिसके कारण भारत प्रतिभा पलायन जैसी विकट समस्या का सामना कर रहा है। क्या उन्हें भारतीय अंग्रेजी की दरकार है? नहीं। अंग्रेजी तो उनका बच्चा-बच्चा बोलता है। उन्हें दरकार होती है उन भारतीय मूल्यों से परिपूर्ण एक व्यक्तित्व की जो नौकरी को प्रोफेशन नहीं 'रोजी-रोटी' समझकर कार्य करता है, सत्यनिष्ठा से, लगन से, मेहनत से और ईमानदारी से। ऐसे व्यक्तित्व संलग्न क्षेत्र में न केवल स्वयं गतिशीलता बनाए रखते हैं, बल्कि दूसरों को भी प्रेरित करते हैं। स्वदेश में रोजगार की बात की जाए, तो समाज में निरंतर बढ़ता भौतिकवाद और क्षीण होती नैतिकता के मद्देनजर अब सरकारी और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में अब नंबरों से अधिक पर्सोनालिटी टेस्ट पर फोकस बढ़ता जा रहा है। कैंडिडेट के मनोविज्ञान और संवेदनशीलता के साथ-साथ उसकी नैतिकता, वैयक्तिक अक्षुण्णता और कौशल (ethics,integrity and aptitude) का परीक्षण अब परीक्षण संस्थानों का केंद्र बिंदु बन गया है। किताबी ज्ञान से अधिक व्यावहारिक ज्ञान तथा सामाजिक संवेदनशीलता के परीक्षण पर बल दिया जाने लगा है। मनोवैज्ञानिक परीक्षण के लिए एक अलग स्थापित प्रक्रिया है तथा साक्षात्कार में ज्ञान की अपेक्षा व्यक्तित्व परीक्षण किया जाता है। वर्तमान समय का दुःखद सत्य यह है कि जिस उम्र में बच्चों के व्यक्तित्व की आधारशिला रखी जानी चाहिए, उस नन्हीं सी उम्र में ही उसके उर्वर मानसधरा में महत्वाकांक्षाओ के बीज बो दिए जाते हैं, जिन्हें इंटरनेट की खाद डालकर पोसा जाता है और निज संस्कृति एवं सभ्यता को कीट-पतंगे जानकर उन्हें पाश्चात्यीकरण नामक कीटनाशक के प्रयोग से दूर कर दिया जाता है। इसके बाद स्नातक/अनुस्नातक होने के बाद ये ही बच्चे 'पर्सनालिटी डेवेलपमेंट' के लिए कई हजार रुपयों के कोर्स करते हैं, जो गुण बचपन में सीख लिए जाने चाहिए थे, वे युवावस्था में सीखने का प्रयास किया जाता है। ये कोचिंग इन गुणों का किताबी ज्ञान तो दे देते हैं, किंतु व्यावहारिक ज्ञान नहीं दे पाते। कारण इन्हें व्यवहार में उतारने का समय ही नहीं मिल पाता कैंडिडेट्स को। अंततः नैतिक दुविधाओं से संबंधित प्रश्नों का मर्म ग्रहण कर उनका विवेकशील उत्तर नहीं दे पाते।

बचपन से संस्कार देना जरूरी

माता-पिता की आकांक्षाओं के बोझ तले पले-बढ़े बच्चे आगे जाकर इतने महत्वाकांक्षी हो जाते हैं कि करियर बनाने हेतु समय से विवाह नहीं करते, कम से कम छुट्टियां लेकर घर-परिवार से अधिक से अधिक समय तक दूर रहने पर उनका मन नहीं मसोसता। मां की साड़ी और पिता के कुर्ते से महंगा ब्रांडेड अंडरवियर पहनने में गर्व अनुभव करते हैं। रोटी सेकते हुए मां के हाथ न जलें, इसलिए चिमटा लेने का उनके पास समय नहीं रहता। वृद्ध मां-पिता की तमाम आशाएं जैसे कि नाती-पोते के साथ खेलना, बेटे-बहू से संबल पाना आदि कॅरिअर की भेंट चढ़ जाती हैं।

अतः यह आवश्यक है कि प्रथम 6-10 वर्षों तक बच्चों में अच्छी आदतें और अच्छे संस्कार डालने पर जोर दिया जाए। सत्य, करुणा, सामाजिक मूल्य, बड़ों का सम्मान करना, मिलनसारिता आदि गुणों का निरूपण किया जाए। एक अध्यात्मिक वातावरण से उसका सरोकार कराया जाए। नातों-रिश्तों की पहचान कराई जाए। इस उम्र में बच्चों को पवित्र माहौल देना और उनसे पूजा-पाठ जैसे कार्य करवाना भी आवश्यक है, जो उसके मन में एक अध्यात्मिक चेतना को जागृत करे। घर, परिवार या समाज/सोसाइटी में कोई आयोजन होने पर उन्हें एक कमरे में बंद होकर किताबें चाटने के लिए न कहकर उन आयोजनों की योजना निर्माण तथा क्रियान्वयन में उन्हें सम्मिलित करें। घर से किन परिवारों के निमंत्रण के संबंध हैं और किन संबंधों की क्या महत्ता है, इसका परिचय कराएं।

कार्टून की जगह धार्मिक तथा पौराणिक कथाओं को देखने-सुनने में बढ़ाएं रुचि

अंग्रेजी में लगभग समान उच्चारित होने वाले दो शब्द हैं-कॅरिअर (career) तथा carrier (केरियर)। 'Carrier (केरियर)' का अर्थ 'वाहक' या 'संवाहक' है। बच्चों को 'Carrier (केरियर)' बनाएं, मूल्यों का, आदर्शों का, परंपराओं का, तीज-त्योहारों का, संस्कृति का। उन्हें 'वैभव' की अपेक्षा 'यश' और 'कीर्ति' को अधीमान देना सीखाना होगा। यदि यह आधारशिला मजबूत होगी तभी बच्चे एक अच्छा कॅरिअर (career) बनाने के साथ-साथ अपने उत्तरदायित्वों के केरियर (carrier) अर्थात संवाहक बनकर स्वयं के लिए तथा परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए उपादेय सिद्ध होंगे। जब माता-पिता द्वारा बचपन के माथे से आकांक्षाओं का बोझ हटा दिया जाएगा, तभी उनकी वृद्धावस्था के माथे से बच्चों की महत्वाकांक्षाओं का बोझ हट पाएगा।

सर्दियों में ट्रेंड कर रहे स्टाइलिश विंटर बूट्स

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही हर कोई अपने वॉर्डरोब के विंटर कलेक्शन को अपडेट करने में लग जाता है। गर्म कपड़ों के साथ-साथ फुटवियर भी इस मौसम का बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। खासकर महिलाएं विंटर में ऐसा विकल्प पसंद करती हैं, जो स्टाइल के साथ आराम और गर्माहट भी दे सकें। ऐसे में विंटर बूट्स उनके लिए एक परफेक्ट चॉइस बनकर सामने आते हैं। ये न केवल ठंड से बचाते हैं, बल्कि किसी भी आउटफिट में मॉडर्न और ट्रेंडी टच भी जोड़ते हैं।

आजकल मार्केट में इतने स्टाइलिश और कंफर्टेबल बूट्स उपलब्ध हैं कि इन्हें हर तरह के विंटर लुक के साथ आसानी से मैच किया जा सकता है। अगर आप भी इस सीजन अपने विंटर लुक को ग्लैमरस और स्मार्ट बनाना चाहती हैं, तो इन ट्रेंडिंग बूट्स के बारे में जरूर जानें। यहां हम आपके लिए कुछ चुनिंदा और फैशनेबल बूट्स डिजाइन लेकर आए हैं, जिन्हें आप अपने स्टाइल और कंफर्ट दोनों के अनुसार चुन सकती हैं।

■ एंकल बूट्सः हर आउटफिट पर सुपर स्टाइलिश

सर्दियों में एंकल बूट्स का क्रेज हमेशा रहता है। जींस, स्कर्ट, स्वेटर ड्रेस और यहां तक कि शॉर्ट ड्रेसेज के साथ ये शानदार लगते हैं। ये पैरों को गर्म रखते हुए पूरे लुक में स्लीक और स्मार्ट टच जोड़ते हैं। लेदर, सूएड और ब्लॉक हील वाले कई स्टाइलिश विकल्प बाजार में उपलब्ध हैं।

■ नी-हाई बूट्सः पाएं ग्लैमरस लुक

अगर आप बोल्ड और आकर्षक लुक चाहती हैं, तो नी-हाई बूट्स परफेक्ट हैं। ये पैरों को पूरी तरह कवर कर ठंड से बचाते हैं और स्कर्ट, शॉर्ट्स, लॉन्ग कोट तथा स्वेटर ड्रेसेज के साथ बेहद ग्लैमरस लगते हैं। ब्लैक और कॉफी कलर में ये सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं। फोटोज में भी ये बेहद स्टाइलिश दिखते हैं।

■ कॉम्बैट बूट्सः फैशन और कंफर्ट का मजबूत कॉम्बिनेशन

मॉडर्न, रफ-टफ और स्पोर्टी लुक पसंद करने वालों के लिए कॉम्बैट बूट्स बेहतरीन हैं। दिखने में भारी, लेकिन आजकल हल्के और आरामदायक बनाए जाते हैं। जींस, हुडी, लेदर जैगिंग्स और ओवरसाइज्ड जैकेट के साथ इन्हें पेयर करने पर लुक बेहद कूल दिखाई देता है। ठंडे और बर्फीले इलाकों में ये सबसे उपयोगी माने जाते हैं।

■ फर (Fur) बूट्सः अल्ट्रा कंफर्ट और क्यूटनेस का मेल

फर बूट्स सर्दियों का सबसे क्यूट और कंफर्टेबल फुटवियर हैं। इनकी फरी लाइनिंग पैरों को गर्म रखती है और बाहरी डिजाइन पूरे आउटफिट में एडोरेबल टच देती है। ट्रैवल, शॉपिंग और कैजुअल आउटिंग के लिए ये एकदम परफेक्ट हैं। अगर आपको सॉफ्ट और वॉर्म टच पसंद है, तो इसे जरूर ट्राय करें।

■ लेदर बूट्सः क्लासिक और एलीगेंट

लेदर बूट्स कभी आउट ऑफ फैशन नहीं होते। ये मजबूत, टिकाऊ और बेहद एलीगेंट दिखते हैं। ऑफिस, डिनर, कैजुअल डे आउट-हर मौके पर ये शानदार लगते हैं। ब्लैक, ब्राउन और टैन शेड खासतौर पर डेनिम, जैकेट और कोट के साथ बहुत क्लासी दिखते हैं।

■ ब्लॉक-हील बूट्सः आराम और स्टाइल भी

अगर आपको हील पसंद है, लेकिन कंफर्ट भी चाहिए, तो ब्लॉक-हील बूट्स आपके लिए सही हैं। ये पैरों को सपोर्ट देते हैं और लंबे समय तक पहनने पर भी परेशानी नहीं होती। स्किनी जींस, कोट, ट्रेंच कोट और स्कर्ट्स के साथ ये बेहद खूबसूरत लगते हैं। साथ ही पार्टी और आउटिंग के लिए बेस्ट हैं।

■ चेल्सी बूट्सः सरल, स्टाइलिश और हर दिन के लिए बेस्ट

चेल्सी बूट्स अपनी सिंपल और स्लीक डिजाइन के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। फ्लैट और आरामदायक होने के कारण ये ऑफिस और रोजाना पहनने के लिए शानदार विकल्प हैं। डेनिम, टर्टल-नेक स्वेटर और कोट के साथ ये बेहद स्टाइलिश लगते हैं।

■ लॉन्ग बूट्सः पाएं रॉयल, स्टाइलिश लुक

लॉन्ग बूट्स विंटर फैशन का रॉयल हिस्सा हैं। ये घुटनों से ऊपर तक आते हैं, जिससे लुक बेहद क्लासी दिखाई देता है। लंबे कोट, स्वेटर ड्रेसेज, शॉर्ट स्कर्ट और बॉडीकॉन ड्रेस के साथ इन्हें पहनने पर आपका पूरा विंटर स्टाइल आकर्षक और एलिगेंट दिखता है।

खाना खजाना

तिल के लड्डू

सर्दियों का मौसम आते ही रसोई में तिल की खुशबू अपने-आप फैलने लगती है। तिल को भारतीय परंपराओं में खास स्थान दिया गया है-यह न सिर्फ संक्रांति और पूजा-विधियों में शुभ माना जाता है, बल्कि स्वास्थ्य के लिहाज से भी बेहद फायदेमंद है। तिल शरीर को प्राकृतिक गर्माहट देता है, इम्यूनिटी मजबूत करता है और हड्डियों को भी पोषण प्रदान करता है। ठंड के मौसम में तिल से बनी मिठाइयों का स्वाद और ऊर्जा दोनों ही मन को सुकून देते हैं। इन्हीं में से एक है तिल के लड्डू, एक पारंपरिक, पौष्टिक और बेहद स्वादिष्ट मिठाई, जो बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आती है। मावा, तिल और गुड़ के मेल से बनने वाले ये लड्डू स्वाद में जितने लाजवाब होते हैं, बनाना उतना ही आसान है। आइए आज आपको बताते हैं, सर्दियों का यह खास, पौष्टिक और देसी फ्लेवर से भरा तिल का लड्डू बनाना।

सामग्री

- मावा – 500 ग्राम
- सफेद तिल – 250 ग्राम (हल्का भुना हुआ)
- गुड़/गुड़ की खांड – 500 ग्राम (अपने स्वाद के अनुसार)
- घी – 2 बड़े चम्मच
- इलायची पाउडर – टी स्पून
- कटा हुआ मेवा (बादाम/पिस्ता) – 2 टेबल स्पून (वैकल्पिक, लेकिन स्वाद बढ़ाता है)

बनाने की विधि

ऋतु चौधरी
फूड ब्लॉगर

सबसे पहले आप तिल को धीमी आंच पर हल्का सुनहरा होने तक भूनें। इससे तिल की नमी निकल जाती है और खुशबू भी बढ़ जाती है। इसके बाद इसको ठंडा होने पर इन्हें मिक्सर में डालकर हल्का पाउडर बना लें। बहुत महीन पाउडर न करें, थोड़ी दानेदार बनावट लड्डू में स्वाद बढ़ाती है। फिर एक कड़ाही में घी गर्म करें। इसमें मावा डालकर धीमी आंच पर लगातार चलाते हुए हल्का गुलाबी-सुनहरा होने तक भूनें। मावा की खुशबू और रंग बदलने पर गैस बंद कर दें। अब भुना हुआ मावा थोड़ा ठंडा होने पर, उसमें तिल पाउडर मिलाएं। साथ में इलायची पाउडर, गुड़ या खांड और कटा हुआ मेवा डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। मिश्रण बहुत गर्म न हो, वरना गुड़ पिघल जाएगा और लड्डू बांधने में मुश्किल होगी। जब मिश्रण गुनगुना हो जाए, तब हाथ में थोड़ा घी लगाकर छोटे-छोटे गोल लड्डू आकार दें। सभी लड्डू बनाकर प्लेट में रख लें और 10-15 मिनट सेट होने दें। तैयार हैं गर्मियों में गर्माहट देने वाले स्वादिष्ट तिल के लड्डू! इनकी खुशबू, स्वाद और पौष्टिकता, तीनों ही ठंडी सर्दियों में शरीर और मन को ऊर्जा से भर देते हैं।

न्यूज ब्रीफ

कामयाबी पाने के लिए पहले तय करें लक्ष्य

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। राजकीय जिला पुस्तकालय में शनिवार को कॅरियर काउंसलिंग और तनाव प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन हुआ। जिसमें बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें कॅरियर विकल्प, प्रतियोगी परीक्षाएं, अध्ययन विधियां और तनाव प्रबंधन पर महत्वपूर्ण टिप्स दिए गए। डॉ. राजनाथ दुबे ने कहा कि कामयाबी पाने के लिए सबसे पहले अपना लक्ष्य तय करें। इसके बाद उसे पाने के लिए ईमानदारी से मेहनत करते हुए प्रयास करें। कहा कि लक्ष्य पाने में समय लग सकता है लेकिन अनुशासन और मेहनत से लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। 32 छात्र-छात्राएं इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार 2 की मौत

हैदरगंज, अयोध्या। थाना हैदरगंज अंतर्गत दिवाकर पट्टी ममरखा मोड़ के पास शुक्रवार की देर शाम सड़क दुर्घटना में दो व्यक्तियों की मौत हो गई। थाना हैदरगंज के मनऊपुर निवासी रंजीत कुमार (42) व शशिकांत गौड़ (35) बाइक से सुल्तानपुर एक वैवाहिक कार्यक्रम में जा रहे थे। रास्ते में दिवाकर पट्टी ममरखा मोड़ के पास वाहन से उनकी बाइक टकरा गई। रंजीत की घटनास्थल पर मौत हो गई। शशिकांत की अस्पताल में मौत हो गई।

चोरी की कार चला रहा ब्लॉक प्रमुख का पुत्र हुआ गिरफ्तार

जालसाजी व अन्य सुसंगत धाराओं में पुलिस ने दर्ज किया केस

संवाददाता, संतकबीरनगर

कार के साथ पकड़ा गया आरोपी।

- **कूटरचित ढंग से वाहन का रजिस्ट्रेशन व चेंचिस नंबर किया था तैयार**

अमृत विचार। दुधारा पुलिस ने शनिवार को दुधारा अस्पताल तिराहा मोड़ के पास से नंबर प्लेट बदलकर चोरी की कार चला रहे सेमरियावां ब्लॉक प्रमुख के पुत्र को गिरफ्तार किया। पुलिस की जांच में सामने आया कि वाहन का रजिस्ट्रेशन और चेसिस नंबर कूट रचित तरीके से तैयार किया गया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ चोरी की कार बरामद होने, जालसाजी और अन्य संगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। दुधारा एसओ अरविंद शर्मा ने आरोपी को दुधारा अस्पताल तिराहा मोड़ के पास से कार सहित पकड़ा है। पुलिस की पूछताछ में उसकी पहचान मुस्ताक अहमद निवासी सुकरौली थाना दुधारा के रूप में हुई।

एएसपी सुशील कुमार सिंह ने बताया कि दुधारा पुलिस ने ई-चालान ऐप से कार पर लगे नंबर की जांच की तो दर्ज इंजन और चेसिस नंबर पर वाहन स्वामी लखनऊ निवासी प्रदीप कुमार वर्मा का नाम मिला। प्रदीप ने फोन पर बताया कि उनकी कार लखनऊ में ही खड़ी है और उन्होंने पुलिस से फोटो व वीडियो मांगे। इसके बाद पुलिस ने बरामद कार पर अंकित चेंचिस नंबर की जांच की, जिसमें वाहन मुरादाबाद निवासी सुरभि ओहरी के नाम पंजीकृत मिला। उनसे संपर्क करने पर उन्होंने भी अपनी गाड़ी अपने घर पर खड़ी होने की पुष्टि की। वहीं कार के इंजन नंबर की जांच में कोई विवरण प्रदर्शित नहीं हुआ। पुलिस के सख्ती से पूछताछ करने पर मुस्ताक ने चोरी की कार को लखनऊ के एक व्यक्ति से खरीदने की बात कही, लेकिन ना नंबर बताया, न किसी प्रकार का पहचान विवरण दिया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने चोरी की कार पकड़ी न जाए, इसके लिए नंबर प्लेट, रजिस्ट्रेशन और चेसिस नंबर सभी कूट रचित तरीके से तैयार किए थे।

एएसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मुस्ताक अहमद के खिलाफ इससे पहले मारपीट, अपहरण और जालसाजी समेत तीन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

सेमरियावां ब्लॉक प्रमुख ने बताया साजिश

ब्लॉक प्रमुख, सेमरियावां मजहरुन्निशा ने कहा कि दर्ज एफआईआर और पुलिस कार्रवाई में राजनीतिक दबाव तथा व्यक्तिगत द्वेष की आशंका है। यदि मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तो सच्चाई सामने आ जाएगी। हम कानून और प्रक्रिया का पूरा सम्मान करते हैं, लेकिन किसी भी नागरिक या जनप्रतिनिधि के साथ पक्षपातपूर्ण व्यवहार स्वीकार नहीं होगा। सत्य सामने लाने के लिए हम सभी वैधानिक उपाय करेंगे।

खिलाड़ियों के साथ नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष रामानंद सिंह व कोच राजेश गुप्ता। अमृत विचार

नपा अध्यक्ष ने मुक्केबाजों को किट का किया वितरण

कुशीनगर, अमृत विचार : आर के बॉक्सिंग क्लब एवं स्पोर्ट्स अकेडमी सेलिब्रेशन लॉन हाटा में जरूरतमंद मुक्केबाजों को नगर पालिका परिषद हाटा के अध्यक्ष रामानंद सिंह ने बॉक्सिंग किट वितरण किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी के कारण खिलाड़ी परेशान न हो। हर समस्या को दूर करने का प्रयास होगा। क्लब के कोच एवं सचिव राजेश गुप्ता ने अध्यक्ष का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद जताया। इस दौरान क्लब के उपाध्यक्ष हाजी सद्दाब खान, सीनियर खिलाड़ी पंकज गुप्ता, शिल्पा यादव, शीतल कुशवाहा एवं क्लब के अन्य खिलाड़ी उपस्थित रहे।

लापता मजदूर का पोखरे में उतराता मिला शव

संतकबीरनगर, अमृत विचार। मेंहदावल क्षेत्र से लापता मजदूर का शव शनिवार को भरवलिया और सोनबरसा के बीच पोखरे में मिली। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। मेंहदावल क्षेत्र के तुलसीपुर के रहने वाले 38 वर्षीय जोगेंद्र निषाद पुत्र स्वर्गीय मुंशी निषाद 23 नवंबर की शाम करीब सात घर से मेंहदावल बस स्टैड की ओर जाने की बात कह कर निकले थे। वह देर शाम तक घर नहीं लौटे तो परिजन परेशान हो गए। परिजनों की तलाश के बाद पता नहीं चला तो 24 नवंबर को मेंहदावल थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पीड़ित तीसरे नंबर के भाई कोईल निषाद ने बताया कि शनिवार को भरवलिया और सोनबरसा के बीच पोखरे में जोगेंद्र निषाद की लाश मिली। चार भाईयों में जोगेंद्र सबसे बड़े थे। पत्नी चित्रलेखा और मां मत्ती देवी का रो-रो कर बुरा हाल था।

अस्पतालों में ही हो गर्भवती महिलाओं का प्रसव : डीएम

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिला स्वास्थ्य समिति (डीएचएस) एवं स्वास्थ्य विभाग से संबधित योजनाओ की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

जिलाधिकारी ने फीडिंग कम पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। डीएचएस की कार्यवाही पोर्टल पर फीड करने का निर्देश दिया। कहा कि सभी एमओआईसी सुनिश्चित कर लें कि सभी गर्भवती महिलाओं का प्रसव अस्पताल में ही हो, डिलीवरी घर पर नहीं होना चाहिए। घर पर प्रसव होने पर एमओआईसी जिम्मेदार होंगे। एनबीएसयू को 24 घंटे सक्रिय करें जिससे कोई भी गर्भवती महिला व उसके परिजन सम्पर्क कर सहायता प्राप्त कर सके। सभी एमओआईसी वार रूम का निरीक्षण करें। बीएचएनडी दिवस में कम एचआरपी वाली गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर उनका बेहतर इलाज कराएं और सावधानियां बरतने का सलाह दें। बीएचएनडी दिवस में सभी लोग जाये। एएनएम, आशा व सीएचओ को सभी प्रकार किट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बीएचएनडी दिवस में एएनएम व सीएचओ मिलकर कार्य करें। काम न करने वाले डाक्टर/सीएचओ/आशा/एएनएम को नोटिस निर्गत करने का निर्देश दिया। टीकाकरण का शत-प्रतिशत डाटा फीडिंग कराने का निर्देश दिया। फीडिंग में सही मोबाइल नम्बर लिखे। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होना चाहिए। एएनएम और आशा के साथ बैठक करें। कार्य न करने वाली आशा व सीएचओ के विरूद्ध कार्यवाही करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 द्वारा अनटाइड फन्ड, परिवार नियोजन, टीकाकरण अभियान, पीसीपीएनडीटी, रोगी कल्याण समिति, हेल्थ वेलनेस सेन्टर, आदि की समीक्षा की गयी।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यो के लिए ई–निविदा वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है। क्र. सं. 1 निविदा सं0: वमंविई–टीआरडी–लजं–ओटी–177 **कार्य का विवरण:** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल में बढ़नी स्टेशन पर 3 स्टेबलिंग लाइन का विद्युतीकरण। **ई–निविदा बन्द होने की तिथि व समय :** 30.12.2025 व 15.00 बजे। **ई–निविदा खुलने की तिथि व समय:** 30.12.2025 व 15.30 बजे। **अनुमानित लागत:** 1,34,72,246.53 रु0 **बयाना राशि:** 2,17,400.00 रु. **निविदा मूल्य:** 0.00 रू0 **कार्य सम्पादन की अवधि :** 09 माह। नोट 1. इस निविदा के विरूद्व मैनुअल ऑफर स्वीकार नही किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल ऑफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। 2. विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु, कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट http://www.ireps.gov.in को देखें।

वरि0 मंडल विद्युत इंजी0/टीआरडी लखनऊ

मुजाधि/विद्युत–199

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

एफडीआर पर तय ब्याज दर घटाना अवैध : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- **पूर्व में घोषित ब्याज दरों के अनुसार भुगतान के लिए वाणिज्यिक बैंक बाध्य**

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मामले में बैंक नियमों को स्पष्ट करते हुए कहा कि बैंक एफडीआर जारी होने के बाद उसकी ब्याज दर को एकतरफ़ा नियम द्वारा कम नहीं कर सकते। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने नेम कुमार जैन और अन्य की याचिकाओं को स्वीकार करते हुए पारित किया।

कोर्ट ने आगे कहा कि एफडीआर में अंकित ब्याज दर निवेशक और बैंक के बीच एक बाध्यकारी संविदात्मक वादा है। जिसे बाद में बैंक अपने आंतरिक परिपत्रों या दिशा-निर्देशों का हवाला देकर कम नहीं कर सकता। संविदा के क्षेत्र में सिद्धांत प्रॉमिसरी एसटॉपल लागू होता है। यानी जब निवेशक ने बिना किसी गलतबयानी के बैंक के आश्वासन पर धन निवेश किया हो, तो परिपक्वता के समय वादा की गई दर से मुकरा नहीं जा सकता है। दरअसल मौजूदा मामले में पंजाब नेशनल बैंक (पूर्व में ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स) द्वारा वर्ष 2011-12 में जारी 10.75 प्रतिशत और 10.25 प्रतिशत वार्षिक ब्याज वाली दस वर्षीय एफडीआर पर वर्षों बाद ब्याज दर घटाकर क्रमशः 9.25 प्रतिशत और 8.25प्रतिशत कर दी गई थी। बैंक ने दावा किया कि अतिरिक्त ब्याज की सुविधा केवल तभी मिल सकती थी, जब सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्य प्रधान खाता धारक हों और बताई गई उच्च दर प्रशासनिक त्रुटि थी, जिसे बाद में संशोधित किया गया। कोर्ट ने बैंक के सभी तर्कों को खारिज करते हुए कहा कि एफडीआर जारी करते समय किसी भी तरह की अवैधता या धोखाधड़ी की जानकारी निवेशकों को नहीं दी गई और न ही धोखे का आरोप था। कोर्ट ने आरबीआई के मास्टर डायरेक्शन-इंटरेस्ट रेट ऑन डिपॉजिट, 2016 सहित संबंधित दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि सभी वाणिज्यिक बैंक केवल पूर्व में घोषित ब्याज दरों के अनुसार ही भुगतान करने के लिए बाध्य हैं और ये दरें असंशोधनीय एवं गैर-विनिमययोग्य होती हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि परिपत्र बैंक को केवल पात्र मामलों में अतिरिक्त ब्याज देने की अनुमति देते हैं, लेकिन पहले से जारी एफडीआर की दर्शाई गई दर को घटाने का अधिकार नहीं देते। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए माना कि निवेशकों को वैध अपेक्षा का अधिकार है और बैंक बाद में नियमों की व्याख्या के नाम पर संविदात्मक दर कम नहीं कर सकता।

सूचना

सूचित हो कि प्लॉट नंबर – 50, ग्रामः बेहसा लखनऊ का रजिस्ट्री पंजीकरण दिनांक–16/05/1997 पुस्तक संख्या–1, खण्ड –1675, पृष्ठ–335/346 क्रमांक– 3046/90 उपनिबंधक लखनऊ के बैनामा का पृष्ठ संख्या 02 (दो) खो गया है, उक्त बैनामा विद्या मंदिर सहकारी गृह निर्माण समिति लखनऊ के द्वारा पूर्णिमा शुक्ला पत्नी ज्ञानेश्वर शुक्ला के पक्ष हुआ था, तत्पश्चात पूर्णिमा शुक्ला द्वारा मेरे स्व0 पिता सुरेश चन्द्र तिवारी के पक्ष में भूखण्ड का बैनामा किया गया था। **सुयश तिवारी पुत्र–स्व0 सुरेश चंद्र तिवारी पता: 50 विष्णु लोक कालोनी कानपुर रोड लखनऊ।**

कार्यालय संयुक्त निदेशक अतिहिमीकृत वीर्य उत्पादन केन्द्र, रहमानखेड़ा, लखनऊ।

पत्रांक:–1044/पशुधन/सांड नीलामी/2025–26 दिनांक 24.11.2025

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अतिहिमीकृत वीर्य उत्पादन केन्द्र, रहमानखेड़ा, लखनऊ पर दिनांक 16.12.2025 दिन मंगलवार को पूर्वान्ह 11:00 बजे, आठ अदद (08) मुर्रा सॉडों की नीलामी की जायेगी। नीलामी की विस्तृत शर्तों की जानकारी नीलामी से पूर्व किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। जो इच्छुक व्यक्ति नीलामी में भाग लेना चाहते हैं वे निर्धारित तिथि एवं समय पर पहुंचकर नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकते है।

सांडों की नीलामी की मुख्य शर्ते निम्नानुसार है–

1–नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने से पूर्व इच्छुक व्यक्ति को नकद रू0 5,000.00 (रूपया पांच हजार मात्र) अग्रिम जमानत के रूप में कार्यालय में जमा करना होगा। पंजीकरण न कराये जाने पर नीलामी में भाग लेना संभव नहीं होगा।
2–नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्ति को अपना पहचान पत्र एवं उसकी छायाप्रति प्रस्तुत करना होगा। (मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड व निवास प्रमाण पत्र)
3–अधिकतम बोली को समिति द्वारा स्वीकृत किये जाने के फलस्वरूप नीलामी की पूर्ण धनराशि तत्काल जमा करना होगा।
4–नीलाम हुये पशु को बोलीदाता द्वारा उसी समय अपने खर्चे पर केन्द्र से ले जाना होगा।
5–अस्वीकृत बोलीदाता को जमानत के रूप में जमा धनराशि रूपया 5,000–00 (रूपया पांच हजार मात्र) नीलामी समाप्ति पश्चात अविलम्ब उसी दिनांक को वापस कर दिया जायेगा तथा स्वीकृत बोलीदाता की जमानत राशि को पशु की कीमत में समायोजित कर दिया जायेगा।
6–यदि कोई पंजीकृत बोलीदाता स्वीकृत हुई अपनी बोली से मुकर जाता है तो जमा की गई पंजीकरण जमानत धनराशि को राजकीय हित में जब्त कर लिया जायेगा।
7–किसी एक बोली या समस्त बोलियों को बिना कारण बताये रदद् करने का अधिकार विक्रय समिति के पास सुरक्षित होगा।
8–नीलामी में केन्द्र पर कार्यरत कार्मिक प्रतिभाग नहीं कर सकते है।
9–पंजीकृत व्यक्ति को मात्र एक व्यक्ति सहयोगी के रूप में नीलामी प्रक्रिया में बैठने की अनुमति होगी।
10–नीलामी के समय पशुओं की संख्या घट बढ़ सकती है।
11–नीलाम होने वाले सांडों के सम्बन्ध में कोई भी जानकारी किसी भी कार्यालय दिवस में आकर सांड प्रबन्धन अधिकारी से प्राप्त की जा सकती है।
12–किसी भी विवाद की स्थिति में समस्त विवादों का निपटारा जिला एवं सत्र न्यायालय लखनऊ के अधिकार क्षेत्र में ही मान्य होगा।

(डा0 नीरज कुमार वर्मा) – संयुक्त निदेशक
अतिहिमीकृत वीर्य उत्पादन केन्द्र, रहमानखेड़ा, लखनऊ

UP-241645 दिनांक 28.11.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

घर-घर जनसंपर्क कर गणना प्रपत्र जमा कराते भाजपा पदाधिकारी।

घर-घर जाकर गणना फार्म जमा कराए

लखनऊ, अमृत विचार : पश्चिम मंडल – 1 शीतला देवी वार्ड के बूथ संख्या – 347 की पोलिंग योगानंद बालिका इंटर कॉलेज में महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी व पश्चिम विस क्षेत्र के संयोजक प्रकाश मिश्रा व सत्येंद्र सिंह के साथ 'कुंडी खटकाओ अभियान' एसआईआर के अंतर्गत तीसरे दिन 30 घरों के लोगों के गणना फॉर्म जमा कराए गए। शेष बचे फॉर्मों को जल्द भरकर जमा कराने की अपील की गयी। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष दीप प्रकाश सिंह, सोमेंद्र पांडे, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष राजेश मिश्रा (राजन), अरविंद मिश्रा, अजय सोनी, बीएलए-2 ऋतु खन्ना, पार्षद अनूप कमल सक्सेना, मंडल महामंत्री अंकित राजपूत, मंडल उपाध्यक्ष आशीष तिवारी, विभोर अवस्थी, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष नोटेश किशोर दीक्षित, मंडल मंत्री अजय तिवारी, शिवानी निगम, अभिषेक बाजपेई, अखिलेश श्रीवास्तव, मधु परासर, राजेंद्र वर्मा, सनी सोनी आदि मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पंचायत कुमारगंज, जनपद- अयोध्या

पत्रांक:– 239/न0पं0कु0/एस0बी0एम025–26/ शौचा0–2 कार्य/ 2025 दिनांक: 29 नवम्बर 2025

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्र संख्या– 219/न0पं0 कु0/एस0बी0एम0 25–26/शौचा0–2 कार्य/2025 दिनांक: 06 नवम्बर 2025 द्वारा स्वच्छ भारत मिशन/राज्य वित्त आयोग के अर्न्तगत स्वीकृत शौचालय निर्माण कार्यो को पूर्ण कराने हेतु ई–निविदा आमंत्रित किया गया है। जिसमें प्रतिस्पर्धात्मक दरें प्राप्त करने के उद्देश्य से ई–निविदा डाउनलोड एवं अपलोड करने की समय सीमा बढ़ायी जाती है, जिसका विवरण निम्नवत् है–

ई–निविदा डाउनलोड एवं अपलोड करने का संशोधित विवरण निम्नवत् है–

क्र0	विवरण	दिनांक	समय
1	ई–प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निविदा अपलोड करने की प्रारम्भ तिथि व समय	06.11.2025	10:00 बजे
2	ई–प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि व समय	05.12.2025	15:00 बजे तक
3	ई–निविदा खोलने की तिथि व समय	06.12.2025	15:00 बजे

(संजय शुक्ल) अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत कुमारगंज अयोध्या

(विकास सिंह) अध्यक्ष नगर पंचायत कुमारगंज अयोध्या

किशोरी को जिंदा जलाने में पांच दोषियों को उम्रकैद

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार : केरोसिन डालकर किशोरी को जिंदा जलाने के मामले में कोर्ट ने पांच आरोपियों को दोषी पाते हुए आजीवन कठोर कारावास की सजा से दंडित किया है। प्रत्येक पर 25 हजार रुपये जुर्माना भी हुआ है। कोर्ट ने इस मामले में तीन महिलाओं को भी बलवा में तीन-तीन साल के कारावास और प्रत्येक पर पांच हजार जुर्माने की सजा से दंडित किया है। जुर्माने की संपूर्ण रकम में से 1.20 लाख रुपये मृतका सुनैना की माता मंजू को देने का भी आदेश हुआ है। यह आदेश अपर जिला जज सुरेंद्र मोहन सहाय की अदालत से शनिवार को हुआ।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता ज्ञानेश चंद्र पांडेय तथा रोहित पांडेय ने बताया कि घटना 14 जुलाई 2018 की है। अयोध्या कोतवाली के रानोपाली गांव में करिया, हृदय राम, खुशीराम, सुरेश, अमरनाथ, शीला, सीमा तथा रीता ने गांव निवासी मंजू के घर पर लाठी डंडा से धावा बोल दिया। मंजू अपने बच्चों को लेकर घर के अंदर घुस गई। पुलिस के पहुंचने पर आरोपी भाग गए। पुलिस मंजू और उसके बच्चों को लेकर कोतवाली चली गई। मंजू की पुत्री सुनैना घर पर ही छूट गई थी। उसे सभी आरोपियों ने मिलकर केरोसिन डालकर जला दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसकी रिपोर्ट घटना के दो दिन बाद दर्ज हुई थी। घटना के पीछे वजह थी कि कुछ दिन पहले अभियुक्त करिया और अमरनाथ ने मृतका के साथ अभद्रता की थी, जिसकी रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। उसमें जमानत पर छूटने के बाद इस घटना को अंजाम दिया। कोर्ट ने शीला, सीमा और रीता को तीन साल की सजा तथा अन्य अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road, Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

पूर्वोत्तर रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/कार्य, वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक यांत्रिक कारखाना गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिये आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं0 1:– ई–निविदा सूचना सं0 एवं निविदा कार्य का विवरण: टेण्डर नं.– "36–जीकेपी–एमडब्लूएस–2025–26" "इपॉक्सी फ्लोरिंग एंड विनायल ग्राफिक पैच वर्क इन लैवटरी एरिया ऑफ एलएचबी/आइसीएफ (एसी/नॉन–एसी) टाइप कोच टॉयलेट्स इन मैकेनिकल वर्कशॉप, गोरखपर फॉर 12 मन्थ्स" अनुमानित लागत (रू0में): ₹ 99309314.19, धरोहर राशि(रू0में): ₹ 646600.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य:– रू शून्य, निविदा समापन की तिथि एवं अवधि: 11.00 बजे, 22.12.2025, संविदा की अवधि: 12 माह। उपरोक्त ई–निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर देखें।

उप मुख्य यात्रिक इंजी./कार्य, यांत्रिक मुजाधि/यांत्रिक–97 कारखाना, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैने अपना नाम SIDDIQUI NAJMUNNISA ABDULWALI से बदलकर NAJMUN NISA रख लिया भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **W/O-ABDUL WALI SIDDIQI ADD-H.No-239/206 K.L.KDYGANJ DIST-ALLAHABAD PRAYAGRAJ-211003 (U.P)**

सूचना

मैने अपना नाम SIDDIQUI ABDULWALI ABDULAZIZ से बदलकर ABDUL WALI SIDDIQI रख लिया अब भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-ABDUL AZIZ SIDDIQI ADD-HOUSE NO-239/206, KHALASI LINE KDYGANJ, DIST-ALLAHABAD PRAYAGRAJ - 211003(U.P)**

सूचना

सूचित हो कि मैं अपने बड़े पुत्र मुकुल के चाल–चलन, कुसंगती व दुर्व्यवहार से परेशान व दुखी होकर उससे अपने सारे संबंध समाप्त करते हुए अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। मेरे पुत्र मुकुल द्वारा किये गये किसी भी कार्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों से कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। **मोहन पुत्र स्व0 हेमराज निवासी–आबिद खेड़ा, दुर्गागंज, काकोरी, लखनऊ।**

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड–2, लो0नि0वि0, गोण्डा

पत्रांक:– 3665 /2ए दिनांक : 22.11.2025

ई–निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में मार्ग हेतु पंजीकृत निविदादाताओ से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आंमत्रित की जाती है ।

क्र0 सं0	जनपद/ खण्ड/ विधानसाभ का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (जीएसटी रहित) (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्ष ऋतु सहित)	ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	गोण्डा/ निर्माण खण्ड–2	गोण्डा डेहरास से सुभागपुर सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	25.30	2.53	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
2	गोण्डा/ निर्माण खण्ड–2	चमरी सम्पर्क मार्ग से इब्राहिमपुर सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	10.70	1.07	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
3	गोण्डा/ निर्माण खण्ड–2	परसपुर भौरीगंज मार्ग से अकोहरी सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	25.40	2.54	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
4	गोण्डा/ निर्माण खण्ड–2	पी0डी0 बन्धा से भगहरिया करूआ सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	3.90	0.39	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी,ई
5	गोण्डा/ निर्माण खण्ड–2	पूरे अजब बड़केपुरवा पुल से पूरे अजब लोनियनपुरवा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	25.10	2.51	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
6	गोण्डा/ निर्माण खण्ड–2	पूरे लाली सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	15.50	1.55	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
7	गोण्डा/ निर्माण खण्ड–2	प्राइमरी विद्यालय पूरे अजब से घासीपुरवा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	10.70	1.07	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
8	गोण्डा/ निर्माण खण्ड–2	फत्तेपुर कुटेहना सम्पर्क मार्ग से चौहानपुरवा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	5.60	0.56	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
9	गोण्डा/ निर्माण खण्ड–2	सकरौर का मजरा शंकरपुरवा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	20.30	2.03	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी

बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाईट– http://etender.up.nic.in पर दिनांक 02.12.2025 से 20.12.2025 तक सांय 03.00 बजे तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 20.12.2025 को अपरान्ह 03.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओ की तकनीकी बिड दिनांक 20.12.2025 को अपरान्ह 03.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से संबंधित नियम/शर्ते तथा विवरण बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई–टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, वह लोक निर्माण विभाग की बेवसाईट www.uppwd.gov.in के प्रहरी सॉफ्टवेयर में भी अपलोड करना होगा। निविदा की अन्तिम तिथि दिनांक 20.12.2025 के अपरान्ह 03.00 बजे तक शुद्धिपत्र यदि कोई हो, तो उसे ई–पोर्टल पर अपलोड कर दिया जायेगा ।

(विनोद कुमार त्रिपाठी) अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड–2, लो0नि0वि0 गोण्डा

UP-241634 दिनांक 28.11.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

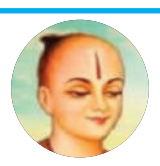

दया धर्म का मूल है पाप मूल अभिमान।
तुलसी दया न छोड़िये जब तक घट में प्राण।।

तुलसीदास जी कहते हैं, धर्म का असली मूल दूसरों पर दया करना है और अभिमान नहीं करना चाहिए। अभिमान ही पाप की बुनियाद है। जब तक जीवन है इंसान को दया करना नहीं छोड़नी चाहिए।

वाक् स्वातंत्र्य का अधिकार बड़ा पर शब्द संयम भी जरूरी

सोशल मीडिया पुराकथाओं जैसा हीरो बन गया है। यह दोधारी तलवार है। जानकारियों का स्रोत है। भौतिक जीवन के प्रपंच सोशल मीडिया के माध्यम से आम जनों तक पहुंचते हैं। उन्हें जरूरी या गैरजरूरी मानना व्यक्तिगत पसंद की बात हो सकती है। कुल मिलाकर सोशल मीडिया अनिवार्य बुराई के रूप में लिया जा रहा है। सोशल मीडिया में मनोरंजन है। ज्ञान है। पुस्तकें हैं। गीत-संगीत भी हैं। जीवन को सुखमय बनाने वाले तमाम तत्व सोशल मीडिया का अंग हैं। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब सोशल मीडिया नहीं था, तब मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वालों की संख्या बहुत कम थी। घर में बहुधा एक या दो फोन होते थे। अब परिवार में सभी के पास अपना मोबाइल है। मोबाइल केवल दूरभाष वार्ता का काम नहीं देता। वह चलता फिरता टीवी है। बहुत सुंदर नोटबुक है। ज्ञात विश्व के सभी अनुशासनों का जीवन तंत्र है।

सोशल मीडिया पुराकथाओं जैसा हीरो बन गया है। सोशल मीडिया में मनोरंजन है। जानकारियों का स्रोत है। ज्ञान है। पुस्तकें हैं। गीत संगीत भी है। जीवन को सुखमय बनाने वाले तमाम तत्व सोशल मीडिया का अंग हैं। यह दोधारी तलवार है। भौतिक जीवन के प्रपंच सोशल मीडिया के माध्यम से आमजनों तक पहुंचते हैं। उन्हें जरूरी या गैरजरूरी मानना व्यक्तिगत पसंद की बात हो सकती है। कुल मिलाकर सोशल मीडिया अनिवार्य बुराई के रूप में लिया जा रहा है।

विश्व का समूचा ज्ञान सोशल मीडिया का भाग है। इसका एक बड़ा हिस्सा मनुष्य जीवन को क्षति पहुंचा रहा है। छोटे-छोटे बच्चे मोबाइल से चिपके रहते हैं। इस नुकसान को लेकर अनेक शोध हुए हैं। मैंने निजी जीवन में देखा है कि एक ही परिवार के सात सदस्यों के पास अलग-अलग मोबाइल हैं। किसी के पास दो या तीन मोबाइल भी हैं। मैं ऐसे ही एक मित्र के घर में मेहमान था। मैंने उनको बताया कि चाय में शक्कर नहीं रहेगी। उन्होंने हमारे पास बैठे-बैठे अपनी पत्नी को फोन मिलाया। हमने पूछा चाय कहां बन रही है। उन्होंने कहा, पीछे कमरे में। मैंने कहा, आप जाकर भी बता सकते थे। उन्होंने कहा, फोन है, तो क्यों जाएं?

सोशल मीडिया से प्रसारित झूठी सूचनाएं समाज को क्षति पहुंचती हैं। दंगे फसाद भी हो जाते हैं। सोशल मीडिया से पुलिस और प्रशासन को सुविधा हो रही है। वहीं अपराधी भी इसी के दुरुपयोग से बड़ी घटनाएं करके निकल जाते हैं। सोशल मीडिया में अराजकता है। कोई अपना नंगा चित्र पोस्ट करता है। कोई अश्लील चैट करता है। कोई देवी-देवताओं पर अपनी भड़ास निकालता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस अराजकता के विरुद्ध केंद्र से कहा है कि कोई नियामक संस्था बनाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को चार सप्ताह का समय दिया है। इस सूचना से लोगों को राहत मिली है, लेकिन यह आसान नहीं है। भारतीय संस्कृति के पक्षधर तो सोशल मीडिया के नियमन की खबर से खुश हैं, लेकिन वामपंथी ऐसी किसी नियामक आयोग जैसी संस्था का विरोध करेंगे।

हम ऑस्ट्रेलिया से सीख सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की संसद ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने वाले कानून पर एक साल पहले सम्यक विचार किया था। अधिनियम पारित किया था। अगले महीने से कानून प्रभावी होने जा रहा है। भारत में अधिकांश परिवारों के बच्चे पूरी रात मोबाइल से चिपके रहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने उचित समय पर अपना निर्देश दिया है। सोशल मीडिया के विनियमितिकरण पर ठोस विचार समय की मांग है।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है। संविधान निर्माताओं ने आदर्श लोकतंत्र के लिए अभिव्यक्ति की आजादी को मौलिक अधिकार बनाया है, लेकिन यह अधिकार असीम नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 19 में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, लेकिन इसी अनुच्छेद के खंड-2 में इस अधिकार की मर्यादा भी बताई गई है। इसमें कहा गया है कि भारत की संप्रभुता, अखंडता, सुरक्षा, दुनिया के अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध, लोक व्यवस्था, शिष्टाचार या सदाचार के हितों में अथवा न्यायालय अवमान के संबंध में विद्यमान किसी भी विधि के प्रवर्तन पर फर्क नहीं पड़ेगा। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग हो रहा है।

भारत प्राचीन राष्ट्र है। भारत के लोगों के परिश्रम से राष्ट्र का सतत् विकास हो रहा है। नरेंद्र मोदी की सरकार ने 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने की घोषणा की है। सरकार अपना काम कर रही है। समाज भी अपना काम करे। देश के सभी नागरिकों से भाषा संयम की न्यूनतम अपेक्षा तो कर ही सकते हैं। निःसंदेह विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का स्वागत होना चाहिए, लेकिन अभिव्यक्ति में सुंदरता चाहिए। वाक् संयम चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आदरणीय है, लेकिन इसके साथ ही संयम में रहने की भी आवश्यकता है।

यह अस्तित्व सुंदर है। हमारे होने का स्रोत और आधार यही संसार है। अस्तित्व प्रतिपल व्यक्त हो रहा है। प्रकृति में फूलों का खिलना, शिशुओं का हंसना, सूर्य का आना जाना, रात और दिन की गति अभिव्यक्ति की आजादी का हिस्सा है। गीता में श्री कृष्ण ने अर्जुन को बताया, "संसार का जितना व्यक्त भाग है, उतना ही अव्यक्त भी है। व्यक्त, अव्यक्त होता रहता है और अव्यक्त से व्यक्त।" इसीलिए मनुष्य को व्यक्ति कहते हैं। प्रकृति की सारी शक्तियां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आनंद उठाती प्रतीत होती हैं, इसलिए प्रकृति की कोई भी शक्ति नियम नहीं तोड़ती। सूरज निर्धारित समय पर उदित होता है। निर्धारित समय पर अस्त होता है। चंद्रमा भी नियम नहीं तोड़ता। पूर्णमासी से अमावस्या तक सारी गति नियमित है। हम मनुष्यों को भी जीवन का आनंद लेते हुए अपना कर्तव्य पालन करते रहना चाहिए।

वाक् स्वातंत्र्य का अधिकार बड़ा है। शब्द सत्ता बड़ी है- शब्द संयम में प्रीति होती है, रस होता है। शब्द दुरुपयोग में उत्तेजना है, भावना और आस्था पर आक्रमण है। विश्वविख्यात कलाकार एमएफ हुसैन ने सरस्वती व सीता के अश्लील चित्र बनाए थे। इसे विचार अभिव्यक्ति कहेंगे या विकार अभिव्यक्ति? सोशल मीडिया में आपत्तिजनक सामग्री की आंधी है। शब्द संयम में ही सौंदर्य प्रकट होता है और शब्द अनुशासनहीनता में अश्लीलता। सर्वोच्च न्यायालय ने 2005 में मौन रहने को भी अनुच्छेद 19(1क) के अधीन विचार अभिव्यक्ति का अधिकार बताया था। राजनीति शब्दों का ही खेल है, लेकिन राजनीतिक शब्दकोष से शालीनता के तत्व गायब हैं। यहां आरोप-प्रत्यारोप हैं। संसद और विधानमंडल में बोले गए शब्दों पर न्यायालय कार्रवाई नहीं कर सकते, इसलिए संसदीय शब्द अराजकता अपनी सीमा पार कर गई है।

वाक् स्वातंत्र्य के अधिकार का सदुपयोग सामाजिक परिवर्तन में होना चाहिए। वाद-विवाद में मधुमय संवाद की प्राचीन संस्कृति को बढ़ाना चाहिए। समाज के छोटे से हिस्से की भी भावनाओं को आहत करने वाले शब्दों का प्रयोग अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग है। इसी तरह बात-बे-बात किसी विचार, संगीत, कला, काव्य या फिल्म को लेकर हल्ला बोलना भी स्वतंत्र समाज के लिए बहुत घातक है। राष्ट्र राज्य अपना कर्तव्य निभाए और नागरिक अपना।

आधुनिकता सच्चाई है। समाज जड़ नहीं होते। गतिशील होना जगत का मूल गुण है। भारती समाज भी आधुनिक है, उसे और भी आधुनिक होना चाहिए, लेकिन आधुनिकता का अर्थ जीवन मूल्यों का यूरोपीयकरण या अमेरिकीकरण नहीं होता। कपड़ा-लत्ता, भाषा, व्यवहार और खानपान, रहन-सहन का अंधानुकरण ही आधुनिक नहीं कहा जा सकता। आखिरकार छात्रों को सोशल मीडिया को ही पूरा समय देना कहां तक उचित है? इसके व्यवस्थित संचालन के लिए नियामक आयोग जैसी संस्था अति आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट की पहल स्वागत योग्य है। भारत शब्द अराजकता से निपट सकता है। केवल सांस्कृतिक परंपरा को ही मजबूत करते हुए स्वस्थ वातावरण बनाया जा सकता है।

मोबाइल फोन बच्चों को बना रहा है आक्रामक

राजस्थान के धौलपुर जिले के कुरेंद्रा गांव में 13 साल के विष्णु ने पिता की मामूली डांट के बाद आत्महत्या कर ली। वजह सिर्फ इतनी थी कि वह मोबाइल गेम खेल रहा था और पिता ने टोक दिया। धौलपुर का यह अकेला मामला नहीं है। मध्यप्रदेश के झांसी में एक महिला ने अपने आठवीं में पढ़ने वाले बेटे की मोबाइल गेम की लत से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। मोबाइल में उलझा बच्चा पढ़ाई नहीं करता था, जिससे उसकी मां डिप्रेशन में थी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में नौवीं कक्षा की एक लडक़ी ने मोबाइल चलाने से रोके जाने पर नदी में कूदकर जान दे दी। थाणे में मोबाइल छीनने पर 16 वर्षीय लड़के ने सुसाइड कर लिया। यूपी के आजमगढ़ के एक गांव में 14 साल का किशोर मात्र इस वजह से फंदे पर झूल गया कि उसे गेम खेलने के लिए फोन नहीं मिला। पिछले साल जयपुर में एक महिला ने बेटी का मोबाइल छिपा दिया। इस बात पर मां-बेटी का झगड़ा हो गया। इसी दौरान मां ने रॉड उठा कर दे मारी, जिससे बेटी की जान चली गई।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

मोबाइल फोन की वजह से ऐसे मामले अब हर महीने, हर जिले और हर शहर से सामने आ रहे हैं। स्मार्टफोन अब एक उपकरण मात्र नहीं रहा, बल्कि वह बच्चों के दिमाग का मालिक बन गया है और बच्चों के दिमाग को बदल रहा है। इसकी वजह से बच्चों में शारीरिक समस्याएं भी बढ़ रही हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर के एक अध्ययन के मुताबिक भारत में पांच साल से कम उम्र के बच्चे औसतन 2.22 घंटे रोज स्क्रीन पर बिताते हैं। ये समय विश्व स्वास्थ्य संगठन और इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के सुझाए गए समय से दोगुना है।

यह भी चिंताजनक है कि दो साल से कम उम्र के बच्चे भी स्क्रीन पर रोज 1.23 घंटे बिता रहे हैं, जबकि इस उम्र के बच्चों के लिए डॉक्टर पूरी तरह नो स्क्रीन के पक्ष में हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों में रोज 1-1.5 घंटे से ज्यादा स्क्रीन टाइम उनके दिमाग के विकास को धीमा कर देता है। इससे भाषा सीखने की गति कम होती है। ध्यान और समझने की क्षमता घटती है, सामाजिक कौशल कमजोर पड़ते हैं और मोटापा और नींद आने की दिक्कतें बढ़ती हैं।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से दिल्ली के दो प्राइवेट स्कूलों के छात्रों पर दो वर्ष तक किए गए अध्ययन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बच्चे और किशोर झुककर घंटों मोबाइल या टैबलेट चला रहे हैं। क्लास रूम में भी छह से सात घंटे बैठने और शारीरिक व्यायाम न के बराबर होने से पॉश्चर और मांसपेशियों और हड्डियों की समस्याएं आ रही हैं।

> पिछले कुछ महीनों में मोबाइल फोन की वजह से कई बच्चों ने जान दे दी। इन सभी को मोबाइल फोन के इस्तेमाल से रोका गया था। यही नहीं, एक मां ने इसलिए खुदकुशी कर ली, क्योंकि उसका बच्चा मना करने के बावजूद लगातार फोन यूज कर रहा था।

विशेषज्ञों के अनुसार स्मार्टफोन के कारण व्यवहार में आक्रामकता, एकाकीपन, देर रात जागना, ऑनलाइन चैटिंग और वर्चुअल दुनिया में जीना अब 'सामान्य' बनता जा रहा है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मोबाइल दिमाग में वही रिएक्शन पैदा करता है, जो नशे में होता है। बार-बार डोपामाइन रिलीज होने से बच्चा वास्तविक दुनिया से कटने लगता है।

सामाजिक समरसता की प्रेरक भूमि

श्री राम जन्मभूमि मंदिर के दिव्य स्वर्णमंडित शिखर पर लहराता भगवा ध्वज हमें अपनी गौरवशाली परंपरा का स्मरण करा रहा है। इस ध्वज के नीचे हमें राम मंदिर के लिए हुए असंख्य बलिदानों का स्मरण हो जाता है। यह ध्वज भारत की आशाओं-आकांक्षाओ का ही नहीं अपितु हिंदू राष्ट्र के तेज पुंज का प्रतीक है। राम मंदिर का पावन प्रांगण सामाजिक समरसता की दिव्यता का अनुभव कराता है।

जाति-पांति पूछे नहिं कोई हरि को भजे सो हरि को होई। यह पंक्ति राम मंदिर में चरितार्थ होती है। रामलला के दर्शन का स्थान नियत है, वहीं से सबको दर्शन करना होता है। श्याम वर्ण की रामलला की मूर्ति जो गर्भगृह में स्थापित है, वह सामाजिक समरसता का प्रतीक है।

श्रीराम मंदिर के परकोटे में महर्षि अगस्त्य व महर्षि वाल्मीकि के अलावा देवी अहिल्या , निषादराज गुहा और माता शबरी का मंदिर बना है। संत तुलसीदास का मंदिर है, तो जटायु और गिलहरी की प्रतिमाएं भी स्थापित की गई हैं। इस नाते श्रीराम की जन्मभूमि सामाजिक समरसता की दिव्य भूमि व एकात्मता की सामार्थ्य भूमि बन गई है। यह संतों की पूजा भूमि, हिंदुओं की पुण्यभूमि, कारसेवकों की शौर्य भूमि, जन-जन की श्रद्धा भूमि, जन कल्याण की प्रेरणा भूमि और भारतीयता की आदर्श भूमि है।

अब यहां से युगों-युगों तक समरसता की सरिता प्रवाहित होती रहेगी। रघुवंश के परम रक्षक व राम के कुलगुरु गुरु वशिष्ठ ने परशुराम के कोप से रघुवंश की रक्षा की थी। राम के समय तक वह सशरीर अयोध्या में रहे। परकोटे में ही महर्षि विश्वामित्र का मंदिर है। यज्ञ की रक्षा के लिए राम व लक्ष्मण को वही वन में लेकर गए। सब प्रकार के अस्त्र-शस्त्र संचालन की विद्या राम को विश्वामित्र ने ही दी। भगवान शंकर से प्राप्त समस्त दिव्यास्त्र उन्होंने ही श्रीराम को दिए।

बृजनंदन राजू
वरिष्ठ पत्रकार

भगवान राम के जीवन चरित्र को सबसे पहले महर्षि वाल्मीकि ने ही देवर्षि नारद की प्रेरणा से रामायण के रूप में लिपिबद्ध करने का काम किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ध्वजारोहण के दिन सबसे पहले महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर पुष्पार्चन कर समरसता का संदेश दिया। निषाद राज गुह और राम की मित्रता से कौन परिचित नहीं है। वह राम के सखा हैं, इसलिए उनको भी स्थान दिया गया है।

देवी अहिल्या का उद्धार श्रीराम ने किया था। राम की अनन्य भक्त मां शबरी ने वनवास के दौरान श्रीराम को मीठे बेर खिलाए थे, तो शबरी का भी मंदिर है। म सेतु बंधन के समय गिलहरी ने अपना योगदान दिया था। मंदिर परिसर में एक टीले पर गिलहरी की प्रतिमा भी स्थापित की गई है। इसके अलावा परिसर में पक्षीराज जटायु की प्रतिमा भी स्थापित की गई है। लंकाधिपति रावण जब माता जानकी का हरण कर आकाश मार्ग से लंका की ओर जा रहा था, तब गिधराज जटायु ने सीता का विलाप सुनकर रावण से घनघोर युद्ध किया था। रावण ने जटायु के पंख काट दिए थे। राम की आंखों के सामने उनका शरीर छूटा। राघव ने अपने हाथों से उनकी अंतिम क्रिया संपनन्न की और पिता का दर्जा उन्हें दिया।

सभी की भूमिका से होगा लोकतंत्र स्वस्थ

देश की सुदृढ़ लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए मतदाता सूचियों का सटीक व वास्तविक होने के लिए चुनाव प्रक्रिया का पारदर्शी होना अतिआवश्यक है। सरकार मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण व हर समय किसी न किसी निकाय, विधानसभा, या लोकसभा के चुनाव चलते रहने के कारण आचार संहिता के लागू रहते विकास कार्यों के बाधित होने के प्रति एक राष्ट्र एक चुनाव की अवधारणा को स्पष्ट कर चुकी है। एक राष्ट्र एक चुनाव पर निश्चित स्तर पर संगोष्ठियां, बैठकें आयोजित कर जनता का नजरिया प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

चुनाव आयोग ने मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कराकर बिहार का चुनाव कराया। विपक्ष के तमाम तर्क-कुतर्क को दर किनार कर बिहार विधानसभा का चुनाव हुआ और उल्लेखनीय बात यह रही कि किसी भी पोलिंग बूथ पर पुनः मतदान की नौबत नहीं आई। एसआईआर के बाद बिहार चुनाव से उत्साहित राष्ट्रीय चुनाव आयोग कई प्रदेशों में एसआईआर करा रहा है। बीएलओ को एसआईआर के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए हैं। विपक्ष एसआईआर को वर्ग विशेष को परेशान करने वाली कार्रवाई बता रहा है, जबकि सत्ता पक्ष इसके माध्यम से घुसपैठियों को चिन्हित कर बाहर करने व एक ही व्यक्ति के एक से अधिक स्थान पर वोट न बनने के लिए उचित व आवश्यक मानता है।

नोटा को प्रभावी बनाने के लिए एक मत प्रतिशत निर्धारण किया जाना चाहिए और निर्धारित मत प्रतिशत नोटा का होने पर उस क्षेत्र का चुनाव रद्द घोषित कर प्रत्याशियों की पार्टियों से चुनाव व्यय वसूल कर नए प्रत्याशियों के बीच चुनाव का प्रावधान करना चाहिए।

देश की लोकसभा में नेता विपक्ष सारे देश में वोट चोरी का राग अलापते व इसके लिए जेन जी को आगे आने का आह्वान करने से भी नहीं हिचकते। मतदाता सूचियों की अशुद्धि पर हाइड्रोजन बम फोड़ रहे हैं, लेकिन एसआईआर में पार्टी कार्यकर्ताओं से सक्रिय सहभागिता की अपील नहीं करते। देश का सर्वोच्च न्यायालय एसआईआर के प्रति अपना नजरिया स्पष्ट कर चुका है तथा आवश्यक दिशा-निर्देश भी निर्गत कर चुका है, जिसके परिणामस्वरूप एसआईआर का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर में बेसिक शिक्षा राजस्व विभाग और निकाय कर्मी बतौर बीएलओ जुटे हैं और घर-घर जाकर मतदाताओं की पुष्टि, मृतकों का सत्यापन व पलायन करने वाले मतदाताओं को सूचियों से बाहर कर रहे हैं, क्योंकि पारदर्शी व वास्तविक मतदाता सूची समयबद्ध चुनाव आयोग को सौंपनी है।

सवाल यह है कि विशेष गहन पुनर्रीक्षण की आवश्यकता क्यों है? देश के लोकतंत्र के स्थायित्व के लिए मतदाता सूची निर्माण में जुटे कर्मियों का दायित्व निर्धारण कर सेवा शर्तों में दायित्व संयोजन के अनुरूप गांव, नगर पंचायत, नगर पालिका, महापालिका वार्ड नगर निगम में नागरिक रजिस्टर पर जन्म मृत्यु और मतदान की आयु प्राप्त करने वालों को मताधिकार प्रदान करने की प्रक्रिया यदि निरंतर चलाई जाए तो इस कार्य में जुटे किसी भी कर्मचारी अथवा अधिकारी पर न तो अतिरिक्त मानसिक दबाव पड़ेगा और न ही कोई अतिरिक्त व्यय होगा।

ओमकार सिंह रघुवंशी
अधिवक्ता

लोकतंत्र को स्वस्थ रखना हम सभी का दायित्व है। इसके लिए देश के प्रत्येक नागरिक से इसमें योगदान की अपेक्षा की जाती है। प्रत्येक नागरिक को मतदान के प्रति जागरूक होना ही चाहिए और मतदान न करने वालों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। कुछ बुद्धिजीवी तर्क देते हैं कि वोट देना या न देना, उनका मौलिक अधिकार है, तो उनसे निवेदन है कि वे नकारात्मकता को त्याग कर अपने वोट देने को ही मालिक अधिकार मानें।

चुनाव में भाग लेने वाले सभी राजनीतिक दल राजनीतिक व जातीय समीकरण के आधार पर अपना प्रत्याशी उतारते हैं और कभी-कभी तो ऐसा भी देखा गया है कि मतदाता को कोई भी प्रत्याशी चुने जाने के योग्य नहीं लगता, तो उसका चुनाव में भाग लेने का रुझान ही नहीं रहता और वह मतदान से दूर रहकर अपनी हताशा को जाहिर करता है। चुनाव आयोग ने ऐसे लोगों की मनोदशा का आकलन करने से लिए 'नोटा' का विकल्प दिया।

नोटा के विकल्प से यह तो पता चला कि क्षेत्र विशेष में कितने मतदाता किसी प्रत्याशी को चुने जाने के योग्य नहीं समझते, लेकिन नोटा का मत व्यक्त करने वालों को नजरअंदाज कर डाले गए मतपत्रों की गणना के आधार पर बहुमत पाने वाले प्रत्याशी को चयनित घोषित कर दिया जाता है। इस तरह नोटा का कोई अर्थ ही नहीं है, तो ऐसा मतदाता लाइन में अपनी बारी का इंतजार कर मतदान करे ही क्यों?

अंतरशक्तियों के जागरण से मीरा अमृत की तरह पी गईं जहर

भक्तिकाल की कवयित्री तथा संतों की सूची में 'मीराबाई' का नाम शामिल है। मीरा थीं तो राजघराने की, लेकिन मीरा की स्थिति-परिस्थिति देखकर तो प्रतीत होता है कि उनमें शिवत्व का वास था, क्योंकि धर्मग्रंथों में विष का संबंध या तो देवाधिदेव शिव से मिलता है या मीरा से। जहां देव-समूह की रक्षा के लिए शिवजी बड़े आह्लाद के साथ विषपान करते हैं, वहीं कृष्ण की भक्ति के बल पर उन्हें विष दिया गया, तो उसे उसमें देव-तत्व का अमृत मिलाकर मीरा पी गईं।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

मीरा के जीवन का इतिहास है कि उच्चस्तरीय परिवार में उनका विवाह हुआ। राजमहल में रहने वाली मीरा पर जन्म-जन्मांतर की भक्ति का असर था, लिहाजा वह जोगन (योगी) बन गईं। इस कथ्य पर गौर किया जाए तो मनुष्य का शरीर किसी राजमहल से कम नहीं है। इस महल में दस द्वार और सात झरोखे हैं। द्वार के रूप में दस ज्ञानेंद्रियां और कर्मेन्द्रियां हैं तो सात झरोखों में मूलाधार, स्वाधिष्ठान, मणिपुर, अनहत, विशुद्ध, आज्ञा और सहस्रार चक्र शामिल हैं।

मीरा का जोगन बनना यह प्रमाणित करता है कि बाह्यजगत के बजाय अंतर्जगत में स्थित होकर इन चक्रों को उन्होंने जागृत कर लिया। योग दर्शन में इन चक्रों को साधने को ही कुंडलिनी जागरण भी कहते हैं। मीरा के अत्यंत प्रचलित भजन में एक पद 'महलों में पली बन के जोगन चली, मीरा गली गली हरि गुण गाने लगी...' का उल्लेख है, जिसका सीधा अर्थ है कि मीरा ने अंतर्जगत में स्थित आह्लाद रूप में स्थित ईश्वरीय शक्तियों से जब संबंध बनाया तो शरीर की नस-नाड़ियों के रूप में जितनी गलियां हैं, सब से गोविंद शब्द स्वतः निकलने लगा।

योग की सिद्धि में रोम-रोम से 'ऊँ' और 'राम' की गूंज होने लगती है। इसी 'राम' गूंज को डाकू जीवन जी रहे रत्नाकर को महर्षि नारद ने बताया और इसकी साधना कराई तो डाकू प्रवृत्ति छूट गई तथा ऋषित्व भाव जागृत हो गया। फिर तो वाल्मीकि होकर रामायण की रचना की तथा प्रथम कवि कहलाए।

मीरा की अंतरशक्तियों के जागरण का यह परिणाम रहा कि वह जहर को अमृत की तरह पी तो गईं ही, साथ ही समुद्र के खारापन को दूर करने के लिए मीठी सरिता का मिलन करा दिया।

कंपनियों के 'लचीलेपन' से दबाव में काम कर रहे कर्मचारी

दफ्तर अब चहारदीवारों तक सीमित नहीं रह गए हैं। कभी कंप्यूटर स्क्रीन के सामने, तो कभी फोन के कैमरे पर, तो कभी घर के डाइनिंग टेबल पर ही मीटिंग शुरू हो जाती है। वैश्विक प्रतिस्पर्धा, तकनीकी क्रांति और कारोबारी प्राथमिकताओं के बदलते समीकरण ने नौकरी और करियर की दुनिया को बिल्कुल नई शक्ल दी है। एक पीढ़ी पहले जिन अवसरों की कल्पना भी मुश्किल थी, वे आज दरवाज़े पर दस्तक दे रहे हैं, लेकिन इस उजली तस्वीर के पीछे एक साया भी है। लगातार बढ़ता दबाव, अस्थिरता का डर और वह असर, जो हमारे जीवन के बाकी हिस्सों तक पहुंच रहा है।

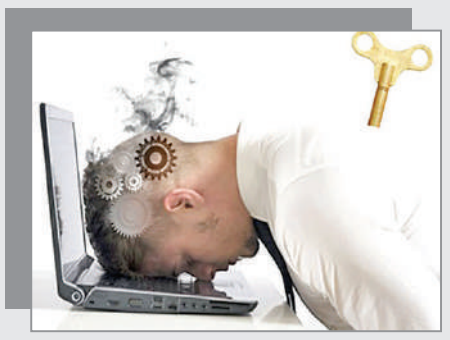

कभी 'पक्की नौकरी' सुनकर मन में एक सुकून उतर आता था। आज यह शब्द बहुतों के लिए बीते समय की कहानी हो चुका है या मूल रूप से सरकारी नौकरियों के संदर्भ में ही उचित लगता है। स्थायी पदों की जगह अब ठेका, कॉन्ट्रैक्ट, आउटसोर्सिंग और गिग वर्कर ने ले ली है। कंपनियां इसे 'लचीलापन' कहती हैं, लेकिन इस लचीलेपन की कीमत कर्मचारी अपने भविष्य की अनिश्चितता और लगातार बढ़ते दबाव से चुकाते हैं। हर समय यह चिंता साथ रहती है, कहीं प्रदर्शन में कमी न रह जाए, कहीं पद न चला जाए। शहरों में लाखों लोग ऊंची डिग्री लेकर भी ऐसे काम कर रहे हैं, जो उनके ज्ञान और योग्यता से मेल नहीं खाते, जबकि दूसरी तरफ़ कंपनियां कहती हैं कि उन्हें सही कौशल वाले लोग नहीं मिल रहे। यह असंगति न केवल नौकरी के आनंद को कम करती है, बल्कि आत्मविश्वास को भी चोट पहुंचाती है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर
मथुरा

दफ्तर के माहौल में भी बदलाव साफ़ है। अब समय पर काम पूरा करना 'बेसिक' है। असली अपेक्षा है हर वक्त उपलब्ध रहना, हर संदेश का जवाब तुरंत देना और हर कॉल उठाना। चाहे वह रात हो या छुट्टी का दिन। वर्क-फ्रॉम-होम और तेज़ डिजिटल कनेक्टिविटी ने काम को घर का स्थायी मेहमान बना दिया है। जो मोबाइल और ईमेल कभी सुविधा के प्रतीक थे, अब दबाव के प्रतीक बन चुके हैं।

कहानी यहीं खत्म नहीं होती। इसका असर हमारे परिवार, रिश्तों और सामाजिक जीवन तक जाता है। क्वालिटी ऑफ वर्क लाइफ का मतलब सिर्फ़ अच्छा वेतन या सुविधाजनक दफ्तर नहीं है। इसमें शामिल है सम्मानजनक माहौल, प्रबंधन का व्यवहार, सीखने और आगे बढ़ने के मौके और सबसे अहम, निजी समय का सम्मान। जब काम की मांग इन सब पर हावी हो जाती है, तो घर के दृश्य भी बदल जाते हैं। बच्चों के साथ खेलने का वक़्त, बुजुर्ग माता-पिता की बातें सुनने का सुकून, पति-पत्नी के बीच का खुला संवाद, दोस्तों से मिलने-जुलने का मौका, सब धीरे-धीरे सिमटने लगता है।

दुनिया में इस प्रवृत्ति को बदलने की कोशिशें हो रही हैं। फ्रांस और स्पेन में 'राइट टू डिस्कनेक्ट' कानून है, जो कर्मचारियों को कार्य समय के बाद डिजिटल रूप से अलग रहने का अधिकार देता है। जापान में 'प्रोडक्टिविटी विद वेल-बीइंग' मॉडल पर काम हो रहा है, जिसमें कर्मचारियों का स्वास्थ्य कंपनी की प्रतिस्पर्धा का हिस्सा माना जा रहा है। आइसलैंड और ब्रिटेन में 'फोर डे वीक' के प्रयोग से पता चला कि कार्य-दिवस कम करने से उत्पादन और रचनात्मकता घटती नहीं, बल्कि कई बार बढ़ती है।

भारत के लिए यह चर्चा और भी अहम है, क्योंकि यहां कार्यबल का बड़ा हिस्सा युवा हैं और देश की आर्थिक रफ्तार इन्हीं कंधों पर टिकी है। ऐसे में वर्क-लाइफ़ बैलेंस का सवाल सिर्फ़ कर्मचारियों की सुविधा का नहीं, बल्कि आने वाले दशकों की आर्थिक स्थिरता का है। समाधान के तीन बड़े स्तंभ हैं, शिक्षा और उद्योग के बीच कौशल का मेल, श्रम नीतियों में स्पष्ट और मानवीय सीमाएं और कंपनियों में कर्मचारी कल्याण को प्राथमिकता देना, लेकिन बात केवल नीतियों तक सीमित नहीं है। असली बदलाव तब होगा जब दफ्तर की संस्कृति बदले, प्रबंधन की सोच में परिपक्वता आए और कर्मचारियों के समय और ऊर्जा का सम्मान किया जाए। संतुलन सिर्फ़ व्यक्तिगत आदत नहीं है, यह उस पूरे माहौल का परिणाम है जिसमें व्यक्ति काम करता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

इस सर्दी ट्रेंड में रहेंगे ये
ड्रीमी हेयर कलर

सर्दियों का मौसम शुरू हो गया है। इस मौसम में वूमेन फैशेनेबल गर्म कपड़ों पर खूब ध्यान देती हैं, लेकिन हेयर कलर को लेकर वह ज्यादा नहीं सोचतीं। यह आपको एक नया और शानदार लुक देने का भी सही समय है। इस सर्दी में हेयर कलरिंग की दुनिया में कुछ रोमांचक बदलाव देखने को मिलेंगे। इस बार सारा जोर ऐसे रंगों पर होगा, जो आपके प्राकृतिक रूप को निखारते हुए शानदार लुक दें। इस सीजन के ट्रेंड्स गहरे, चमकदार रंगों के साथ ही सोच-समझकर किए गए फ्यूजन पर होगा। हेरिटेज गोल्ड (सर्दियों की धूप से प्रेरित) से लेकर गॉथिक ब्रुनेट तक, हर किसी के लिए एक नया हेयर कलर है।

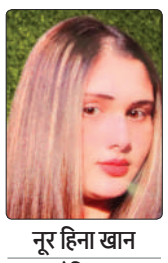

नूर हिना खान
लेखिका

ख्याल रखने वाली बातें

सर्दियों के महीनों में रंगीन बालों को अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है, ताकि वे स्वस्थ और जीवंत बने रहें।

- अपने बालों के रंग को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए सल्फेट-मुक्त शैंपू और कंडीशनर का उपयोग करें।
- सर्दियों की शुष्क हवा बालों को सुखा सकती है। हाइड्रेटिंग हेयर मास्क और तेलों का नियमित रूप से उपयोग करें।
- अत्यधिक हीट स्टाइलिंग से रंग फीका पड़ सकता है और बाल खराब हो सकते हैं। हीट प्रोटेक्टेंट स्प्रे का उपयोग करें और कम तापमान पर स्टाइल करें।

गोल्डन स्ट्रॉबेरी ब्लोंड

यह एक ऐसा हेयर कलर है, जिसकी चमक और धूप वाली वाइब्स की वजह से कुछ ऐसा लुक आता है, जो सर्दियों के फीके महीनों को चटख बना देगा। यह शेड ब्लोंड की चमक को कॉपर वार्मथ के साथ मिलाता है, जिससे एक ग्लोइंग लुक मिलता है, जो फ्रेश लगता है। यह उन लोगों के लिए बहुत अच्छा है, जो वार्मथ और डेप्थ चाहते हैं, या उन ब्रुनेट्स के लिए जो थोड़ा लाइटर होना चाहती हैं। बस गोल्डन कॉपर अंडरटोन या फेस-फ्रेमिंग पीस वाला वार्म हनी बेस मांगें।

हेरिटेज गोल्ड

यह हेयर कलर ट्रेंड पुराने ज़माने से लिया गया है। यह एक हल्का ब्लॉन्ड है, जो रेट्रो और नॉस्टैल्जिक लगता है, फिर भी फ्रेश है। ठंडे महीनों के लिए यह एकदम सही है। यह हल्की गर्माहट देता है। यह नेचुरल ब्लॉन्ड या ब्रुनेट के लिए सबसे अच्छा काम करता है, जो डेप्थ और मीडियम कंट्रास्ट बनाए रखते हुए मैच्योर, एलिगेंट तरीके से गर्माहट जोड़ना चाहते हैं। अपने कलरिस्ट से हाइलाइट्स के बाद म्यूट गोल्डन बैलेज या वार्म ग्लॉस लगाने के लिए कहें, ताकि आपके बालों में रिचनेस वापस आ सके।

गॉथिक ब्रुनेट

गॉथिक ब्रुनेट शेड उन लोगों के लिए सबसे अच्छा काम करता है, जिनका बेस नैचुरली डार्क होता है। आप अपने कलरिस्ट से एस्प्रेसो या ब्लैक चेरी-टोंड ग्लॉस मांगें, ताकि आपका नैचुरल कलर एक या दो शेड और गहरा हो जाए। बाल जितने डार्क होंगे, लाइट में उतने ही ग्लॉसी दिखेंगे।

म्यूटेड मिड

म्यूटेड मिड असल में सॉफ्ट, न्यूट्रल-वार्म शेड्स जो ब्लॉन्ड, ब्रुनेट और कॉपर के बीच आते हैं, सबसे ऊपर रहेंगे। यह सभी हालिया ट्रेंड्स का एक फ्यूज़न है, लेकिन जानबूझकर हल्का और बिना किसी शर्त के। इस तरह के शेड्स कम मेंटेनेंस वाले, वर्सेटाइल और शानदार होते हैं। बस अपनी पसंद के शेड के लिए एक नेचुरल मिट्टी जैसा अंडरटोन मांगें और इसे ग्लॉसिंग ट्रीटमेंट से बनाए रखें, ताकि फिनिश रिफाइंड रहे और रंग चमकदार और खास दिखे।

मशरूम मोका

यह अर्थियर शेड एक कूल-न्यूट्रल ब्लेंड है, जो डायमेंशन जोड़ता है और ब्रुनेट बालों को एक क्लासी लुक देता है। यह कई तरह की स्किन टोन पर अच्छा लगता है और आसानी से बढ़ता है, जिससे यह उन लोगों के लिए परफेक्ट है, जो कम मेंटेनेंस वाला कलर चाहते हैं। आप अपने कलरिस्ट से पूरे बालों में ऐश बैलेज के साथ एक न्यूट्रल ब्रुनेट बेस मांगें। इससे मोचा-टोंड ट्रांजिशन में आसानी होगी।

हनी बटर ब्लोंड

हनी बटर ब्लोंड सर्दियों में छा जाने वाला है, क्योंकि वार्म, क्रीमी शेड्स आखिरकार फिर से स्पॉटलाइट में आ रहे हैं। इस शेड को सॉफ्ट कैंडललाइट ग्लो से डिफाइन किया जाता है, जो मूडी मौसम में बालों में चमक और शाइन लाता है। लुक पाने के लिए, अपने कलरिस्ट से वार्म-न्यूट्रल ब्लोंड के लिए कहें, जिसमें हल्का गोल्डन डायमेंशन और ग्लॉसी फिनिश हो, ताकि बटर जैसी गर्माहट बढ़े।

चेरी कोला ब्रुनेट

चेरी कोला ब्रुनेट इस सर्दी में खास तौर से देखने लायक शेड है। यह सब चेरी टोन की गहरी और हल्के हिंट की वजह से है। यह गहरे बालों को बिना पूरी तरह लाल हुए एक मूडी, पॉलिश्ड ग्लो देता है, जो इसे उन ब्रुनेट्स के लिए एक बढ़िया ऑप्शन बनाता है, जो कुछ नया चाहती हैं। अच्छी बात यह है कि चेरी कोला ब्रुनेट सभी पर सूट करता है। अपने स्टाइलिस्ट से डीप ब्रुनेट बेस के लिए कहें, जिसे सॉफ्ट वायलेट-रेड लोलाइट्स या चेरी-टोंड ग्लॉस से बेहतर बनाया गया हो, ताकि कोला जैसी रिचनेस मिल सके।

मॉडल आफ द वीक

नाम: आंचल स्वरूप

टाउन: कानपुर

एजुकेशन: स्नातक

अचीवमेंट: मिस ग्लैम ऑफ उत्तर प्रदेश 1st रनर अप

ड्रीम: प्रोफेशनल मॉडलिंग, एक्टर

जिंदगी का सफर

बॉलीवुड के हीमैन 'गरम धरम'

धर्मेंद्र सिंह देओल बॉलीवुड के 'हीमैन' थे। फिल्मों में उनके गुस्से से भरी खास डायलॉग डिलीवरी की वजह से ही उन्हें 'गरम धरम' भी कहा जाता था। वह भारतीय सिनेमा के सबसे लोकप्रिय और प्रभावशाली अभिनेताओं में से एक थे। पंजाब के एक छोटे से गांव से आकर फिल्मी दुनिया में आला मुकाम बनाना उनकी दृढ़ता और जुनून की कहानी है।

धर्मेंद्र का जन्म आठ दिसंबर, 1935 को पंजाब के लुधियाना जिले के नसराली गांव में हुआ था। उनके पिता, केवल कृष्ण सिंह देओल, सरकारी स्कूल में हेडमास्टर थे। धर्मेंद्र ने अपनी मैट्रिक तक की पढ़ाई पंजाब में ही पूरी की। बचपन से ही उन्हें फिल्मों का शौक था और दिलीप कुमार की फिल्म 'शहीद' देखकर उन्होंने अभिनेता बनने का सपना देखा। अपने सपने को पूरा करने के लिए, वह फिल्मफेयर की 'न्यू टैलेंट' प्रतियोगिता में चुने जाने के बाद मुंबई आ गए। मुंबई में शुरुआती संघर्ष के बाद, धर्मेंद्र ने 1960 में फिल्म 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। 1960 के दशक में उन्होंने रोमांटिक हीरो की भूमिकाएं निभाईं, लेकिन 1970 के दशक में वह एक्शन हीरो के रूप में उभरे। उनकी बहुमुखी प्रतिभा ने उन्हें हर तरह की भूमिकाओं में चमकने का मौका दिया।

धर्मेंद्र के करियर में मील का पत्थर साबित हुई 1975 की ब्लॉक बस्टर फिल्म 'शोले'। इसमें 'वीरू' का उनका किरदार आज भी अमर है। उन्होंने 300 से अधिक फिल्मों में काम किया, जिनमें 'सत्यकाम', 'चुपके चुपके', 'यमला पगला दीवाना' जैसी कई सफल फिल्में शामिल

हैं। धर्मेंद्र ने आखिरी समय तक अभिनय नहीं छोड़ा था। उनके निधन के बाद उनकी आखिरी फिल्म रिलीज होगी। उसका नाम है 'इक्कीस'। उन्हें 1997 में भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा साल 2012 में उन्हें भारत सरकार ने पद्म भूषण से सम्मानित किया था।

धर्मेंद्र ने दो शादियां कीं। उनकी पहली पत्नी प्रकाश कौर हैं, जिनसे उन्हें सनी देओल, बॉबी देओल और दो बेटियां हैं। बाद में, उन्होंने अभिनेत्री हेमा मालिनी से शादी की, जिनसे उनकी दो बेटियां ईशा और अहाना देओल हैं। अभिनय के अलावा, वह एक सफल निर्माता और राजनीतिज्ञ भी रहे। उन्होंने 2004 से 2009 तक बीकानेर से संसद सदस्य के रूप में कार्य किया।

इंडिगो शुरू करेगी कई नई उड़ानें

नई दिल्ली। इंडिगो ने शनिवार को नवी मुंबई एयरपोर्ट से अतिरिक्त उड़ानों की घोषणा की। वाणिज्यिक उड़ानें 25 दिसंबर से शुरू होंगी। इंडिगो ने बताया कि वह 26 दिसंबर से नवी मुंबई से उत्तरी गोवा (मोपा) के लिए उड़ान शुरू करेगी जो सोमवार और गुरुवार छोड़कर सप्ताह में पांच दिन उपलब्ध होगी। 29 दिसंबर से कोयंबटूर और चेन्नई के लिए दैनिक उड़ानें शुरू की जाएंगी।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार ,30 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

कॉरपोरेट प्रावधानों का पालन न करने पर जीआरएसई को नोटिस

कोलकाता। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) को शनिवार को बताया कि उसे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बीएसई से नोटिस मिला है। ये नोटिस 30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही में सेबी के सूचीबद्धता नियमों के तहत कंपनी प्रशासन के कई प्रावधानों का पालन न करने के कारण मिला है। शेयर बाजार को दी जानकारी में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने कहा कि दोनों शेयर बाजारों ने विनियम 17(1), 18(1) तथा 19(1)/19(2) के उल्लंघन को चिह्नित किया है। इन उल्लंघनों में स्वतंत्र निदेशकों की अनिवार्य उपस्थिति, लेखा परीक्षा समिति तथा नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति के गठन से जुड़े नियम शामिल हैं।

लेंसकार्ट का मुनाफा दूसरी तिमाही में 20 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। चश्मे और आंखों की देखभाल से जुड़े उत्पाद बेचने वाली कंपनी लेंसकार्ट सॉल्यूशंस ने शनिवार को बताया कि 30 सितंबर, 2025 को समाप्त हुई चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 19.8 प्रतिशत बढ़कर 103.4 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने एक साल पहले इसी अवधि में 86.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। लेंसकार्ट ने समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन से एकीकृत आय में 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। यह आंकड़ा सालाना आधार पर 1,735.68 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,096.14 करोड़ हो गया।

तेलंगाना को 1.39 लाख मेगावाट बिजली की जरूरत

हैदराबाद। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस सरकार के लक्ष्य के अनुसार तेलंगाना को 2047 तक तीन हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए राज्य को 1,39,310 मेगावाट बिजली की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य को हर साल 13 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि और 10 प्रतिशत बिजली मांग वृद्धि दर्ज करनी होगी।

महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात के लिए 80 करोड़ डॉलर का ऋण देगा एडीबी

परियोजनाओं के लिए होगा इस्तेमाल, भारत सरकार के साथ एमओयू पर साइन

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में विभिन्न परियोजनाओं के लिए लगभग 80 करोड़ डॉलर का ऋण देगा। एडीबी ने इस संबंध में शुक्रवार को भारत सरकार के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये। वार्ता के दौरान केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व आर्थिक मामलों के विभाग के संयुक्त सचिव (एडीबी और जापान) ने किया।

भारत की ओर से विभाग के उपसचिव सौरभ सिंह और एडीबी की ओर से भारत में मिशन की निदेशक मियो ओका ने समझौतों पर हस्ताक्षर किए। एक समझौता महाराष्ट्र में बिजली वितरण से जुड़ा है जिसके लिए 50 करोड़ डॉलर का ऋण दिया जायेगा। इंदौर में मेट्रो रेल परियोजना के लिए 19.06 करोड़ डॉलर और गुजरात कौशल विकास कार्यक्रम के लिए करीब 11 करोड़ डॉलर का कर्ज मिलेगा। इसके अलावा, 10 लाख डॉलर की तकनीकी सहायता अनुदान पर भी हस्ताक्षर किए गए जो असम में आगामी सस्टेनेबल वेटलैंड एंड इंटिग्रेटेड फिशरीज ट्रांसफ़ॉर्मेशन (स्विफ्ट) परियोजना के कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करेगा। यह परियोजना राज्य के वेटलैंड पारिस्थितिक तंत्र और मत्स्य संसाधनों को सुदृढ़ करने के लिए बनाई गई है।

● महाराष्ट्र को मिलेगा सर्वाधिक 50 करोड़ डॉलर का ऋण

महाराष्ट्र में बिजली परियोजना के तहत ग्रामीण बिजली अवसंरचना का आधुनिकीकरण करना, विकेन्द्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना और किसानों को सिंचाई के लिए दिन में सौर ऊर्जा आधारित विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराकर कृषि उत्पादकता में सुधार करना है। इंदौर मेट्रो परियोजना के तहत 27,14,72,00,000 जापानी येन (19.06 करोड़ डॉलर) से 8.62 किमी लंबी भूमिगत मेट्रो लाइन के निर्माण के लिए धन उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें सात स्टेशन होंगे। यह लाइन इंदौर के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों को हवाई अड्डे से जोड़ेगी। परियोजना में बस और फीडर सेवाओं के साथ मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन शामिल है, जिससे शैक्षणिक संस्थानों और बाजारों तक पहुंच आसान होगी।

गुजरात कौशल विकास कार्यक्रम के तहत राज्य की कार्यशक्ति को ऐसे उन्नत, उद्योग-उन्मुख कौशल प्रदान किया जायेगा जो उच्च-विकास वाले क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों को बढ़ाते हैं। इन क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स, ऑटोमोबाइल, विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और एग्री-टेक शामिल हैं।

अक्टूबर में हवाई यात्रा की मांग 6.6 % बढ़ी

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर अक्टूबर में हवाई यात्रा की मांग में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई जिसमें अंतर्राष्ट्रीय मांग 8.5 प्रतिशत और घरेलू यात्रा की मांग 3.4 प्रतिशत बढ़ी है। हवाई यात्रा की मांग को राजस्व यात्री किमी के रूप में मापा जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में 2024 के मुकाबले अक्टूबर 2025 में मांग 6.6 प्रतिशत बढ़ी है। कुल क्षमता (उपलब्ध सीट किमी) 5.8 और लोड फैक्टर (भरी सीटों का अनुपात) 84.6 प्रतिशत पर पहुंच गया जो एक साल पहले के मुकाबले 0.7 प्रतिशत अधिक है।

टीयर-2 शहरों में घरों की बिक्री चार प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। देश के 15 प्रमुख टीयर-2 शहरों में जुलाई-सितंबर तिमाही में घरों की बिक्री मूल्य के लिहाज से चार प्रतिशत बढ़कर 37,409 करोड़ रुपये हो गई, जबकि बिकने वाली इकाइयों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई।

रियल एस्टेट डेटा मंच प्रॉपइक्विटी के आंकड़ों के मुताबिक इन 15 शहरों में कुल घरों की बिक्री पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में चार प्रतिशत घटकर 39,201 रह गई। इन 15 टीयर-2 शहरों में अहमदाबाद, सूरत, गांधीनगर, वडोदरा, जयपुर, नासिक, नागपुर, मोहाली, भुवनेश्वर, लखनऊ, भोपाल, कोयंबटूर, गोवा, तिरुवनंतपुरम और कोच्चि शामिल हैं। नए आवास आपूर्ति में सालाना 10 प्रतिशत की गिरावट आई और यह सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही में 28,721 इकाइयों तक रह गई। प्रॉपइक्विटी के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी समीर जसूजा ने कहा, टीयर-2 शहर भारत की विकास गाथा के प्रमुख इंजन बने हुए हैं।

सरकारी सुधारों, विनिर्माण प्रोत्साहन से दूसरी तिमाही की वृद्धि दर 8.2% हुई

वडोदरा, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि कारोबारी सुगमता बढ़ाने के लिए सरकार की ओर से उठाए गए अनेक कदमों और सुधारों की वजह से चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में अर्थव्यवस्था ने 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। गोयल ने कहा कि वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता के बावजूद देश का निर्यात भी अच्छी वृद्धि दर्ज कर रहा है।

उन्होंने यहां सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय पदयात्रा में भाग लिया और इस दौरान कहा, 8.2 प्रतिशत की यह वृद्धि सरकार द्वारा किए गए ढेर सारे सुधारात्मक उपायों को दर्शाती है। घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और कारोबार में सुगमता लाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। गुजरात सरकार इस पदयात्रा का आयोजन करमसद से राज्य के नर्मदा जिले स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक सरदार पटेल की जयंती के

● वडोदरा में आयोजित कार्यक्रम में बोले वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री

उपलक्ष्य में कर रही है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि दर उन दावों का खंडन करती है जो कुछ वर्गों द्वारा किए जा रहे थे, और यह दर्शाती है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। गोयल ने कहा, हम निरंतर और मजबूत वृद्धि देखते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्टूबर अवधि के दौरान भारत के माल और सेवाओं के निर्यात ने भी उच्च वृद्धि दर्ज की है। अप्रैल-अक्टूबर अवधि में माल निर्यात मामूली 0.63 प्रतिशत बढ़कर 254.25 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 6.37 प्रतिशत बढ़कर 451.08 अरब डॉलर रहा।

क्रिसिल ने जीडीपी वृद्धि अनुमान बढ़ाकर सात प्रतिशत किया

कोलकाता। क्रिसिल ने चालू वित्त वर्ष के लिए देश की जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है। यह फैसला पहली छमाही में अपेक्षा से ज्यादा आठ प्रतिशत वृद्धि के बाद लिया गया है। क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री धर्मकीर्ति जोशी ने कहा कि दूसरी तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 8.2 प्रतिशत रही, जो अनुमान से अधिक है। हालांकि मुद्रास्फीति में नरमी के कारण चालू कीमतों पर जीडीपी वृद्धि 8.7 प्रतिशत ही रही। जोशी ने बताया कि पहली छमाही में आठ प्रतिशत वृद्धि हुई है और दूसरी छमाही में अमेरिकी शुल्क बढ़ने के असर से वृद्धि के 6.1 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। क्रिसिल के अनुसार वास्तविक जीडीपी की ऊंची वृद्धि की मुख्य वजह निजी खपत रही। आपूर्ति पक्ष से देखें तो विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की वृद्धि में उल्लेखनीय तेजी आई। जोशी ने कहा कि खाद्य मुद्रास्फीति कम होने से देश में वैकल्पिक खर्च बढ़ा है।

एसुस दूसरी तिमाही में भारत की दूसरी सबसे बड़ी कंज्यूमर नोटबुक कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी

ताइवान की प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनी एसुस इंडिया ने वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के लिए भारत में कंज्यूमर नोटबुक कंपनी के रूप में दूसरा स्थान हासिल कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। आईडीसी क्वार्टरली पर्सनल कम्प्यूटिंग डिवाइस ट्रैकर, 2025 क्यू3 की रैंकिंग में उसने यह उपलब्धि हासिल की है।

कंपनी ने कहा कि इस बात से स्पष्ट है कि एसुस हर साल उल्लेखनीय वृद्धि कर रहा है। यह वृद्धि ब्रांड के प्रति ग्राहकों के भरोसे को बनाए रखने, प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के विस्तार और देश के 600 से अधिक जिलों में खुदरा टचपॉइंट्स बढ़ाने के प्रयासों का परिणाम है। कहा गया है कि एसुस इंडिया ने एसुस एआई पीसी, कंज्यूमर और गेमिंग नोटबुक्स के साथ-साथ एआईओ, डेस्कटॉप और एक्सेसरीज़

श्रेणियों में महत्वपूर्ण नवाचार पेश किए हैं। इस साल कंपनी ने मल्टी-कलर विवोबुक, आरओजी एली एक्स और कई सफल अभियानों की शुरुआत की जो काफी लोकप्रिय हुए। एआईओ सेग्मेंट में भी इसने बाजार में दबदबा बनाये रखा और प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर सबसे ज्यादा बिकने वाले उत्पाद में शामिल रहा। एसुस इंडिया ने सबसे हल्का कोपायलट प्लस पीसी, आरओजी एली ज़ेनबुक ए14 लॉन्च किया और भारत में एनवीडिया आरटीएक्स 5000 सीरीज़ में नंबर एक बाजार हिस्सेदारी हासिल की।

मछली पालन पर आधारित स्टार्ट अप व इनोवेशन के लिए साझेदारी

कोच्चि। मत्स्य पालन पर आधारित स्टार्टअप्स और इस क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज टेक्नोलॉजी ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस साझेदारी के तहत आईसीएआर-सीआईएफटी का जेडटीएम-एबीआई सेंटर राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय केंद्र (नेशनल-लेवल कोऑर्डिनेशन हब) की भूमिका निभाएगा। यह केंद्र योग्य उद्यमियों की पहचान करेगा तथा उन्हें तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण और मेंटरिंग प्रदान करेगा।

जेडटीएम-एबीआई में पंजीकृत स्टार्टअप्स को एसबीआई से वित्तीय सहायता प्राप्त करने में प्राथमिकता दी जाएगी। इसमें वर्किंग कैपिटल, टर्म लोन तथा स्टार्टअप फाइनेंसिंग जैसी सुविधाएँ शामिल हैं, जो प्रोजेक्ट की पात्रता और बैंक के मानदंडों के अधीन होंगी। अधिकारियों के अनुसार इस सहयोग से मत्स्य पालन क्षेत्र में नवाचार को गति मिलेगी तथा स्टार्टअप्स की वृद्धि और इंडस्ट्री के विकास को मजबूत बढ़ावा मिलेगा।

राष्ट्रीय

शीतकालीन सत्र में भी सुनाई देगी एसआईआर की गूंज

दिल्ली में विस्फोट, वायु प्रदूषण और नए श्रम कानूनों के मुद्दे भी विपक्ष की लिस्ट में, भाजपा बना रही जवाबी रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष के मौजूदा तेवरों को देखते हुए संसद के शीतकालीन सत्र में भी इसके छाए रहने की संभावना है। इस सत्र में विपक्ष दिल्ली कार विस्फोट, राजधानी दिल्ली में प्रदूषण की समस्या और नए श्रम कानूनों जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाएगा। विपक्ष और सरकार ने सोमवार से शुरू हो रहे संक्षिप्त सत्र के लिए कमर कस ली है और दोनों पक्ष अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुटे हैं।

शीतकालीन सत्र एक दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा और इस दौरान केवल 15 बैठकें होंगी। विपक्ष सत्र को संक्षिप्त रखे जाने पर भी सरकार पर हमलावर है। सरकार ने जहां इस सत्र में कॉरपोरेट कानून, परमाणु ऊर्जा और शिक्षा सहित दस विधेयकों को पारित कराने का एजेंडा तैयार किया है वहीं विपक्ष एसआईआर, ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगातार किए जा रहे दावों, चीन के साथ संबंधों, आतंकवाद, प्रदूषण और अन्य मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की तैयारी में है। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, समाजवादी पार्टी और कुछ अन्य दलों ने एसआईआर के मुद्दे पर सरकार और चुनाव आयोग के बीच सांठ-गांठ का आरोप लगाते हुए इसे संसद में जोर शोर से उठाने का संकेत दिया है। एसआईआर के मुद्दे पर तृणमूल के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकात भी की है।

विपक्ष एसआईआर के दौरान बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) पर दबाव का मुद्दा भी उठा रहा है। कांग्रेस ने शीतकालीन सत्र से पहले संसद में पार्टी की रणनीति बनाने के लिए रविवार को पार्टी संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के आवास पर 'संसदीय रणनीतिक समूह' की बैठक बुलाई है। संकेत है कि कांग्रेस अन्य विपक्षी दलों के साथ राज्यसभा और लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बार-बार किये जा रहे दावों, चीन के साथ व्यावसायिक संबंधों तथा अन्य मुद्दों पर चर्चा की मांग करेगी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी दिल्ली में प्रदूषण को गंभीर मुद्दा बताते हुए सीधे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इस पर संसद में चर्चा कराने की मांग कर चुके हैं। दूसरी ओर सत्तारूढ़ भाजपा ने भी सत्र की रणनीति बनाने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर बुधवार को पार्टी नेताओं के साथ बैठक की। संसदीय कार्य मंत्री किरेण रिजिजू ने संसद सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार की ओर से रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

● कल से शुरू होने जा रहे सत्र के लिए बनाई जा रही है रणनीति

एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा कराने से इन्कार कर चुकी है सरकार

सरकार की ओर से बार-बार यह स्पष्ट किया जा चुका है कि वह राष्ट्रीय हित के सभी मुद्दों पर नियमानुसार संसद में चर्चा कराने को तैयार है। एसआईआर के मुद्दे को चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक निकास की प्रक्रिया का हिस्सा बताते हुए सरकार का कहना है कि इस पर संसद में चर्चा नहीं कराई जा सकती। सरकार का यह भी कहना है कि एसआईआर का मामला उच्चतम न्यायालय के समक्ष भी है। पिछले सत्र में भी इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग को लेकर विपक्ष ने संसद की कार्यवाही में बाधा डाली थी। सत्र के दौरान सरकार के एजेंडे में 12 विधेयक विचार के लिए सूचीबद्ध हैं जिनमें से दो जनविश्वास (प्रावधानों का संशोधन) विधेयक, 2025 और दिवालिया एवं दिवालियापन संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025 पहले से ही लोकसभा की प्रवर समिति के पास हैं।

इन विधेयक पर होगा फैसला

सत्र के दौरान पेश किये जाने वाले विधेयकों में कॉरपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक 2025, सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड विधेयक 2025, बीमा कानून (संशोधन) विधेयक 2025, मणिपुर जीएसटी (संशोधन) विधेयक 2025, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा आयोग विधेयक 2025, परमाणु ऊर्जा विधेयक 2025, राष्ट्रीय राजमार्ग (संशोधन) विधेयक, 2025, निरसन एवं संशोधन विधेयक 2025, मध्यस्थता एवं सुलह (संशोधन) विधेयक 2025 शामिल है।

पुतिन के आने से पहले रूसी संसद भारत के साथ दे सकती है सैन्य समझौते को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अगले महीने होने वाली बहुप्रतीक्षित भारत यात्रा से पहले रूसी संसद के निचले सदन स्टेट डूमा में भारत के साथ एक महत्वपूर्ण सैन्य समझौते को मंजूरी दिए जाने की संभावना है। पुतिन 23 वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए चार से पांच दिसंबर तक भारत की दो दिन की यात्रा पर आ रहे हैं।

दोनों देशों के बीच पारस्परिक लॉजिस्टिक्स समर्थन समझौते (आरईएलओएस) को लेकर लंबे समय से बातचीत चल रही है। इसका उद्देश्य लंबे समय से चले आ रहे रणनीतिक सैन्य सहयोग को और सुदृढ़ करना है। इस समझौते पर गत 18 फरवरी को मास्को में भारत के राजदूत विनय कुमार और रूस के तत्कालीन रक्षा उप मंत्री अलेक्ज़ेंडर फोमिन ने हस्ताक्षर किए थे। रूस की आधिकारिक समाचार एजेंसी इतर तास के अनुसार रूसी सरकार ने स्टेट डूमा में इस समझौते के अनुमोदन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। इस समझौते में दोनों देश एक-दूसरे की भूमि पर सैन्य कर्मियों, युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों की पारस्परिक तैनाती की प्रक्रिया को निर्धारित किया गया है। इस प्रस्ताव में रूस और भारत के बीच उस समझौते को मंजूरी देने की बात कही गई है जिसके तहत रूसी सैन्य इकाइयों, युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों की तैनाती भारतीय ठिकानों पर और भारत की सैन्य इकाइयों, युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों की तैनाती रूसी ठिकानों पर की जा सकती है साथ ही उन्हें तकनीकी और लॉजिस्टिक सहयोग भी प्रदान किया जाएगा।

प्रस्ताव के अनुसार सैन्य बलों को संयुक्त अभ्यासों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, मानवीय सहायता, आपदा राहत तथा दोनों पक्षों द्वारा सहमत अन्य परिस्थितियों में भेजा जा सकता है। रूसी सरकार का मानना है कि इस दस्तावेज के अनुमोदन से भारत और रूस के बीच सैन्य क्षेत्र में सहयोग और मजबूत होगा। भारत इससे पहले अमेरिका के साथ भी इसी तरह का समझौता कर चुका है।

● लॉजिस्टिक समर्थन समझौते पर लंबे समय से चल रही है बातचीत

भारत-रूस के बीच पहले से है सशक्त रक्षा साझेदारी

भारत और रूस के बीच सशक्त रक्षा साझेदारी है जिसे नियमित त्रि-सेवा अभ्यास इंद्र और कई उच्च-स्तरीय संयुक्त सैन्य कार्यक्रमों जैसे ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल परियोजना, पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान (एफजीएफए) कार्यक्रम, और सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान कार्यक्रमों से मजबूती मिल रही है।भारतीय सेनाओं के पास रूसी मूल के अनेक प्लेटफॉर्म जिनसे दोनों देशों के बीच दशकों पुराने घनिष्ठ सहयोग का पता चलता है। इनमें एस- 400 ट्रायंफ वायु रक्षा प्रणाली, मुख्य युद्धक टैंक टी-90, विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य और ए के-203 असॉल्ट राइफल शामिल हैं। इसके अलावा, भारत मेक इन इंडिया पहल के तहत 200 कामोव केए -226 हेलीकॉप्टरों का विनिर्माण करने जा रहा है जो द्विपक्षीय सैन्य-प्रौद्योगिकी सहयोग को और मजबूत करता है।

सिद्धरमैया और शिवकुमार ने एक साथ नाश्ता कर अटकलों को किया खारिज

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को एक साथ नाश्ता किया। इस मुलाकात से कर्नाटक के दोनों कद्दावर नेताओं के बीच सत्ता की खींचतान कम होती दिखी। शिवकुमार शनिवार को सिद्धरमैया के आवास 'कावेरी' पर नाश्ते के लिए पहुंचे थे, जिसके बाद दोनों नेताओं ने एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को भी संबोधित किया।

दोनों नेताओं ने जोर देकर कहा कि उनके बीच कोई मतभेद नहीं है और भविष्य में भी वे एकजुट रहेंगे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि वे पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। ढाई साल का कार्यकाल पूरा करने वाली कांग्रेस सरकार को परेशान करने वाले इस

● कहा- हमारे बीच कोई मतभेद नहीं भविष्य में भी रहेंगे एकजुट

मुद्दे पर गतिरोध को खत्म करने के लिए कांग्रेस आलाकमान के कहने पर मुख्यमंत्री ने नाश्ते पर शिवकुमार को मिलने के लिए बुलाया था। विपक्षी भाजपा ने चेतावनी दी थी कि अगर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच सत्ता संघर्ष जारी रहा तो पार्टी अविश्वास प्रस्ताव लाएगी। सिद्धरमैया ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैंने शिवकुमार के साथ नाश्ते पर मुलाकात की क्योंकि कुछ भ्रम पैदा किया गया था। यह मीडिया द्वारा फैलाया गया था। उन्होंने कहा, हमारे बीच कोई मतभेद नहीं हैं। आज भी कोई मतभेद नहीं हैं, भविष्य में भी नहीं होंगे। वे एकजुट हैं और मिलकर 2028 का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

शिवकुमार ने कहा कि जनता ने कांग्रेस का समर्थन कर उसे सत्ता सौंपी है इसलिए पार्टी को उनकी उम्मीदों पर खरा उतरना होगा। शिवकुमार ने मुख्यमंत्री के साथ मतभेदों को खारिज करते हुए कहा, हमारे बीच कोई गुटबाजी नहीं है। हम साथ चलेंगे, सबको साथ लेकर चलेंगे और पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने 2028 के विधानसभा चुनावों में विपक्षी दलों और बेलगावी में कर्नाटक विधानसभा के आगामी शीतकालीन सत्र में भाजपा द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पेश किए जाने की स्थिति में निपटने के तरीकों पर भी चर्चा की।

लेह हिंसाः आयोग ने बयान दर्ज कराने का समय 10 दिन बढ़ाया

लेह/जम्मू। लेह हिंसा की जांच कर रहे न्यायिक जांच आयोग ने बयानों को दर्ज कराने और सबूत जमा कराने की समय-सीमा लेह एपेक्स बॉडी के अनुरोध के बाद 10 दिन बढ़ा दी है।

गृह मंत्रालय ने 17 अक्टूबर को इस उद्देश्य से आयोग का गठन अधिसूचित किया था कि 24 सितंबर को लेह में कानून-व्यवस्था संबंधी गंभीर स्थिति पैदा होने से जुड़े हालात की जांच की जाए, इस स्थिति के दौरान पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा की जाए और उन घटनाओं का मूल्यांकन किया जाए जिनमें 1999 के कारगिल युद्ध के एक पूर्व सैनिक सहित चार लोगों की मौत हुई थी। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए राज्य के दर्जे की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों में चार आम नागरिकों की मौत हो गई थी और 90 लोग घायल हुए थे।

'एक समूह' का वर्चस्व बनाने को की जा रहीं कोशिशें : महमूद मदनी

भोपाल, एजेंसी

जमीयत उलेमा-ए-हिंद (एमएम) के प्रमुख मौलाना महमूद मदनी ने शनिवार को आरोप लगाया कि देश में एक समूह की 'वर्चस्व' स्थापित करने के लिए संगठित प्रयास किए जा रहे हैं। जिनमें बुलडोज़र कार्रवाई, भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या करना और वक्फ़ को कमजोर करना शामिल है।

जमीयत (एमएम) की कार्यकारिणी बैठक में मदनी कहा कि बाबरी मस्जिद फैसले और ऐसे कई दूसरे फैसलों के बाद यह बात जोर पकड़ रही है कि न्यायालय सरकारों के दबाव में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि सुप्रीम कोर्ट अपनी ड्यूटी नहीं निभाता है तो वह सुप्रीम कहलाने का हकदार नहीं है। मदनी ने दावा किया कि उनकी धार्मिक पहचान और वजूद को गैर-जरूरी बना दिया गया है। यह कुछ ऐसा है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। न्यायपालिका की भूमिका पर शक जताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार लोगों को न्याय देने और शांति बनाए रखने के लिए मजबूर है। लेकिन अफसोस के साथ, कुछ समय से, फैसलों...बाबरी मस्जिद और कई दूसरे मुद्दों ने इस बात को हवा दी है कि अदालत सरकारों के दबाव में काम कर रहे हैं। मदनी ने यह भी कहा कि वक्फ हमारे पुरखों की विरासत है। हम इसे ऐसे जाते हुए नहीं देख सकते। हम इस पर गैर-कानूनी तरीके से कब्जा करने की बात कर रहे हैं। लेकिन नए कानून से सरकार ने कामकाज और आदर्शों को नुकसान पहुंचाया है। हम यह साफ करना चाहते हैं कि सरकारों को हमारे धार्मिक कामों में दखल नहीं देना चाहिए।

पासिंग आउट परेड

वाराणसी छावनी स्थित 39 गोरखा ट्रेनिंग सेंटर (जीटीसी) में शनिवार को सैन्य परम्पराओं के अनुरूप अग्निवीरों की भव्य शपथ-परेड सम्पन्न हुई। कुल 353 अग्निवीरों ने पवित्र भगवद्गीता पर हाथ रखकर राष्ट्रध्वज की मर्यादा बनाए रखने और देश की रक्षा के लिए प्राण न्योछावर करने का संकल्प लिया। समारोह में सैन्य अनुशासन, उत्साह और गौरव का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। सैन्य अधिकारियों के साथ सभी अग्निवीरों ने सामूहिक फोटोग्राफी भी कराई। ● एजेंसी

10 माह की बच्ची को उठा ले गया भेड़िया, क्षत-विक्षत शव मिला

संवाददाता, बहराइच

● बहराइच में कोतवाली देहात इलाके के खोरिया सफीक की घटना

अमृत विचार : जिले के कोतवाली देहात इलाके में स्थित खोरिया सफीक ग्राम में शुक्रवार की देर रात मां के साथ सो रही 10 माह की बच्ची को भेड़िया उठा ले गया। आहट पर जागी मां ने शोर मचाया तो परिजनों व ग्रामीणों ने भेड़िया का पीछा किया। घर से करीब 800 मीटर दूर खेत में बच्ची का क्षत-विक्षत शव मिला। कोतवाली देहात पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

श्रावस्ती के गिलौला इलाके के रहने वाले रामचंद्र की पत्नी रमादेवी चार दिन पूर्व अपने मायके खोरिया सफीक आई थी। शुक्रवार की रात वह अपनी 10 माह की बच्ची सुनीता के साथ फूस के मकान में सो रही थी। तभी रात करीब एक बजे भेड़िया बच्ची को जबड़े में दबाकर उठा ले गया। उसकी आहट पर जागी मां ने शोर मचाया तो परिजन जंगली जानवर के पीछे भागे। करीब दो घंटे के बाद घर से लगभग 800 मीटर दूर बच्ची का क्षत-विक्षत शव मिला। सूचना पर कोतवाली देहात पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। वन रेंजर ने बताया कि पगचिह्न से यह भेड़िया नहीं, बल्कि अन्य जंगली जानवर का हमला लग रहा है। फिलहाल हम इसकी जांच कर रहे हैं।

भेड़िया के हमले में घायल बालक की मौत

कैसरगंज, बहराइच। स्थानीय क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोड़हिया नंबर तीन के मजरे मल्लाहन पुरवा में शुक्रवार की देर शाम भेड़िया ने घर के बाहर खेल रहे स्टार (पांच वर्ष) पुत्र रोशन कुमार पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। बच्चे के दोनों हाथ को भेड़िया चबा गया था। घायल बालक को मेडिकल कालेज बहराइच रेफर किया गया था। वहां से गंभीर हालत में उसे लखनऊ रेफर किया गया, लेकिन रास्ते मे ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दिल्ली विस्फोटः न्यायिक हिरासत में भेजे गए तीन डॉक्टर और एक मौलवी

नई दिल्ली : दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली विस्फोट मामले में गिरफ्तार तीन डॉक्टरों और एक मौलवी को शनिवार को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इन आरोपियों में मुजम्मिल गनई, अदील राठेर और शाहीना सईद के साथ मौलवी इरफान अहमद वागय शामिल था जिन्हें प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना के समक्ष पेश किया गया। उन्होंने चारों को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब तक, एनआईए ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से भंडाफोड़ किए गए एक सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल से जुड़े हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

नेपाल में विमान से पक्षी टकराया, यात्री सुरक्षित

काठमांडू। नेपाल में पोखरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को उतरते समय एक निजी एयरलाइन के विमान से एक पक्षी टकरा गया। सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। हवाई अड्डा प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि काठमांडू से पोखरा जा रहा बुद्ध एयरलाइंस का 9एन एओसी विमान अपराह्न 3.45 बजे उतरते समय एक पक्षी से टकरा गया। घटना में विमान का प्रोपेलर ब्लेड थोड़ा क्षतिग्रस्त हो गया।

पाकिस्तान में भारतीय नागरिक गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तान की पंजाब पुलिस ने अनजाने में देश में घुसे एक कथित भारतीय नागरिक को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पाकिस्तान रेंजर्स ने बिना किसी कानूनी औपचारिकता के उसे 100 दिनों से अधिक समय तक हिरासत में रखा। पुलिस के अनुसार, कथित भारतीय नागरिक बी जे सिंह 16 अगस्त को भारतीय बचन सिंह पोस्ट के सामने अजमल शहीद पोस्ट के पास से पाकिस्तान में प्रवेश कर गया। सिंह (31) असम का रहने वाला है।

बदमाशों ने एटीएम से 12 लाख रुपये लूटे

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले में अज्ञात बदमाशों ने शनिवार को एक सार्वजनिक बैंक की स्वचालित गणक मशीन (एटीएम) से 12 लाख रुपये लूट लिए और वहां से भागते समय मशीन में आग लगा दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना पंचोड़ी पुलिस थाने के भेड़ गांव में हुई। इसने बताया कि जब स्थानीय लोगों ने शनिवार सुबह जले हुए एटीएम को देखा तो बैंक और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

धुरंधर के ट्रेलर पर आपत्ति जताई

कराची। कराची में आतंकवादी और आपराधिक गिरोहों के खिलाफ अपनी बहादुरी और एनकाउंटर विशेषज्ञ के रूप में मशहूर हुए पाकिस्तानी पुलिस अधिकारी दिवंगत चौधरी असलम की पत्नी ने धमकी दी है कि अगर उनके पति को आगामी बॉलीवुड फिल्म धुरंधर में गलत और नकारात्मक तरीके से चित्रित किया गया तो वह कानूनी कार्रवाई करेंगी। रणवीर सिंह अभिनीत और आदित्य धर द्वारा निर्देशित यह फिल्म जासूसी पर आधारित है। इस महीने की शुरुआत में जारी किया गया फिल्म का आधिकारिक ट्रेलर कराची के कुख्यात ल्यारी इलाके की कहानी की झलक पेश करता है। फिल्म में दिग्गज अभिनेता संजय दत्त चौधरी असलम का किरदार निभा रहे हैं।

चक्रवाती तूफान दितवा ने पकड़ी गति, तमिलनाडु तट की ओर बढ़ा

श्रीलंका में तबाही मचाने के बाद 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा आगे

● रविवार तड़के आंध्र, पुडुचेरी और बंगाल की खाड़ी तक पहुंचेगा

चेन्नई/विजयवाड़ा, एजेंसी

चक्रवाती तूफान दितवा के प्रभाव से शनिवार देर शाम तमिलनाडु के चेन्नई शहर और पड़ोसी क्षेत्रों में भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने इस राज्य के पांच तटीय जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। खराब मौसम के चलते चेन्नई में 20 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि दक्षिणी रेलवे ने कुछ मार्गों पर ट्रेनों के परिचालन में बदलाव की घोषणा की है।

श्रीलंका में भारी तबाही मचाने के बाद चक्रवाती तूफान दितवा 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है और यह शनिवार आधी रात तक तमिलनाडु के तट से टकराने के बाद आंध्र प्रदेश की ओर बढ़ेगा। तमिलनाडु के पांच तटीय जिलों नागपट्टिनम, मायिलादुथुराई, कुड्डालोर, विल्लुपुरम और चेंगलपट्टू प्रभावित हो सकते हैं। यहां रेड अलर्ट जारी किया गया है। चक्रवात आंध्र प्रदेश की ओर बढ़ने से पहले चेन्नई से लगभग 25 किलोमीटर दूर से गुजरेगा। अनुमान है कि यह रविवार को कोरोमंडल तट पर पहुंचने के बाद कमजोर पड़ जाएगा। दक्षिणी आंध्र से सटे तमिलनाडु के तिरुवल्लूर और रानीपेट जिलों के लिए भी रेड अलर्ट जारी किया गया है।

चक्रवात दितवा के मद्देनजर तेज हवाओं के बीच शनिवार को चेन्नई के कासिमेदु बंदरगाह तट पर खड़ी मछली पकड़ने वाली नावें।

आंध्र प्रदेश के कई जिलों में हाईअलर्ट

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश में साइक्लोन दितवा के मद्देनजर राज्य के मुख्य सचिव पी. विजयानंद ने चित्तूर, तिरुपति, अन्नामाया, श्री सत्य साईं, नेल्लोर, बापटला और प्रकाशम जिलों के जिलाधीशों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश जारी किया है। विजयानंद ने शनिवार को जिलाधीशों के साथ वीडियो पर बातचीत कर साइक्लोन के दौरान अगले मंगलवार तक किसी भी मछुआरे के समुद्र क्षेत्र में नहीं जाने का निर्देश दिया।

तमिलनाडु के राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री केकेएसएसआर रामचंद्रन ने कहा कि दितवा के प्रभाव से कुछ जिलों में भारी बारिश के कारण कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। रविवार तड़के इसके उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी व बंगाल की खाड़ी तक पहुंचने की अत्यधिक संभावना है।

श्रीलंका में मृतकों की संख्या 150 हुई : चक्रवात 'दितवा' के श्रीलंका से टकराने के बाद 150 से अधिक लोगों की मौत हो गई है, जबकि 130 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं। आपदा प्रबंधन केंद्र ने पुष्टि की है कि देश भर में 3,73,430 लोग प्रभावित हुए हैं। इसमें 43,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं और वर्तमान में 488 अस्थायी आश्रयों में रह रहे हैं। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने पूरे देश में आपातकाल की घोषणा कर दी है। चक्रवात दितवा शनिवार तड़के श्रीलंका से निकल गया।

वायु सेना ने 21 टन राहत सामग्री पहुंचाई : भारतीय वायु सेना ने श्रीलंका में विनाशकारी बाढ़ से विस्थापित लोगों की सहायता के लिए शनिवार को 21 टन राहत सामग्री, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के 80 से अधिक कर्मियों एवं आठ टन उपकरण पहुंचाए। भारतीय वायु सेना ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि श्रीलंका में चक्रवाती तूफान दितवा के कारण मची तबाही के मद्देनजर भारत ने राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए ऑपरेशन सागर बंधु' शुरू किया।

बांग्लादेश लौटने का फैसला अकेले मेरे बस में नहीं

ढाका/नई दिल्ली। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के स्व निर्वासित कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने शनिवार को कहा कि बेहद गंभीर बीमारी से जूझ रहीं उनकी मां और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया से मिलने के लिए उनका वतन वापस लौटना पूरी तरह उनके हाथ में नहीं है। बीएनपी की 80 वर्षीय प्रमुख जिया को छाती में संक्रमण के कारण हृदय और दोनों फेफड़े प्रभावित होने के बाद 23 नवंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

साल 2008 से लंदन में रह रहे रहमान (60) ने शनिवार को फेसबुक पर कहा कि किसी भी बच्चे की तरह वह इस मुश्किल समय में मां के पास रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन दूसरों की तरह, इस बारे में एकतरफा फैसला लेना सिर्फ मेरे हाथ में नहीं है और न ही केवल मेरे बस में है। इस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए ज्यादा बात नहीं कही जा सकती। रहमान ने कहा कि उनके परिवार को अब भी उम्मीद है कि एक बार राजनीतिक उथल-पुथल शांत हो जाए तो उनका स्वदेश लौटने का इंतजार खत्म हो जाएगा।

भारत ने सबसे अधिक वोट के साथ एक बार फिर आईएमओ परिषद का चुनाव जीता

लंदन, एजेंसी

● भारत पर भरोसा करने के लिए उच्चायोग ने अदा किया धन्यवाद

भारत आगामी दो वर्षों के लिए एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) की 40 सदस्यीय परिषद के लिए के लिए चुना गया है। लंदन में आईएमओ की सभा के दौरान हुए चुनाव में भारत को उसकी श्रेणी में सबसे अधिक वोट मिले।

भारत ने शुक्रवार को 'बी' श्रेणी में चुनाव जीता है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड्स, स्पेन, स्वीडन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। आईएमओ ने कहा कि नव निर्वाचित परिषद का 136वां सत्र चार दिसंबर को होगा, जिसमें अगले दो साल के लिए अध्यक्ष और सह अध्यक्ष चुने जाएंगे। लंदन में स्थित भारतीय उच्चायोग ने चुनाव के बाद कहा, भारत बी श्रेणी में सबसे अधिक 154 वोट हासिल कर दोबारा आईएमओ परिषद के लिए चुना गया है। उच्चायोग ने कहा, हम भारत पर भरोसा करने के लिए अपने साझेदारों को धन्यवाद देते हैं, और वैश्विक समुद्री क्षेत्र के लिए काम करते रहने का वादा करते हैं।

आईएमओ दुनिया की सबसे बड़ी संस्था है जो दुनिया के समुद्री क्षेत्र की देखरेख करती है। परिषद आईएमओ का कार्यकारी अंग है जो संगठन के काम की देखरेख के लिए जिम्मेदार है।

इस्कॉन ब्रिटेन ने ऐतिहासिक लंदन स्थल प्राप्त करने का जश्न मनाया

लंदन। ब्रिटेन में अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) इस सप्ताह एक नीलामी में लंदन में अपने मूल मंदिर स्थल को प्राप्त करने का जश्न मना रहा है। मध्य लंदन के ब्लूम्सबरी क्षेत्र में 7 बरी प्लेस स्थित ऐतिहासिक इमारत का इतिहास 1968 से जुड़ा है, जब इस्कॉन के संस्थापक श्रील प्रभुपाद ने तीन अमेरिकी दम्पतियों को ब्रिटेन में एक मिशन स्थापित करने के लिए भेजा था। अंततः बीटल गायक जॉर्ज हैरिसन जैसे समर्थकों की मदद से इसे हासिल किया गया, जिन्होंने मूल पट्टे पर सह-हस्ताक्षर किए थे और यह ब्रिटेन में इस्कॉन के शुरुआती कार्यों का आधार बना। इस्कॉन ब्रिटेन के शासी निकाय आयोग (जीबीसी) के प्रघोष दास ने कहा, सात बरी प्लेस को पुनः प्राप्त करना, ब्रिटेन में हमारे आध्यात्मिक जन्मस्थान को पुनः प्राप्त करना है।

इंडोनेशिया में मृतक संख्या 279 हुई

अगम। इंडोनेशिया में बाढ़ और भूस्खलन के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 279 हो गई है तथा अधिकारियों ने मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका जताई है। उत्तरी सुमात्रा प्रांत में सड़कें खराब होने और संचार बाधित होने से इन इलाकों से संपर्क कट गया है और राहत सामग्री पहुंचाने के लिए विमानों पर निर्भर रहना पड़ा। भारी उपकरणों की कमी के कारण बचाव कार्य भी बाधित हुए। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता फेरी वालिंटुकन ने बताया कि उत्तरी सुमात्रा में बचावकर्मियों ने शनिवार को 31 शव बरामद किए, जिससे मृतकों की संख्या 279 हो गई। लापता लोगों की तलाश हो रही है।

इमरान खान के जीवित होने का सरकार दे सबूत

लाहौर, एजेंसी

● बेटे कासिम खान ने सोशल मीडिया पर लिखी पोस्ट

पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटे ने सरकार से इसका सबूत पेश करने की मांग की है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक जिंदा हैं। खान के बेटे कासिम खान ने शुक्रवार शाम एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि हम इमरान खान के जीवित होने का सबूत मांगते हैं।

ऐसी अटकलें हैं कि क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान (73) की जेल में हत्या कर दी गई है, क्योंकि ना तो उनके परिवार के सदस्यों और ना ही उनके वकीलों एवं पार्टी के लोगों को एक महीने से उनसे मिलने दिया गया है। खान कई मामलों में दो साल से अधिक समय से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। खान की तीन बहनें, पीटीआई के कार्यकर्ता और खैबर पख़्तूनख़्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफ़रीदी कुछ दिनों से अदियाला जेल के बाहर डेरा डाले हुए हैं और शहबाज शरीफ सरकार पर खान के परिवार के सदस्यों को उनसे मिलने की इजाजत देने का दबाव बना रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के पीएम अल्बनीस ने किया विवाह

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने शनिवार को राजधानी केबनरा में अपने आधिकारिक आवास पर करीबी लोगों की मौजूदगी में अपनी संगिनी जोडी हेडन से विवाह कर लिया। ऑस्ट्रेलिया की संघीय सरकार के 124 साल के इतिहास में वह ऐसे पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री पद पर रहने के दौरान विवाह किया है। विवाह समारोह में ऑस्कर पुरस्कार विजेता अभिनेता रसेल क्रो और कई कैबिनेट मंत्रियों समेत करीब 60 मेहमान शामिल हुए। अल्बनीस और हेडन ने कहा कि हम अपने परिवार के साथ खुश हैं।

जी-20 में अफ्रीका को न बुलाना अनुचित

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

● राष्ट्रपति रामाफोसा ने की ट्रंप के फैसले की निंदा

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कहा है कि अमेरिका की अध्यक्षता के दौरान दक्षिण अफ्रीका को जी-20 में आमंत्रित नहीं किए जाने की उनके अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा अफसोसजनक है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल में घोषणा की कि दक्षिण अफ्रीका को अगले वर्ष फ्लोरिडा में उनके देश की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण नहीं मिलेगा।

अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की है और वह एक दिसंबर, 2025 से 30 नवंबर, 2026 तक इस समूह का नेतृत्व करेगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका में जी-20 में भाग नहीं लिया क्योंकि दक्षिण अफ्रीका पुर्तगाली, फ्रांसीसी तथा जर्मन प्रवासियों के मानवाधिकार हनन को स्वीकार नहीं करता है।

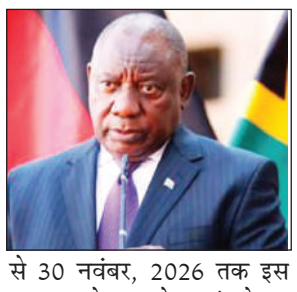

अमेरिका ने किया था बैठक का बहिष्कार

परंपरा के अनुसार, मेजबान देश जी-20 की अगली अध्यक्षता संभालने वाले राष्ट्र को लकड़ी का एक प्रतीकात्मक हथौड़ा सौंपता है लेकिन बैठक के बहिष्कार के कारण दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा से इसे लेने के लिए कोई अमेरिकी अधिकारी मौजूद नहीं था। अमेरिका अपने दूतावास से एक प्रतिनिधि भेजना चाहता था। दक्षिण अफ्रीका ने इसे अस्वीकार कर दिया था कि रामाफोसा के लिए एक कनिष्ठ अधिकारी को प्रतीक सौंपना अपमानजनक होगा। दक्षिण अफ्रीका द्वारा राजनयिक संबंधों को पुनर्स्थापित करने तमाम प्रयासों के बावजूद ट्रंप दंडात्मक कदम उठाते रहे हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 नवंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, दशमी 21.29 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

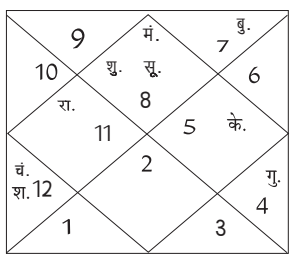

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृतिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तर भाद्रपद 01 दिसंबर 01.11 तक तत्पश्चात रेवती।

मेष — आज आपसे लोग नाराज हो सकते हैं। अपने बड़ों की अवमानना न करें। अनावश्यक कार्यों में समय बर्बाद होगा। स्वास्थ्य को लेकर बिल्कुल लापरवाही न करें। निम्न रक्तचाप के कारण समस्या हो सकती है। शाम को मित्रों से चर्चा कर सकते हैं।

वृष — आज व्यवसाय में आय बढ़ सकती है। आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। महत्वपूर्ण विषयों को लेकर जीवनसाथी से सलाह ले सकते हैं। लंबित पड़ी योजनाओं को दोबारा क्रियान्वित करने के अवसर मिलेंगे। आपका पूरा ध्यान घर-परिवार पर रहेगा।

मिथुन — आज परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। प्रेम संबंधों में एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें। मानसिक रूप से शांति महसूस करेंगे। आपको अपने आत्मसम्मान की चिन्ता रहेगी।

कर्क — आज विद्यार्थियों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। उच्च शिक्षण संस्थान में प्रवेश के अवसर मिल सकते हैं। कारोबारी यात्रा से लाभ प्राप्त होगा। उच्चाधिकारियों के बीच आपकी काफी चर्चा होगी। विदेश यात्रा में आ रही बाधा दूर होगी।

सिंह — आज व्यापार को लेकर अधिक सावधानी रखें। इसीलिए थोड़ा सोच-विचारकर ही काम करें। भावनात्मक रूप से थोड़ा कमजोर रहेंगे। बीमारियों पर धन खर्च अचानक से बढ़ सकता है। ससुराल पक्ष से शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं।

कन्या — आज जीवनसाथी आपको भावनात्मक रूप से काफी सहयोग देगा। व्यावसायिक यात्रा होने के योग बन रहे हैं। अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है। उच्च अधिकारियों से मित्रता हो सकती है। प्रभावशाली व्यक्तियों के बीच आपका सामंजस्य बढ़ेगा।

तुला — आज व्यवसाय में उन्नति के लिए प्रयास करेंगे। लोन से जुड़े हुए अवरोध दूर होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। मित्रों के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे। पुराने अनुभव आज आपके काफी काम आने वाले हैं।

वृश्चिक — आज आपके द्वारा कही गई बात सत्य होगी। आपकी सेहत काफी अच्छी रहने वाली है। नये विषयों के अध्ययन व अनुसंधान में रुचि लेंगे। बच्चों के साथ कहीं घूमने की योजना बना सकते हैं। व्यावसायिक लक्ष्यों को सरलता से प्राप्त कर लेंगे।

धनु — आज अपनी जीवनशैली में सुधार करें। कुछ लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं। घर के बड़े बुजुर्गों का सम्मान करें। परिजनों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। एआई क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़े प्रोजेक्ट्स में काम करने का अवसर मिल सकता है।

मकर — आज सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। विवेक और संयम से निर्णय लेने से आपको लाभ होगा। आयात-निर्यात के व्यवसाय में बड़ा लाभ हो सकता है। विद्यार्थी किसी नये कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। अपने विचारों को दूसरों पर न थोपें।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। नई जॉब ढूंढ रहे हैं तो आज सफलता मिल सकती है। विरोधियों के बीच में आपकी चर्चा होगी। परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। जीवनसाथी को उपहार देने से तनाव दूर होगा। त्वचा विकार की समस्या हो सकती है।

मीन — आज आपके आकर्षक व्यक्तित्व की लोग प्रशंसा करेंगे। फाइनेंस को लेकर परेशानियां दूर होंगी। व्यवसाय को लेकर अपनी रणनीति बदल सकते हैं। युवाओं को प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं। शेयर मार्केट के माध्यम से आपको बड़ा लाभ होगा।

सुडोकू-176

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

						2		
				5				
6								
		2						
					7	6		
	8			4				
		9						

सुडोकू - 175 का हल

1	2	3	4	9	7	8	5	6
8	5	4	1	3	6	2	9	7
6	9	7	5	2	8	4	3	1
3	8	6	7	1	9	5	2	4
9	4	5	6	8	2	1	7	3
7	1	2	3	5	4	9	6	8
4	7	1	9	6	5	3	8	2
5	3	8	2	7	1	6	4	9
2	6	9	8	4	3	7	1	5

जिस तरह की पिचों पर हम खेल रहे हैं, उनमें किसी को गेंदबाज बनाने की जरूरत नहीं है क्योंकि हर गेंद स्पिन होती है या कुछ सीधी हो जाती है। एक गेंदबाज को तभी अच्छा माना जा सकता है जब वह अच्छी पिचों पर विकेट लेता है।

-हरभजन सिंह

स्टेडियम

लखनऊ, रविवार ,30 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

ऐसा लगता है, मानो भारत के पास ऑफ स्पिनर नहीं है : भज्जी

मुंबई । दक्षिण अफ्रीका से हाल में खत्म हुई टेस्ट सीरीज में हारने के बाद महान स्पिनर हरभजन सिंह को लगा कि भारतीय टीम के पास पांच दिन के मैच के लिए कोई विशेषज्ञ ऑफ-स्पिनर ही नहीं है और उन्होंने वाशिंगटन सुंदर का कार्यभार बढ़ाने की बात कही। आर अश्विन के संन्यास के बाद एसईएनए देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) के खिलाफ पहली घरेलू श्रृंखला में भारत के स्पिनर दक्षिण अफ्रीका के सामने कमजोर पड़ गए। मेहमान टीम के स्पिनरों ने दो टेस्ट में 25 विकेट हासिल किए। हरभजन से जब पूछा गया कि क्या भारत के पास दाएं हाथ का कोई विशेषज्ञ स्पिनर नहीं है तो उन्होंने जवाब में 'पीटीआई' से कहा ऐसा ही लगता है।

दक्षिण अफ्रीका को सुधार करना होगा: प्रिंस

रांची। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी कोच एशवेल प्रिंस ने शनिवार को कहा कि उनकी वनडे टीम को अब भी 'क्लच मोमेंट्स' को बेहतर बनाने की जरूरत है क्योंकि वे 2027 विश्व कप से पहले संयोजन का परीक्षण करना जारी रखे हैं। प्रिंस ने माना कि पिछले एक साल में टीम का फोकस टेस्ट क्रिकेट और आने वाले टी-20 विश्व कप पर रहा है जिससे 50 ओवर का प्रारूप प्रयोगात्मक चरण में है। भारत के खिलाफ पहले वनडे से पहले प्रिंस ने कहा हम 50 ओवर में अलग-अलग संयोजन आजमा रहे हैं और अंतिम टीम के करीब पहुंचने से पहले हमारे पास अब भी समय है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों की गहराई से संतुष्ट होने के बावजूद प्रिंस ने कहा अगर कोई क्षेत्र है जहां हमें सुधार करना है तो वह है 'क्लच मोमेंट्स'। सफेद गेंद का क्रिकेट हमेशा दबाव भरे माहौल भरा होता है। रविवार को यहां भारी ओस पड़ने की उम्मीद है इसलिए टॉस अहम भूमिका निभा सकता है।

रोहित और कोहली की होगी कड़ी परीक्षा

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला एकदिवसीय मुकाबला आज दोपहर 1:30 बजे से

रांची, एजेंसी

अब केवल वनडे में खेल रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार से यहां शुरू होने वाली तीन एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की श्रृंखला में आकर्षण का केंद्र होंगे जिससे वह 2027 में होने वाले विश्व कप के लिए अपना दावा भी मजबूत करने की कोशिश करेंगे।

भारतीय टीम प्रबंधन इस श्रृंखला से चयन संबंधी समस्याओं का समाधान भी करना चाहेगा। उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टेस्ट श्रृंखला के दौरान चयन संबंधी मसलों के कारण आलोचना का सामना करना पड़ा था। रोहित और कोहली दोनों अब केवल एक ही अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप में खेलते हैं। भारत को अगले दो महीनों में केवल छह एकदिवसीय मैच खेलने हैं। दक्षिण अफ्रीका के बाद भारतीय टीम तीन जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर तीन वनडे मैच की श्रृंखला खेलेगी। ऐसे में सभी की निगाह भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गजों रोहित और कोहली पर टिके रहना स्वाभाविक है। इन मैचों में उनके प्रदर्शन का 2027 के वनडे विश्व कप में उनकी संभावनाओं पर सीधा असर पड़ सकता है। हो सकता है कि यह उनके विश्व कप के भाग्य को पक्का न करे, लेकिन यह मैच उनके लिए ऑडिशन की तरह हो सकते हैं जिससे उनके भविष्य की राह भी सुनिश्चित होगी। संयोग से 2013 में इसी जेएससीए स्टेडियम में रोहित शर्मा पहली बार पूर्णकालिक सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेले थे जिससे सीमित ओवर की क्रिकेट में उनका करियर ही बदल दिया। यह 37 वर्षीय खिलाड़ी एक दशक से भी अधिक समय बाद फिर से यहां पहुंचा है जहां वह अपने करियर को फिर से नहीं दिशा देने की कोशिश करेगा।

भारत की यह एकदिवसीय श्रृंखला अगले वर्ष घरेलू मैदान पर होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले खेली जा रही है जिसमें खिलाड़ियों का प्रदर्शन उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप के आईसीसी टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में जगह दिलाने में अहम भूमिका निभा सकता है।

दक्षिण अफ्रीका से टेस्ट श्रृंखला में दोनों मैच में हारने के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर भी जांच के दायरे में हैं हालांकि उनके पद को किसी तरह का खतरा नहीं है क्योंकि उनका अनुबंध 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक है। टेस्ट में मिली हार के बाद उनके रणनीतिक फैसलों और टीम चयन पर सवाल उठे।

मुख्य कोच का पद संभालने के बाद से उनकी यह दूसरी बड़ी विफलता थी। ऐसे में यहां वनडे श्रृंखला गंभीर के लिए अपनी स्थिति मजबूत करने और सीमित ओवरों में भारत की दिशा को स्पष्ट करने का एक अहम मौका है।

मुख्य कोच गौतम गंभीर की निगरानी में अभ्यास करते कुलदीप यादव, तिलक वर्मा व अन्य भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्जके (दाएं) और टोनी डी जॉर्जी। एजेंसी

टीम

भारत : केएल राहुल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्क्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, मार्को यानसन, टोनी डी जॉर्जी, रुबिन हरमन, ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्जके, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन।

मेरे पास स्पिन के खिलाफ परेशानी का कोई पक्का जवाब नहीं : राहुल

रांची : कार्यवाहक वनडे कप्तान केएल राहुल ने शनिवार को स्वीकार किया कि उनकी टीम की स्पिन के खिलाफ लगातार संघर्ष करना विशेषकर घरेलू पिचों पर, चिंता का विषय है लेकिन उनके पास भारत की पारंपरिक रूप से मजबूती में आई गिरावट का कोई जवाब नहीं है। उनकी यह टिप्पणी पिछले दो सत्र में टेस्ट क्रिकेट में घरेलू पिचों पर स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप के बार-बार कमजोर पड़ने के चिंताजनक पैटर्न के बीच आई है जिसमें कभी भारत का दबदबा हुआ करता था। न्यूजीलैंड ने 2024 में और फिर दक्षिण अफ्रीका ने हाल में भारत को क्रमशः 3-0 और 2-0 से हराया। राहुल ने कहा हमने पिछले कुछ सत्र में स्पिन अच्छी तरह नहीं खेली है। मुझे सच में नहीं पता कि हम पहले क्यों कर पाते थे और अब क्यों नहीं कर पा रहे। मेरे पास कोई निश्चित जवाब नहीं है। हम बस इतना कर सकते हैं कि व्यक्तिगत रूप से और बतौर बल्लेबाजी समूह यह देखें कि कैसे बेहतर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों को तकनीकी और रणनीतिक बदलावों की तलाश करनी होगी और यह एक लंबी प्रक्रिया होगी। राहुल ने कहा यह रातोंरात नहीं बदलने वाला। हम सुधार की जरूरतों को देखेंगे और उम्मीद है कि श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया सीरीज तक हम बेहतर तरीके से तैयार रहेंगे।

मिथुन पर रोमांचक जीत के साथ श्रीकांत फाइनल में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

महिला डबल्स सेमीफाइनल में त्रिशा जॉली (दाएं) और गायत्री गोपीचंद।

- त्रिशा- गायत्री महिला युगल में खिताब के लिए करेंगी दावेदारी
- महिला एकल के सेमीफाइनल में तन्वी शर्मा को मिली मात

अमृत विचार : पूर्व वर्ल्ड नंबर वन के.श्रीकांत ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप में रोमांचक जीत के साथ फाइनल में प्रवेश कर भारतीय चुनौती को कायम रखा। दूसरी ओर महिला युगल में पिछली विजेता शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत की त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद पी. ने फाइनल में प्रवेश के साथ खिताब बचाने की अपनी दावेदारी पेश की।

भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशन (बीएआई) के देखरेख में उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में आयोजित चैंपियनशिप में शनिवार को सेमीफाइनल खेले गए। चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में उन्नति व तन्वी की हार के साथ महिला एकल में भारत का सफर समाप्त हो गया। मिश्रित युगल में भारत के हरिहरन अम्साकरुनन व त्रिशा जॉली की जोड़ी को हार मिली। पुरुष एकल में पांचवीं वरीयता प्राप्त भारत के के.श्रीकांत ने 59 मिनट चले तीन गेम के रोमांचक मैच में हमवतन मिथुन मंजूनाथ के खिलाफ 21-15, 19-21, 21-13 से जीत दर्ज की। वर्ष 2016 के चैंपियन के.श्रीकांत अब चैंपियनशिप में अपने दूसरे खिताब की दावेदारी करेंगे।

मलेशियाई मास्टर्स के उपविजेता रहे श्रीकांत की कल लंबे समय बाद घरेलू टूर्नामेंट में खिताब और साथ में साल के शानदार समापन पर निगाह होगी। श्रीकांत ने इससे पूर्व फ्रेंच ओपन 2017 में खिताबी जीत दर्ज की थी। श्रीकांत की अब फाइनल में हांगकांग के जेसन गुनावन से भिड़ंत होगी जो प्रतिद्वंद्वी जापान के मिनोरू कोगा के मैच छोड़ने से फाइनल में पहुंच गए। वहीं, महिला एकल के पहले सेमीफाइनल मे जापान की हीना अकेची ने भारत की तन्वी शर्मा को 21-17, 21-16 से हराया। तुर्किये की नेस्लिहान अरीन ने शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत की उन्नति हुड्डा को 21-15, 21-10 से हराया।

फाइनल में जापान से टकराएंगी त्रिशा व गायत्री

महिला युगल में पिछली विजेता शीर्ष वरीय भारत की त्रिशा जॉली व गायत्री गोपीचंद पी. ने मलेशिया की ओंग शिन यी और कारमेन तिंग को 21-11, 21-15 से हराया। इस जोड़ी का फाइनल में जापान की काहो ओसावा व माई तानाबे से मुकाबला होगा। वहीं, पुरुष युगल के सेमीफाइनल में मलेशिया के एरन ताय व कांग खाई शिंग ने रूस के रोडियन अलीमोव व मकसीम ओग्लोब्लिन को व मलेशिया के ल्वी शेंग हाओ व चिया वेइजिए ने हमवतन मुहम्मद फ़ाइक व लोक हांग क्वान को हराकर फाइनल में जगह बनाई।

किदांबी श्रीकांत। एजेंसी

मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच होगा पहला मैच

मुंबई, एजेंसी

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली गत चैंपियन मुंबई इंडियंस की टीम चौथी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के उद्घाटन मैच में नौ जनवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 2024 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सामना करेगी।

डब्ल्यूपीएल का फाइनल पहली बार सप्ताहांत पर नहीं होगा। इस बार प्रतियोगिता का फाइनल गुरुवार (पांच फरवरी) को खेला जाएगा। ऐसा पुरुषों के टी-20 विश्व कप से टकराव से बचने के लिए किया गया है जो उसी सप्ताह भारत और श्रीलंका में शुरू हो रहा है। टी20 विश्व कप की शुरुआत सात फरवरी (शनिवार) को कोलंबो में पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच मैच से होगी। इस बार डब्ल्यूपीएल 28 दिन तक चलेगा और इसमें 22 मैच खेले जाएंगे।

महिला प्रीमियर लीग कार्यक्रम

9 जनवरी : मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

10 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम गुजरात जायंट्स और मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स

11 जनवरी : दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जायंट्स

12 जनवरी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम यूपी वॉरियर्स

13 जनवरी : मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जायंट्स

14 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स

15 जनवरी : मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्स

16 जनवरी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम गुजरात जायंट्स

17 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

19 जनवरी : गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

20 जनवरी : दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस

22 जनवरी : गुजरात जायंट्स बनाम यूपी वॉरियर्स

24 जनवरी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम दिल्ली कैपिटल्स

26 जनवरी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस

27 जनवरी : गुजरात जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स

29 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

30 जनवरी : गुजरात जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस

01 फरवरी : दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्स

एलिमिनेटर : तीन फरवरी

फाइनल : पांच फरवरी।

दृष्टिबाधित महिला टीम ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय दृष्टिबाधित महिला टीम ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की और उन्हें ऑटोग्राफ वाला क्रिकेट बल्ला उपहार में दिया।

राष्ट्रपति ने टीम सदस्यों को टी20 विश्व कप जीतने पर बधाई दी और कहा कि उनकी सफलता दूसरों को करियर में नयी ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित करेगी। राष्ट्रपति ने टीम की तरफ से भेंट की गई क्रिकेट गेंद पर भी हस्ताक्षर किए। भारत ने हाल में कोलंबो में फाइनल में नेपाल को हराकर पहला टी20 दृष्टिबाधित महिला विश्व कप जीता था।

ओलंपिक हॉकी के दिग्गजों को सम्मानित किया गया

चेन्नई : तमिलनाडु के उप मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शनिवार को 14वें पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप के उद्घाटन के दौरान ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय और तमिलनाडु हॉकी टीम के सीनियर खिलाड़ियों को सम्मानित किया। राज्य सरकार ने शनिवार को आधिकारिक विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी।

अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ द्वारा 1979 में शुरू किए गए जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप का 14वां चरण अभी चेन्नई और मदुरै में चल रहा है। विज्ञप्ति में कहा गया कि उप मुख्यमंत्री ने 28 नवंबर को चेन्नई में टूर्नामेंट के शुरुआती मैच भारत बनाम चिली का औपचारिक उद्घाटन किया। उप मुख्यमंत्री ने भारतीय टीम के सीनियर खिलाड़ियों को सम्मानित किया जिसमें तमिलनाडु के ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले हॉकी खिलाड़ी भी थे।

अजलन शाह हॉकी | जुगराज सिंह ने किए चार गोल, बेल्जियम से आज होगी खिताबी भिड़ंत

कनाडा को 14-3 से रौंदकर भारत फाइनल में

इपोह, एजेंसी

जुगराज सिंह के चार गोल की मदद से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को यहां बड़े स्कोर वाले मुकाबले में कनाडा को 14-3 से हराकर पूल तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर सुल्तान अजलन शाह कप के फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम को टूर्नामेंट में अभी तक सिर्फ बेल्जियम से एक गोल से हार मिली लेकिन पिछले मैच में न्यूजीलैंड पर 3-2 की शानदार जीत के बाद खिलाड़ी आत्मविश्वास से ओतप्रोत थे। भारतीय टीम रविवार को फाइनल में बेल्जियम से भिड़ेगी।

नीलकांत शर्मा ने मैच की शुरुआत चौथे मिनट में गोल दागकर की जिसके बाद सीनियर टीम में पदार्पण करने के बाद अच्छी फॉर्म में चल रहे राजिंदर सिंह ने 10वें मिनट में गोल कर दिया। यह रोमांचक शुरूआत रही। कनाडा ने शुरुआती गोल का जवाब पेनल्टी कॉर्नर हासिल करके उसे गोल में बदलकर दिया।

11वें मिनट में ब्रेंडन गुरालियुक ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। फिर अगले कुछ मिनटों में जुगराज सिंह और अमित रोहिदास ने क्रमशः 12वें और 15वें मिनट में गोल कर किए जिससे भारत की बढ़त 4-1 हो गई। इस टूर्नामेंट के लिए टीम के सीनियर स्टार खिलाड़ियों को आराम दिया गया था इसलिए बेहतर प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी युवा खिलाड़ियों पर थी और उन्होंने कनाडा के डिफेंस को दबाव में रखकर अच्छा प्रदर्शन किया।

दूसरे क्वार्टर में गोलों की झड़ी लगी रही जिसमें राजिंदर ने 24वें मिनट में, दिलप्रीत सिंह ने 25वें मिनट में और जुगराज ने 26वें मिनट में गोल कर दिए। अब भारतीय टीम 7-1 से आगे थी जिससे कनाडा ने तीसरे क्वार्टर में अपने आक्रमण में थोड़े बदलाव किए जिससे 35वें मिनट में उन्हें पेनल्टी स्ट्रोक मिला। मैथ्यू सरमेंटो ने इसे पोस्ट में डालकर स्कोर 7-2 कर दिया। इस बीच जुगराज ने इसी क्वार्टर में 39वें मिनट में गोल करके हैट्रिक बनाई। जिसके बाद सेल्वम कार्ति ने 43वें मिनट में गोल करके भारत की बढ़त को 9-2 तक पहुंचा दिया। आखिरी क्वार्टर बस एक औपचारिकता मात्र थी लेकिन इसी में दोनों टीमों ने ज्यादा गोल किए। इस क्वार्टर में छह गोल हुए। रोहिदास ने 46वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर और इसके बाद 50वें मिनट में जुगराज के पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में तब्दील किया।

नीदरलैंड (नारंगी रंग) व इंग्लैंड के खिलाड़ी।

जूनियर विश्व कप : मलेशिया और नीदरलैंड की विजयी शुरुआत

मदुरै : मलेशिया और नीदरलैंड ने शनिवार को यहां पूल ई के मैचों में क्रमशः ऑस्ट्रिया और इंग्लैंड को हराकर एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट में अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की। मलेशिया ने दिन के पहले मैच में ऑस्ट्रिया को 5-1 से जबकि नीदरलैंड ने इंग्लैंड को 5-3 से हराया। मलेशिया के लिए दानिश खैरिल (56वें और 57वें मिनट) ने दो जबकि हैरिस उस्मान (28वें मिनट), एडम जोहरी (47वें मिनट) और नवीनेश पनिकर (55वें मिनट) ने एक-एक गोल किया। ऑस्ट्रिया का एकमात्र गोल 56वें मिनट में जूलियन कैसर ने पेनल्टी कॉर्नर पर किया। इससे पहले नीदरलैंड की इंग्लैंड पर जीत में जान वैनट लैंड (दूसरे और 49वें मिनट) ने दो मैदानी गोल करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके अलावा कैस्पर वैन डेर वीन (26वें मिनट) ने भी एक मैदानी गोल किया, जबकि जोप्पे वोलबर्ट (39वें मिनट) ने पेनल्टी स्ट्रोक पर और डैनिलो ट्राइलिंग (54वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके नीदरलैंड की जीत सुनिश्चित की। इंग्लैंड के लिए गोल कैडेन ड्रेसी (11वें), माइकल रॉयडेन (29वें) और जॉर्ज फ्लेचर (49वें) ने किए। बाद में दक्षिण अफ्रीका ने यहां पूल ए मैच में आयरलैंड को 2-1 से हराया। दक्षिण अफ्रीका के लिए रूबेन सेंडजुल (43वें मिनट) और रॉस मोंटगोमरी (54वें मिनट) ने मैदानी गोल किए।